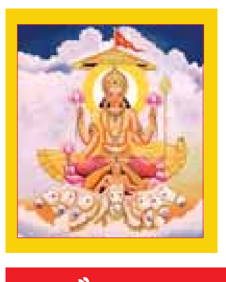

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित

jagrukjanta.net

/jagrukjanta

/jagrukjantanews

वैशाख, पक्ष - शुक्ल, तिथि - दशमी, संवत 2079 पृष्ठ : 8 जयपुर, बुधवार वर्ष-8, अंक-11, 11 मई - 17 मई, 2022 मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

सटीक

कीड़े हमेशा मीठे में ही पड़ते हैं, नमक में नहीं!

खाने में नीम तो कड़वा ही लगेगा, चाहे उसे उपयोग में लेने वाला उसे मीठा होना चाहता हो। मगर यह संभव नहीं है। बीमारी चाहे कितनी ही बड़ी हो अगर हम पुरानी चिकित्सा पद्धति की तरफ देखेंगे तो हमें नजर आएगा कि उस गंभीर बीमारी को मिटाने के लिए उपयोग में ली जाने वाली दवा कड़वी ही होती है। मगर बीमार आदमी हमेशा कड़वी दवा लेने में बहुत ही आनाकानी करता है। उसे तो मीठी दवा चाहिए। जबकि मीठी दवा अपना असर नहीं दिखाती और दिखाती भी है तो बहुत ही कम। यानि अगर बीमारी मिटाना है तो फिर दवा तो कड़वी ही लेनी होती है। इसी प्रकार हमारे समाज में, परिवार में, घर में अगर कुछ गलत है तो उसे कठोरता से ही मिटाया जा सकता है। प्रेम प्यार की भाषा को कोई समझता ही नहीं है, बल्कि प्रेम प्यार की भाषा को हमेशा हल्के में ही लिया जाता है। किसी भी विभाग का अधिकारी अगर अपने कर्मचारियों द्वारा प्रशंसा का भूखा है तो वह कभी भी सफल अधिकारी साबित नहीं हो सकता। उसे तो कार्य और समय के प्रति कठोरता अपनानी ही होगी, तभी वह समय पर काम करवा पाएगा, अन्यथा वह कभी भी किसी काम को सही और समय पर नहीं करवा सकता। क्योंकि चाटुकार हमेशा उसकी प्रशंसा करते रहते हैं और काम के प्रति ठेंगा दिखाते हैं वह प्रशंसा का भूखा कभी उनका बुरा नहीं बन चाहता। अब बात नीम और जीभ पर आकर टिकती है। नीम अगर असरदार है तो उसका स्वभाव कड़वा है, जीभ को तो नीम कड़वा ही लगेगा। मगर इसमें दोष नीम का नहीं है। दोष तो जीभ का है जो हमेशा मीठा ही पसंद करती है। यह याद रखने वाली बात है कि कीड़े हमेशा मिठाई में ही पड़ते हैं, नमक में नहीं। इसलिए कड़वा बोलने वाले को अपना हितैषी समझो, दुश्मन नहीं।

शिव दयाल मिश्रा
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

shivdayalmishra@gmail.com

गृह विभाग की रिपोर्ट में खुलासा : 84 मामले बाल तस्करी के आए सामने

चाइल्ड लेबर और ट्रैफिकिंग का अड्डा बना प्रदेश, 3 साल में 1381 मामले दर्ज

प्रदेश के विभिन्न थानों में 1 जनवरी 2020 से 31 जनवरी 2022 तक बाल श्रमिकों से काम करवाने के 1381 मामले दर्ज हुए हैं।

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

उदयपुर। उदयपुर संभाग चाइल्ड लेबर और चाइल्ड ट्रैफिकिंग का अड्डा बनता जा रहा है। सरकार व गैर सरकारी संस्थाओं की ओर से लगातार कार्रवाई के बाद भी बाल मजदूरी व तस्करी के मामले खत्म होने का नाम नहीं ले रहे हैं। दुकानों, प्रतिष्ठानों, फैक्ट्रियों व खेतों में बच्चों से श्रम करवाया जा रहा है।

इनमें अधिकांश बच्चे आदिवासी बाहुल्य जिले उदयपुर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर व प्रतापगढ़ जिले के हैं। उदयपुर समेत पूरे राजस्थान में ही बालश्रम के मामले पकड़े गए हैं। हाल ही में बाल कल्याण समिति के साथ

एक एनजीओ ने फैक्ट्रियों पर छापेमारी कर कई बच्चों को शेल्टर करवाया था। गृह विभाग की हाल ही जारी रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश के विभिन्न थानों में 1 जनवरी 2020 से 31 जनवरी 2022 तक बाल श्रमिकों से काम करवाने के 1381 मामले दर्ज हुए हैं। इसमें 84 मामले बाल तस्करी के सामने आए हैं। इनमें से ज्यादातर मामले में उदयपुर संभाग के ही हैं। बाल श्रम से जुड़े इन मामलो में पुलिस अब तक 1295 मामलों में अदालतों में चालान पेश कर चुकी है। 34 मामलों में एफआईआर लगा दी गई है और 52 मामलों में अनुसंधान जारी है। इन सभी मामलों में अब तक 1588 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। 84 अभियुक्तों की गिरफ्तारी होना शेष है।

रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि पुलिस ने गुजरात ले जा रहे बच्चों को हाइवे पर रेस्क्यू कर शेल्टर करवाया है। राजस्थान में जो मामले पकड़े गए हैं, उनमें बच्चों को उत्तर प्रदेश, पश्चिमी बंगाल, झारखंड, मध्यप्रदेश, असम, हरियाणा, ओडिशा से लाया गया था। इनमें कुछ नेपाल से तस्करी कर लाए गए बच्चे भी थे। बच्चों के लिए शेल्टर होम चलाने वाली आसरा विकास संस्थान के भोजराज सिंह बताते हैं कि पुलिस और स्वयं सेवी संस्थाओं की ओर से चाइल्ड ट्रैफिकिंग व चाइल्ड लेबर को लेकर नियमित रूप से अभियान नहीं चलाया जा रहा है। जो पकड़े गए हैं वो संख्या बहुत कम है। साथ ही जिन बच्चों को शेल्टर करवाया जा रहा है, उनके पुनर्वास के लिए कोई प्रयास नहीं किए जा रहे हैं। बच्चों को छोड़ा जाता है तो वे दुबारा बाल मजदूरी का शिकार हो जाते हैं।

बालश्रमिकों की उम्र 8 से 10 साल

इस रिपोर्ट के मुताबिक बालश्रम के जो मामले दर्ज किए हैं, उनमें बच्चों की उम्र 8 से दस साल सामने आई है। इन बच्चों से दस घंटों से ज्यादा काम करवाया जा रहा है। इनमें कई बच्चे तो ऐसे थे, जिनको यह भी मालूम नहीं था कि उन्हें काम के बदले पैसा मिल रहे हैं या नहीं? क्योंकि, काम करने वाले लोग पैसा उनके अभिभावक या दलालों को दे रहे थे।

50 फीट गहरे गड्ढे में नहाने गए थे, 17 घंटे से लापता थे

पाकिस्तान से आए परिवार के 4 बच्चे डूबे

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जोधपुर। जोधपुर के 4 बच्चों की 50 फीट गहरी पत्थर की खान में भरे पानी में डूबने से मौत हो गई। चारों बच्चों में दो-दो सगे भाई थे। तीन घंटे की मशक्कत के बाद गोताखोरों ने शव बाहर निकाले। मामला जोधपुर के काली बेरी का सोमवार शाम का है। बच्चों का परिवार पाक विस्थापित है। पुलिस ने बताया कि पाक विस्थापितों की बस्ती से रमेश भील का बेटा पूनमचंद(8) व युवराज(5) और गोविन्द भील का बेटा टीकम(12) व गोपाल(8) सोमवार दोपहर 2 बजे से गायब थे। शाम तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने पहले अपने स्तर पर उनकी तलाश की, लेकिन बच्चों का कहीं पता नहीं चला। क्षेत्र में तीन-चार स्थान पर शादी थी। ऐसे में परिजन यह मानकर बैठ गए कि बच्चे क्षेत्र में किसी शादी समारोह में चले गए होंगे। अपने आप लौट आएंगे। देर रात तक बच्चे नहीं लौटे तो घरवालों की चिंता बढ़ गई। मंगलवार सुबह को बच्चों के गायब होने की सूचना दी। पुलिस और घरवाले बच्चों को ढूंढ ही रहे थे कि किसी व्यक्ति ने कालीबेरी क्षेत्र में पत्थर की खान में भरे पानी के ऊपर एक बच्चे का शव देखा। आस-पास के लोग वहां पहुंचे। शव को बाहर निकाला तो उसकी पहचान रमेश के बेटे पूनमचंद के रूप में हुई। ऐसे में बच्चों के पानी में डूबने की आशंका में स्थानीय लोगों व गोताखोर की मदद से खान के पानी में तलाश शुरू की। करीब 3 घंटे की मशक्कत के बाद तीन अन्य बच्चों के शव भी बाहर निकाले। पुलिस ने बताया कि तीनों के शव गहराई में फंस गए थे। इस घटना के बाद सीएम ने भी ट्वीट किया।

विस्थापितों की बस्ती में मचा कोहराम

कालीबेरी क्षेत्र में पाक विस्थापितों की बस्ती में करीब तीन सौ परिवार रहते हैं। बस्ती के चार बच्चों की एक साथ मौत होने की सूचना पहुंचते ही वहां कोहराम मच गया। विलाप करते परिजनों को बड़ी मुश्किल से लोगों ने संभाला। रमेश का परिवार 1998 में जोधपुर आया था। उन्हें यहां की नागरिकता मिल चुकी थी। वहीं गोविंद भील का परिवार 2015 में जोधपुर आया था। उसे नागरिकता मिलना बाकी है।

बारातियों को 50 फीट तक घसीटता ले गया ट्रेलर

तीन महिलाओं सहित 4 की मौत, ट्रैक्टर-ट्रॉली में शादी से लौट रहे थे

बारां @ जागरूक जनता। बारां में नेशनल हाईवे-27 पर ट्रेलर ने बारातियों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को टक्कर मार दी। इस भीषण सड़क हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए बारां अस्पताल में भर्ती कराया गया है, दो गंभीर घायलों को कोटा रेफर किया गया है। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रैक्टर-ट्रॉली में बैठे लोग उछलकर दूर जा गिरे। कुछ लोग तो ट्रेलर के साथ 50 फीट तक घिसटते चले गए। हादसे के बाद सड़क पर चारों तरफ खून से लथपथ घायल नजर आए। बारां शहर से गुजर रहे नेशनल हाईवे-27 पर अंडर कंस्ट्रक्शन जैन तीर्थ के सामने मंगलवार सुबह करीब छह बजे भीषण सड़क हादसा हुआ। हादसे में मृतक और घायल लोग बटावदा गांव में शादी समारोह में भाग लेकर अंता थाना क्षेत्र के हनुवतखेड़ा लौट रहे थे। ट्रॉली में महिला-पुरुष व बच्चों सहित 24 बाराती सवार थे। रास्ते में डीजल लेने के लिए ट्रैक्टर ड्राइवर ने जैन तीर्थ के पास कट से ट्रैक्टर को पेट्रोल पंप की तरफ मोड़ दिया। इस दौरान पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रेलर ने ट्रैक्टर को टक्कर मार दी।

1 से 8 के विद्यार्थियों को सप्ताह में 2 दिन मिलेगा दूध

जयपुर @ जागरूक जनता। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वर्ष 2022-23 की बजट घोषणा संख्या 338.01 की अनुपालना में मिड डे मील योजना के अंतर्गत कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों को सप्ताह में 2 दिन दूध उपलब्ध कराने के लिए 476.44 करोड़ रूपए के अतिरिक्त वित्तीय प्रावधान को मंजूरी दी है। उल्लेखनीय है कि राजकीय विद्यालयों में मिड डे मील की पौष्टिकता बढ़ाने के लिए इसी वित्तीय वर्ष में आगामी 1 जुलाई से सप्ताह में 2 दिन पाउडर मिल्क का उपयोग करते हुए मीठा गर्म दूध उपलब्ध कराया जाएगा। राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन द्वारा विद्यालय स्तर पर दूध पहुंचाने की व्यवस्था की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने दी 476.44 करोड़ रूपए के वित्तीय प्रस्ताव को मंजूरी

देशद्रोह कानून पर एससी सख्त, केंद्र से पूछा...

नए एक्ट के तहत नए मामले दर्ज होंगे या नहीं?

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने देशद्रोह कानून पर सख्ती दिखाते हुए केंद्र सरकार से पूछा है कि क्या इस एक्ट में अब केस दर्ज होंगे या नहीं? कोर्ट ने केंद्र सरकार को 11 मई तक का समय दिया है। कोर्ट ने आगे कहा- देश में अभी तक जितने IPC 124-A एक्ट के तहत केस हैं, उनका क्या होगा? वह राज्य सरकारों को निर्देश क्यों नहीं दे रहा है कि जब तक इस कानून को लेकर पुनर्विचार प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती, तब तक 124ए के तहत मामलों को स्थगित रखा जाए।

कोर्ट ने केंद्र से पूछा- एक्ट के पुनर्विचार पर कितना समय लगेगा?

सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान केंद्र से पूछा कि पुनर्विचार प्रर्कि या में कितना समय लगेगा? इस पर केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि मैं इस प्रश्न का सटीक उत्तर देने में सक्षम नहीं हूं। उन्होंने कोर्ट को बताया कि पुनर्विचार प्रक्रिया शुरू हो गई है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इसके साथ ही कहा कि देश की एकता अखंडता को ध्यान में रखते हुए केंद्र ने देशद्रोह कानून पर पुनर्विचार करने का फैसला किया है। हालांकि, इससे दंड का प्रावधान नहीं हटाया जाएगा, क्योंकि कोई नहीं कह सकता कि देश के खिलाफ काम करने वाले को दंड न दिया जाए।

हनुमान चालीसा पढ़ने पर लगाया गया देशद्रोह कानून-कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने देशद्रोह कानून के दुरुपयोग की चिंता को जाहिर किया और नवनीत राणा का मामला उठाया। कोर्ट ने कहा अटॉर्नी जनरल ने खुद कहा था कि हनुमान चालीसा पढ़ने पर देशद्रोह कानून लगाया जा रहा है।

केंद्र ने कहा था- देशद्रोह कानून पर करेंगे पुनर्विचार

देशद्रोह कानून मामले में सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से IPC की धारा 124A के प्रावधानों पर विचार और जांच करने की बात कही थी। केंद्र ने कोर्ट में एक हलफनामा दिया था। इसमें कोर्ट से अपील की गई थी कि इस मामले पर सुनवाई तब तक न की जाए, जब तक सरकार जांच न कर ले।

सिंगापुर में कश्मीर फाइल्स बैन

ट्विटर पर जंग शुरू: थरूर बोले- सरकारी प्रमोशन वाली फिल्म नहीं चली, डायरेक्टर ने कहा- नरसंहार का मजाक न बनाएं

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। द कश्मीर फाइल्स रिलीज के बाद से ही इंडिया समेत कई देशों में बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया है। विवेक अग्निहोत्री की यह फिल्म सिंगापुर में रिलीज होने वाली थी, लेकिन वहां के सेंसर बोर्ड ने फिल्म को बैन कर दिया है। इस खबर के सामने आते ही कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने विवेक और भाजपा पर तंज कसा है।

फिल्म सिंगापुर में क्यों हुई प्रतिबंधित?

शशि थरूर ने ट्वीट में स्क्रीनशॉट भी शेयर किया है। इसमें द कश्मीर फाइल्स को बैन करने की वजह बताई गई है। स्क्रीनशॉट में लिखा है, द कश्मीर फाइल्स में मुसलमानों की गलत इमेज होने और कश्मीर में चल रहे संघर्ष में हिंदुओं को सताए जाने का एकतरफा पोर्ट्रेयल है। इस वजह से यह फिल्म कई कम्युनिटी के बीच दुश्मनी पैदा करने और हमारे बहु-धार्मिक समाज में सामाजिक भाईचारे को नुकसान पहुंचाने की क्षमता रखती है। सिंगापुर में धार्मिक समुदायों को बदनाम करने वाली कोई भी चीज को रिलीज करने नहीं दिया जा सकता है।

विवेक अग्निहोत्री ने दिया जवाब

विवेक अग्निहोत्री ने शशि थरूर को फोपडूडल (बेवकूफ) कहते हुए लिखा प्रिय शशि थरूर, आपकी जानकारी के लिए बता दूं कि सिंगापुर दुनिया का सबसे रिग्रेसिव सेंसर है। इसने द लास्ट टेम्पटेशंस ऑफ जीसस क्राइस्ट पर भी बैन लगा दिया था (अपनी मैडम से पूछें)। यहां तक कि एक रोमांटिक फिल्म द लीला होटल फाइल्स पर बैन लगाया गया। कृपया कश्मीरी हिंदू नरसंहार का मजाक बनाना बंद करें।

महात्मा गांधी की 70 चीजें ब्रिटेन में होंगी नीलाम

गांधी के कपड़े, चिट्ठियां, खड़ाऊ होंगे नीलाम

ऑक्शन कंपनी को 5 करोड़ रुपए में बिकने की उम्मीद

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

लंदन। ब्रिटेन में महात्मा गांधी से जुड़ी करीब 70 चीजों की नीलामी की तैयारी चल रही है। इनमें गांधी के हाथों से बने कपड़े, खड़ाऊं, जेल से लिखी चिट्ठियां और संभवतः आखिरी तस्वीर शामिल है।

ब्रिटिश अखबार मिरर की खबर के मुताबिक नीलामी करने वाली कंपनी ईस्ट ब्रिस्टल ऑक्शंस को इस नीलामी से 5 लाख पाउंड (करीब 5 करोड़ रुपए) जुटाने की उम्मीद हैं। कंपनी ने इससे पहले गांधी का चश्मा 2.46 करोड़ रुपए में नीलाम किया था। कंपनी के एंड्रयू स्टोव का कहना है, ये 70 चीजें नीलामी में शामिल अब तक की सबसे महत्त्वपूर्ण चीजों में से हैं।

यह संग्रह लोगों को चौंका देगा। इसमें गांधी की एक तस्वीर को उनके निधन से पहले की अंतिम तस्वीर माना जा रहा है। यह तस्वीर उसी जगह की है, जहां तीन हफ्ते बाद उनकी हत्या की गई थी। इसमें वह चरखे के साथ बैठे नजर आ रहे हैं।

अनुमान है कि तस्वीर गांधी के निजी डॉक्टर ने खींची थी। एंड्रयू के मुताबिक नीलामी के दौरान गांधीजी की यह तस्वीर 1000 पाउंड (94 हजार रुपए) में बिक सकती है।

जेल से लिखी चिट्ठियां भी...

संग्रह में सबसे महत्त्वपूर्ण वे चिट्ठिया हैं, जिन्हें गांधी ने पुणे की जेल में लिखा था। एक चिट्ठी में उन्होंने ब्रिटिश हकूमत को 'जहरीली हवा' बताया था। माना जा रहा है, यह चिट्ठी 10,000 पाउंड में बिक सकती है। ईस्ट ब्रिस्टल ऑक्शंस ने 2020 में गांधी की एक कटोरी, दो चम्मच और एक कांटे (फोर्क) की नीलामी की थी।

तब की सबसे बड़ी राजनीतिक विचारधारा

महात्मा गांधी अपने कपड़े खादी से बनाते थे। उनके हाथों से बनाए कपड़े नीलामी में 15,000 से 25,000 पाउंड जुटा सकते हैं। एंड्रयू ने कहा कि गांधी खादी को पश्चिमी सभ्यता के विरोध और भारत के पारंपरिक कपड़ों का प्रतीक मानते थे। यह उस वक्त की सबसे बड़ी राजनीतिक विचारधारा थी। नीलामकर्ता कंपनी ने ये चीजें गांधी से जुड़े रहे विभिन्न व्यक्तियों के संग्रह से जुटाई हैं।

जागरूक खबरें

150 विभूति ब्राह्मण सम्मान से सम्मानित

जयपुर @ जागरूक जनता। भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव सप्ताह के अंतर्गत 150 ब्राह्मण विभूतियों को उत्कर्ष योगदान एवं सेवाओं के लिये राष्ट्रीय ब्राह्मण समाज स्वागत सम्मान समिति शाखा राजस्थान द्वारा सम्मानित किया गया। शाखा एवं कार्यक्रम संयोजक सोहन शर्मा ने बताया कि सभी ब्राह्मण विभूतियों को अंग वस्त्र एवं सम्मान पत्र भेट कर परशुराम सर्किल विद्याधर नगर जयपुर पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कान्त शर्मा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राज शर्मा, राष्ट्रीय महामंत्री सोहन शर्मा, प्रदेशाध्यक्ष नगेन्द्र वशिष्ठ, प्रदेशाध्यक्ष महिला मालती शर्मा एवं वरिष्ठ पत्रकार शिवदयाल मिश्रा, समाज सेविका बीना पारीक, भाजपा मण्डल अध्यक्ष ममता शर्मा, मयंक चतुर्वेदी, राजनन्द शास्त्री, विद्याधर शर्मा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य ब्राह्मण विभूतियों ने समारोह में भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण किया गया।

रावत पब्लिक स्कूल,प्रताप नगर में मातृ पूजन का आयोजन

जयपुर @ जागरूक जनता। रावत पब्लिक स्कूल,प्रताप नगर के निर्मला ऑडिटोरियम में मदर्स डे के अवसर पर मातृ पूजन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आरंभ रावत एजुकेशनल ग्रुप के चेयरमैन बी एस रावत द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के मांटेसरी से कक्षा 8 तक के विद्यार्थियों की माताओं को आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर 500 से अधिक माताओं ने मातृ पूजन में भाग लिया। विद्यार्थियों ने विधिवत अपनी माताओं की पूजा की एवं उनका आशीर्वाद ग्रहण किया। इस अवसर पर भावपूर्ण वातावरण में सभी माताओं ने अपने बच्चों के दीर्घायु होने की कामना की। विद्यार्थियों एवम उनकी माताओं के एक विशेष वीडियो ने भावुक कर दिया। मदर्स डे को इस अनुपम रूप में मनाए जाने की सभी अभिभावकों ने प्रशंसा की। विद्यार्थियों ने अनेक संगीत एवं नृत्य के कार्यक्रम भी आयोजित किए जिसमे मां के विविध रूपों को परिलक्षित किया गया। रावत एजुकेशनल ग्रुप के निदेशक नरेंद्र सिंह रावत ने बताया की विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति एवं संस्कारो को जीवंत रखने के लिए विद्यालय में प्रतिवर्ष यह कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। उन्होंने बताया कि यह हमारे लिए बड़े गर्व का विषय है की सभी विद्यार्थी बढ़ चढ़ कर इस कार्यर्‍ म में हिस्सा लेते है।

भारत को हिन्दू राष्ट्र घोषित करने की मांग करेंगे - देवेन्द्र

अहमदाबाद @ जागरूक जनता। हम सरकार से भारत को हिन्दू राष्ट्र घोषित करने की मांग करेंगे। यह कहना है भगवा रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा (रींगस) का। भगवा रक्षा दल गुजरात ने शर्मा का अहमदाबाद स्थित सर्किट हाउस में भावभीना स्वागत किया। इस अवसर पर देवेन्द्र शर्मा ने कहा कि आज हिन्दू समाज को एक मंच पर मिलकर कार्य करना होगा। क्योंकि जिस प्रकार देश के अलग-अलग राज्यों में साम्प्रदायिक ताकतें अराजकता फैलाने में लगी हुई हैं। उनसे मुकाबला करने के लिए हिन्दुओं को एक होना होगा। स्वागत समारोह में सुरेश भारती गोस्वामी प्रदेश अध्यक्ष गुजरात नरेन्द्र मोदी विचार मंच एवं श्रीसोमेश्वर मनसुखभाई जिला उपाध्यक्ष कर्णावती नरेन्द्र मोदी विचार मंच और मुकेश कुमार शर्मा मीडिया प्रभारी भगवा रक्षा दल गुजरात उपस्थित रहे।

हॉबी निःशुल्क प्रशिक्षण शिविर 14 से

अहमदाबाद @ जागरूक जनता। संस्कृति सोशल क्लब एवं अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन (राजस्थान) संयुक्त रूप से आगामी 16 से 29 मई तक निःशुल्क हॉबी प्रशिक्षण शिविर का आयोजन करेंगे। क्लब की अध्यक्ष अनिता गुप्ता ने बताया कि शिविर बचपन प्ले स्कूल नया खेड़ा विद्याधर नगर में आयोजित किया जाएगा, जिसमें 10 वर्ष तक के लड़कों एवं सभी आयु वर्ग की लड़कियों को प्रवेश दिया जाएगा। शिविर में डांस, मेंहदी, फैशन डिजाइनिंग, ब्यूटी पार्लर, जूट क्राफ्ट सहित कई अन्य विषयों का भी प्रशिक्षण दिया जाएगा।

नौ-तपा से पहले तप गया गुलाबी शहर

जयपुर @ जागरूक जनता। प्रदेश में गर्मी अपना रोद्र रूप दिखा रही है। ताल-तलैया सूखने लगे हैं। आमेर के मावठा में भी पानी कम होने लगा है। गर्मी का प्रचंडता के चलते सिर्फ सूनी पहाड़ियां ही नजर आ रही है। @ संजय गौतम

सोशल मीडिया के जरिए पुलिस सुधारेगी कानून व्यवस्था

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश की कानून व्यवस्था को मजबूत करने और सांप्रदायिक तनाव के दौरान सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों पर काबू पाने के लिए अब राजस्थान पुलिस भी सोशल मीडिया का सहारा लेगी। अब पुलिस प्रत्येक के नाम से वाट्सएप ग्रुप बनाएगी, जिसमें बीट के सीएलजी सदस्य, पुलिस मित्र व ग्राम रक्षक जुड़ेंगे।

इसके अलावा थाने की महिला व बाल डेस्क प्रभारी थाना स्तर पर एक अलग ग्रुप बनाएगी जिसमें सुरक्षा सखियों को जोड़ा जायेगा। इस संबंध में पुलिस मुख्यालय ने सोमवार को सभी जिला एसपी को आदेश जारी कर मिशन जनजागरण शुरू कर दिया। अगर किसी बीट कांस्टेबल का ट्रांसफर हो गया तो दूसरे प्रभारी संभालेंगे। इन ग्रुपों पर जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय की सोशल मीडिया सैल सभी जिलों में मॉनिटरिंग करेगी साथ ही विभिन्न विषयों पर जागरूकता के मैसेज भेजेगी।

एडीजी क्राइम डॉ. रवि प्रकाश मेहरडा ने बताया कि वर्तमान में सोशल मीडिया के माध्यम से पुलिस के बारे में कई तरह की अफवाएं झूठी फैल जाती है। ऐसे में ग्राउंड लेवल पुलिस को छवि को मजबूत करने और लोगों जागरूक करने के लिए ये अभियान शुरु किया जा रहा है। अपराधों के दुष्परिणाम संबंधित जानकारी लोगों तक पहुंचाई जायेगी। इसके साथ सांप्रदायिक तनाव के दौरान तरह तरह की अफवाहों की तस्दीक करके सच्चाई लोगों तक पहुंचाई जाएगी।

इसके साथ वर्तमान पर बढ़ रहे सायबर क्राइम के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए रोजाना मैसेज भेजे जाएंगे। ताकि ग्रुप से जुड़ने वाले सदस्य इन मैसेज को आगे कॉलोनी के लोगों को भेजेंगे। इन ग्रुप के जरिए यातायात नियमों के बारे में भी लोगों को बताया जाएगा। इस अभियान के दौरान पुलिस मुख्यालय में वरिष्ठ अधिकारी मॉनिटरिंग करेंगे। ताकि पूरे प्रदेश में इस माह के अंत तक सभी बीट में ग्रुप बन जाए।

तीर्थ यात्रा योजना: बजट 13 करोड़ से बढ़ाकर 30 करोड़ रुपए, फिर भी देश में हवाई तीर्थ यात्रा नहीं

वरिष्ठ नागरिकों को पशुपतिनाथ के दर्शन कराएगी सरकार

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना में राज्य सरकार अब सिर्फ काठमांडू (नेपाल) स्थित पशुपतिनाथ की ही हवाई तीर्थ यात्रा कराएगी। यात्रा का बजट 13 करोड़ से बढ़ाकर 30 करोड़ करने के बावजूद इस साल देश की हवाई तीर्थ यात्रा नहीं कराई जाएगी। इस वर्ष से यात्रियों की संख्या भी 5000 से घटाकर 2000 कर दी गई है। वहीं, अब 75 वर्ष के वरिष्ठ नागरिक को ही यात्रा में सहायक ले जाने की अनुमति होगी। जबकि 2013 में शुरू हुई इस योजना में अब तक 65 वर्ष के बुजुर्ग अपने साथ सहायक ले जा सकते थे। कोरोना के कारण पिछले दो साल से यात्रा रद्द कर दी गई थी। इससे पूर्व 2019 में चयनित 5000 बुजुर्गों को नेपाल के पशुपतिनाथ सहित भारत के 8 स्थलों की हवाई तीर्थ यात्रा कराई गई थी। जिन आवेदकों की उम्र 75 वर्ष से ज्यादा है। उनके साथ यात्रा के दौरान एक सहायक को भी ले जाने की अनुमति होगी, जो उनके परिवार का हो सकता है।

ट्रेन से यात्रा: अब 18 हजार यात्री, तीर्थ स्थलों की संख्या 12 की

ट्रेन से यात्रा करने वाले बुजुर्गों की संख्या 5000 से बढ़ाकर 18,000 कर दी गई है और तीर्थ स्थल भी 7 से बढ़ाकर 12 कर दिए गए हैं। बता दें कि 2016 में शुरू की गई हवाई तीर्थ यात्रा के तहत विदेश की हवाई यात्रा 2018 में शुरू हुई थी। 2019-20 में कोरोना के कारण बीच में ही रोक दी गई तीर्थ यात्रा के लिए कुल 85790 बुजुर्गों ने हवाई तीर्थ यात्रा के लिए आवेदन किया था। इनमें से 5000 लोगों का चयन हुआ था।

इन तीर्थों के लिए कराई जा रही थी हवाई तीर्थ यात्रा

अमृतसर- आनंदपुर साहिब **उज्जैन** (महाकालेश्वर, कालभैरव मंदिर, हरसिद्धी, नवग्रह मंदिर) - ओंकारेश्वर **कामाख्या-** गुवाहाटी (राज्य संग्रहालय, कलाक्षेत्र) **गंगासागर -** दक्षिणेश्वर काली - वैलूरमठ - कोलकाता **गोवा देहरादून** - हरिद्वार - ऋषिकेश **श्रवणबेलगोला -** बेंगलुरू **शिरडी -** शनि शिंगणापुर - त्रयंबकेश्वर (नासिक) - मुंबई दर्शन।

इन जगहों पर करवाई जाएगी यात्रा

रामेश्वर, जगन्नाथपुरी, तिरूपति, द्वारकापुरी-सोमनाथ, वैष्णोदेवी-अमृतसर, प्रयागराज-वाराणासी, मथुरा-वृंदावन, सम्मेदशिखर-पावापुरी, उज्जैन-ओंकारेश्वर, गंगासागर (कोलकाता), कामाख्या (गुवाहटी) और हरिद्वार-ऋषिकेश।

जून में ऑनलाइन आवेदन

बुजुर्ग जून में ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। यात्रा सितंबर में शुरू होगी। देवस्थान मंत्री शकुंतला रावत ने इस संबंध में बैठक भी ली। जनआधार कार्ड लाना अनिवार्य होगा। आयु 1 अप्रैल 2022 तक 60 वर्ष पूरी या 1 अप्रैल 1962 से पहले जन्म हुआ, वे योजना का लाभ उठा पाएंगे।

आयुर्वेद स्नातकोत्तर छात्रों के स्टाईपेण्ड में बढ़ोतरी

जयपुर @ जागरूक जनता। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय उदयपुर में आयुर्वेद विभाग से स्नातकोत्तर कर रहे विद्यार्थियों के स्टाईपेण्ड में बढ़ोतरी करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। उक्त प्रस्ताव के अनुसार, अब आयुर्वेद स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को प्रथम वर्ष में 55,200 रूपए, द्वितीय वर्ष में 58,650 रूपए तथा तृतीय वर्ष में 60,950 रूपए का स्टाईपेण्ड मिलेगा। स्टाईपेण्ड के साथ-साथ विद्यार्थियों को महंगाई भत्ता भी दिया जाएगा। आयुर्वेद स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को बढ़ा हुआ स्टाईपेण्ड और डीए देने के लिए राज्य सरकार द्वारा प्रतिवर्ष 9 करोड़ से अधिक की राशि का वित्तीय प्रावधान किया गया है।

उल्लेखनीय है कि एलोपैथी विभाग में स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के स्टाईपेण्ड में समय-समय पर वृद्धि की जाती रही है, जबकि आयुर्वेद विभाग में स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के स्टाईपेण्ड में 1 सितंबर, 2009 के बाद से कोई संशोधन नहीं किया गया था। वर्ष 2009 से अभी तक प्रथम वर्ष में 19 हजार, द्वितीय वर्ष में 20 हजार और तृतीय वर्ष में 21 हजार रूपए स्टाईपेण्ड मिल रहा था। मुख्यमंत्री की मंजूरी मिलने के बाद अब आयुर्वेद पीजी विद्यार्थियों को बढ़ा हुआ स्टाईपेण्ड 1 अप्रेल, 2022 से मिलेगा।

घाटे के ट्रेक पर दौड़ती जयपुर मेट्रो

5 साल में जयपुर मेट्रो के संचालन से सरकार को 181 करोड़ का घाटा

कोविडकाल में खर्चे के मुकाबले 12 फीसदी भी रेवेन्यू नहीं मिला

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर मेट्रो रेल प्रोजेक्ट बनाने के बाद भले ही जयपुर देश की चुनिन्दा मेट्रो सिटी में शामिल हो गया हो, लेकिन उसका जनता को कोई खासा लाभ नहीं मिला। ये मेट्रो अब पब्लिक के लिए न तो फायदे का सौदा साबित हुई और न ही सरकार के लिए। पिछले 5 साल में मेट्रो को चलाने पर सरकार को अपनी जेब से 181 करोड़ रुपए से ज्यादा का खर्चा और करना पड़ गया।

पिछले 5 साल (वित्तवर्ष 2016-17 से 2020-21) तक के ऑपरेशन और मेंटेनेंस (संचालन और रखरखाव) पर जितना खर्च करना पड़ा उस खर्चे का 30 फीसदी भी रेवेन्यू नहीं मिला है। इन 5 साल में सरकार ने मेट्रो के संचालन पर 257.62 करोड़ रुपए से ज्यादा का खर्चा कर दिया, लेकिन सरकार को इससे रेवेन्यू केवल 76.09 करोड़ रुपए ही मिला है। आपको बता दें कि जयपुर मेट्रो के मानसरोवर से बड़ी चौपड़ तक के रूट को बनाने में सरकार ने 3105 करोड़ 54 लाख रुपए से ज्यादा की राशि खर्च करनी पड़ी।

कोविड की पहली लहर में 20 करोड़ का नुकसान बढ़ा

नॉन कोविड पीरियड में मेट्रो को हर साल औसतन 19 से 21 करोड़ रुपए के बीच रेवेन्यू मिल रहा था। अप्रैल 2020 में कोविड आने और उसके बाद लॉकडाउन लगने से मेट्रो ट्रेन का संचालन और लोगों का आवागमन बंद हो गया। इस कारण मेट्रो का ये घाटा 2020-21 में सबसे ज्यादा रहा। इस पूरे वित्त वर्ष में मेट्रो के संचालन और अन्य रेवेन्यू सोर्स से कुल 6.31 करोड़ रुपए की आय हुई, जबकि इस साल खर्चा 57.57 करोड़ रुपए हुआ, ये पिछले वित्त वर्ष से 4 करोड़ रुपए ज्यादा था।

इसलिए हो रहा है फेल

वर्तमान में जो रूट है वह मानसरोवर में किसान धर्मकांटे (गोपालपुरा बाइपास) से गुर्जर की थड़ी, न्यू सांगानेर रोड, अजमेर रोड, सिविल लाइन्स, अजमेर पुलिया, जयपुर जंक्शन, सिंधी कैंप, चांदपोल होते हुए बड़ी चौपड़ तक बना है। इस रूट पर वर्तमान में पब्लिक का तो मूवमेंट है, लेकिन यहां लोगों को आसानी से पब्लिक ट्रांसपोर्ट के दूसरे संसाधन जैसे मैजिक, ई-रिक्शा, मिनी बस, लो फ्लोर बस मिल जाती है। इसमें किराया मेट्रो ट्रेन के समान ही पड़ता है। ऐसे में यात्री को मेट्रो स्टेशन पर चढ़ने-उतरने, स्टेशन बाहर निकले और मेट्रो ट्रेन का इंतजार करने में जितना समय लगता है उतने समय में वह दूसरे संसाधन से अपनी जगह तक पहुंच जाता है।

पिछले 5 साल के रेवेन्यू की रिपोर्ट

वित्तवर्ष	संचालन खर्च	रेवेन्यू
2016-17	45.66	14.26
2017-18	45.92	14.93
2018-19	55.24	19.11
2019-20	53.23	21.48
2020-21	57.57	6.31

संचालन/रेवेन्यू करोड़ों में

इंटरनेट बंदी में देश में दूसरे नंबर पर राजस्थान

प्रदेश के लोगों को इंटरनेट बंद की सजा क्यों? MP दंगों में 1 मिनट बंद नहीं हुआ

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में किसी भी समस्या से निपटने का सरकार और प्रशासन के पास एक ही तरीका है- इंटरनेट बंदी। चाहे एग्जाम में नकल रोकनी हो या हालात बिगड़ने पर अफवाह...तुरंत इंटरनेट बंद करने का आदेश जारी कर दिया जाता है।

ये वो मीम्स हैं, जो राजस्थान में कई बार वायरल हो चुके हैं। इसकी वजह भी है- इंटरनेट बंद के मामले में राजस्थान सबसे संवेदनशील जम्मू-कश्मीर के बाद दूसरे नंबर पर है। पहले करौली, फिर जोधपुर और गुरुवार को भीलवाड़ा में माहौल बिगड़ने की आशंका को देखते हुए इंटरनेट बंद कर दिया गया। क्या सभी राज्य माहौल बिगड़ने की आशंका को देखते हुए इंटरनेट बंद करते हैं? इस सवाल का जवाब है नहीं। हाल ही में पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश के खरगोन में 10 अप्रैल को रामनवमी के जुलूस के दौरान दंगा भड़का। वहां तीन दिन कर्फ्यू रहा। इसके बाद ईद पर भी कर्फ्यू लगाया, लेकिन एक भी दिन इंटरनेट बंद नहीं किया। सुप्रीम कोर्ट ने भी अति आवश्यक परिस्थितियों में ही नेटबंदी के आदेश दे रखे हैं, लेकिन सरकार और प्रशासन ने इंटरनेट बंद करने को अधिकार बना लिया है। पिछले 30 दिनों के दौरान ही 3 जिलों में इंटरनेट बंद किया जा चुका है। इससे पहले 30 दिनों के अंतराल में रीट, पटवारी और आरएएस के एग्जाम में भी 4 बार इंटरनेट बंद कर दिया था।

राजस्थान में 82 बार बंद हुआ इंटरनेट

10 साल के दौरान जयपुर में 16, सीकर में 16, उदयपुर में 12, भीलवाड़ा में 10, भरतपुर में 9, बीकानेर में 9, करौली में 9, झुंझुनूं में 7, सवाई माधोपुर में 7, गंगानगर में 6, राजसमंद में 6, बूंदी में 6, जोधपुर में 6, जालोर में 6, हनुमानगढ़ में 6, टोंक में 6, सिरोही में 5, बारां में 5, डूंगरपुर में 5 बार इंटरनेट बंद किया गया। इसी तरह नागौर में 5, दौसा में 5, बांसवाड़ा में 5, चूरू में 5, चित्तौडगढ़ में 5, बाडमेर में 5, जैसलमेर में 5, अजमेर में 5, अलवर में 5, पाली में 4, धौलपुर में 4, झालावाड़ में 4, प्रतापगढ़ में 4, कोटा में 4 बार इंटरनेट बंद किया गया।

परीक्षा में 5 दिन रहा इंटरनेट बंद

पिछले साल सरकार ने इंटरनेट बंदी को लेकर सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। परीक्षा के लिए 5 दिन इंटरनेट बंद किया। रीट परीक्षा में 26 सितंबर को नेटबंदी की गई। इसके बाद 23 व 24 अक्टूबर को भी पटवारी परीक्षा में इंटरनेट बंद कर दिया गया। 27 अक्टूबर को आरएएस-प्री एग्जाम में भी इंटरनेट बंद कर दिया था। चिंतानजक यह है कि इंटरनेट बंद करने के बावजूद सरकार पेपर लीक और नकल नहीं रोक पाई।

बंद पर एससी की फटकार

सुप्रीम कोर्ट ने भी इंटरनेट बंद किए जाने पर जम्मू कश्मीर से जुड़े एक मामले में सुनवाई करते हुए कहा था कि आज के समय में इंटरनेट लोगों के मौलिक अधिकारों में शामिल हो गया है। इंटरनेट को बिना किसी वजह के बंद नहीं किया जा सकता है। नेट बंद होने से डेबिट, क्रेडिट कार्ड भुगतान सिस्टम, ई वॉलेट ट्रांजेक्शन, मूवी टिकट बुकिंग, मोबाइल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग, ऑनलाइन टैक्सी सर्विस, ऑनलाइन होम डिलीवरी जैसे जुड़े कारोबार ठप हो जाते हैं। इसके अलावा ऑनलाइन फूड ऑर्डर, पानी-बिजली आदि के बिल, ऑनलाइन शॉपिंग, होटल बुकिंग, फ्लाइट बुकिंग, रेल यात्रा बुकिंग, कार्ड स्वाइप मशीन, ऑनलाइन मॉन्यूमेंट बुकिंग, मनी ट्रांसफर समेत अन्य सेवाओं में दिक्कत होती है। अरबों रुपए का कारोबार भी प्रभावित होता है।

इंटरनेट बंद के अलावा भी अफवाहें रोकने के तरीके

बंद कर सकते हैं सोशल मीडिया प्लेटफार्म : इंटरनेट का हर जिले में राउटर्स सेटअप होता है। यहां से आसानी से राउटर्स सेटअप करके टेलीग्राम, वॉट्सऐप, फेसबुक, ट्विटर जैसी सोशल साइट्स को ब्लॉक कर सकते हैं। लेकिन इसके बजाय सरकार पूरा मोबाइल नेटवर्क ही बंद कर देती है। एक्सेस कंट्रोल लिस्ट से केवल सोशल साइट्स को ही ब्लॉक कर परेशानी खत्म हो सकती है।

ब्लॉक कर सकते हैं की-वर्ड्स : हर वेबसाइट के अलग-अलग की-वर्ड्स होते हैं। आउटर एंड पर जाकर आपत्तिजनक की-वर्ड्स को ब्लॉक कर सकते हैं। एक्सेस कंट्रोल करके कौन सा कंटेट जाना है और कौन सा नहीं, ये पूरी तरह तय किया जा सकता है।

विदेश से मंगवाएं या देश में निकालें, खत्म होना चाहिए कोयला संकट, बोले-गहलोत

12 रुपए रेट पर भी नहीं मिल रही बिजली

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान को 12 रुपए यूनिट की रेट पर भी पूरी बिजली नहीं मिल पा रही है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान में भीषण गर्मी के दौर में इलेक्ट्रिसिटी क्राइसिस से जुड़े सवाल पर जवाब देते हुए कहा हम लोग मार्केट से जो बिजली खरीदते हैं। उसमें अपनी बोली लगानी पड़ती है। अब भारत सरकार ने 12 रुपए रेट फिक्स कर दी है। हम जनता के लिए 12 रुपए प्रति यूनिट की रेट तक भी बिजली खरीदने के लिए तैयार हैं। लेकिन वह 12 रुपए में भी नहीं मिल पा रही है। वह तकलीफ सबको हो रही है। कोयले का संकट है। इसलिए मैं चाहूंगा कि जल्द से जल्द कोयला विदेश से मंगाना है या देश से उत्पादन बढ़ाना है। वह काम होना चाहिए और ये संकट खत्म होना चाहिए। गहलोत ने कहा देश के 16 राज्यों में बिजली का संकट चल रहा है। उसमें राजस्थान भी एक प्रदेश है। नई दिल्ली में मीडिया से रूबरू होकर गहलोत ने यह बात कही।

7 राज्यों में दंगों की जांच कराने की मांग

राजस्थान के उदयपुर में 13 से 15 मई को होने वाले अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के नव संकल्प शिविर की तैयारियों को लेकर कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में हिस्सा लेने गहलोत दिल्ली पहुंचे। उन्होंने कहा शिविर कामयाब होगा और कैटेगरी बनाकर बड़े रूप में सब डेलिगेट्स को इसमें बुलाया गया है। शिविर में जो चिंतन-मंथन होगा। वो देश में कांग्रेस की विचारधारा का नैरेटिव बनाएगा। जो विचारधारा गांधी जी, पंडित नेहरू, मौलाना आजाद,सरदार पटेल और अंबेडकर साहब के वक्त की है। गहलोत ने कहा आज पूरे देश में हालात चिंताजनक हालात हैं। क्योंकि हर व्यक्ति डरा- सहमा है। देश में हिंसा का माहौल बन गया है। दंगे भड़काए जा रहे हैं। मैंने अमित शाह जी से मांग की है कि आप सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट के जज को बैठाओ और 7 राज्यों में रामनवमी पर हुए दंगे की जांच करवाओ। क्योंकि वो ही दंगा उससे पहले नवसंवत्सर पर राजस्थान के करौली में हुआ। आठों जगहों की दंगे की जो अप्रोच रही है और जो मॉडल बना हुआ है, वह एक सा था। उसका मालूम पड़ेगा तो आगे दंगे रुक जाएंगे।

नौजवान समझ नहीं पा रहा नौकरियां कहां चली गईं

गहलोत ने कहा केंद्र सरकार पर भी हमारा आरोप है कि पूरा देश हाहाकार कर रहा है। नौजवान समझ नहीं पा रहा है कि देश में हो क्या रहा है। नौकरियां कहां चली गईं, नौकरियां लग क्यों नहीं रही हैं। आर्टिकल आ रहे हैं और रिसर्च हो रहे हैं कि लोग निराश होकर गांवों में चले गए हैं। रोजगार मांगने वाले इस माहौल से इतने निराश हो गए हैं कि हमें नौकरी की कोई उम्मीद ही नहीं है। जब उन नौजवानों में फ्रस्ट्रेशन आता है , तो कई बार कानून की स्थिति भी बिगड़ती है। घटना-दुर्घटनाएं होती हैं। अन्याय-उत्पीड़न होने पर ये माहौल ठीक करना हम सबकी जिम्मेदारी है। इसमें कोई पॉलिटिकल पार्टी की बात नहीं है।

राजस्थान टार्गेट पर है, हमेशा रहेगा

गहलोत ने कहा राजस्थान में कानून व्यवस्था बीजेपी के लोग चौपट कर रहे हैं। हमारी उनसे यही शिकायत है। राजस्थान में कानून व्यवस्था की स्थिति बहुत ही शानदार रही है। लेकिन अब जो करौली की घटना हुई है, फिर राजगढ़ में मंदिर की घटना हुई। बीजेपी बोर्ड ने प्रस्ताव पास किया। उसके बाद कांग्रेस के खिलाफ आंदोलन खड़ा कर दिया। ये हरकतें ठीक नहीं हैं। गहलोत ने कहा केन्द्रीय मंत्रियों,नेताओं को ये कहा जा रहा है कि आफ इश्यू को लम्बा खींचते जाओ। देशभर में करौली मुद्दा अभी तक चल रहा है। जबकि वहां 1 घंटे की घटना हुई थी। गहलोत ने कहा मैं बहुत गंभीरता से तमाम RSS-BJP के लोगों को कहना चाहूंगा कांग्रेस ने विद ह्युमिलिटी हार स्वीकार की है। उन्होंने कहा हम आपस में दुश्मन हैं क्या ? ये तो विचारधाराओं की लड़ाई है।सरकारें बदलती रहती हैं। लेकिन जिस रूप में ये लोग दंगों को भड़का रहे हैं। इसमें षड्यंत्र की बू आती है। राजस्थान को पहले से ही

जागरूक खबरें

पंत कृषि भवन में मूक पक्षियों के लिए परिंडे बांधे गये

जयपुर @ जागरूक जनता। उद्यान विभाग के आयुक्त श्री चेतन देवड़ा द्वारा मंगलवार को पंत कृषि भवन परिसर में कृषि विभागीय समन्वय समिति के अध्यक्ष गिर्राज प्रसाद शर्मा एवं विभागीय कार्यकारिणी तथा अधिकारियों के साथ पक्षियों के लिए परिंडे लगाये गये। इस अवसर पर कृषि मंत्री लालचंद कटारिया के विशिष्ठ सचिव विभु कौशिक भी उपस्थित थे। समन्वय समिति के अध्यक्ष शर्मा ने बताया कि कई कृषि भवन में कई स्थानों पर परिंडे बांधे गये तथा पक्षियों के लिए दाना डालने की शुरूआत भी की गई, ताकि भीषण गर्मी से बेजुबान पक्षियों को राहत मिल सके। कार्यक्रम में समिति के सदस्यों शिखा वर्मा, विनोद चौधरी, सुरेन्द्र शर्मा, भीवाराम जाट, सुन्दरलाल गुर्जर ने भी सहयोग किया।

गृह रक्षा विभाग के 141 पदों के लिए परीक्षा 16 मई को

जयपुर @ जागरूक जनता। गृह रक्षा विभाग के कुल 141 पदों के लिए लिखित परीक्षा 16 मई 2022 को आयोजित की जा रही है। इन पदों में मुख्य आरक्षी (आर्मोरर) के 6 पद हैं। आरक्षी, आरक्षी बिगुलर, आरक्षी, ड्रममैन के 115 पद हैं तथा 20 पद आरक्षी वाहन चालक के हैं। गृह रक्षा विभाग के अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस श्री अमृत कलश ने बताया कि लिखित परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र विभागीय वेबसाइट http://home.rajasthan.gov.in/homeguards पर अपलोड किये गए हैं। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थी अपना प्रवेश पत्र स्वयं की एसएसओ आईडी के माध्यम से एप्लीकेशन आईडी तथा जन्म तिथि भरकर डाउनलोड कर सकते हैं।

लंबित बजट घोषणाओं की क्रियांविति समय पर करें सुनिश्चित-मुख्य सचिव

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्य सचिव उषा शर्मा ने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय से लंबित बजट घोषणाओं की कार्य योजना बनाकर समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करें जिससे आमजन को समय पर राहत मिल सकें।

शर्मा मंगलवार को यहां शासन सचिवालय में वर्ष 2020- 21 तथा वर्ष 2021-22 की विभिन्न विभागों की बजट घोषणाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रही थी। बैठक में 14 विभागों की 111 बजट घोषणाओं की समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने कहा कि सभी विभाग इन बजट घोषणाओं के लिए स्वयं के संसाधनों का भी उपयोग कर एक्शन प्लान बनाकर काम शुरु करें। उन्होंने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को निर्देश दिए के रिवाईज डीपीआर रेट से सभी विभागीय योजनाओं की टेंडर प्रकिया एक महिने में शुरु करें जिससे बजट घोषणाओं के काम को आगे बढ़ाया जा सके। उन्होंने कहा कि वित्त विभाग से संबंधित लंबित बजट घोषणाओं के संबंध में शीघ्र ही मुख्य सचिव के स्तर पर वित्त विभाग के साथ मिलकर बैठक आयोजित की जाए।

बैठक में उद्योग, शिक्षा एवं ग्रामीण विकास विभाग सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने बजट घोषणाओं के सम्बंध में अपने-अपने विभाग की प्रगति से मुख्य सचिव को अवगत करवाया। इस अवसर पर उद्योग विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव वीनू गुप्ता, शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव पी. के. गोयल, आयोजना विभाग के सचिव जोगाराम सहित विभिन्न अधिकारी मौजूद थे। बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी, ग्रामीण विकास, नगरीय विकास, वित्त, राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम सहित 14 विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

नाराजगी

धरना स्थल बना निगम हेरिटेज मुख्यालय

वार्डो में सफाई नहीं होने और साधारण सभा नहीं बुलाने के खिलाफ भाजपा के 10 से ज्यादा पार्षद धरने पर बैठे

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर नगर निगम हेरिटेज पिछले कुछ समय से पार्षदों का धरना स्थली बन गया है। यहां आए दिन पार्षद किसी न किसी मुद्दे पर धरने पर बैठ जाते है। आज भी भाजपा के 10 से ज्यादा पार्षद वार्डो में सफाई नहीं होने, साधारण सभा नहीं बुलाने और कर्मचारियों के काम नहीं करने की शिकायत को लेकर नगर निगम कमीश्नर अवधेश मीणा को ज्ञापन देने आए थे। कमीश्नर के नहीं मिलने और कुछ देर इंतजार करने के बाद भी कमीश्नर नहीं आए तो वे सभी उनके चैम्बर के बाहर ही धरने पर बैठ गए।

भाजपा पार्षद कुसुम यादव ने बताया कि वार्ड 8 के पार्षद राजेश मावर पिछले कुछ समय से अपने क्षेत्र में सफाई व्यवस्था को लेकर परेशान है। इसको लेकर वार्ड स्वास्थ्य निरीक्षक भी पार्षद की नहीं सुनता। इससे परेशान होकर आज सभी पार्षदों ने आयुक्त से कर्मचारियों की शिकायत करने और वार्डो में सफाई व्यवस्था को ठीक करवाने के लिए ज्ञापन देने का निर्णय किया, लेकिन यहां आए तो आयुक्त खुद सीट पर मौजूद नहीं। इससे नाराज होकर सभी ने आज धरना दिया।

सभी परेशान, किसी की नहीं हो रही सुनवाई

वार्ड 58 से भाजपा पार्षद मनीष पारीक ने बताया कि बोर्ड को बने 15 महीने निकल गए, लेकिन यहां एक पार्षद के काम नहीं हो रहे। साधारण सभा जैसी महत्वपूर्ण बैठक भी पिछले सवा साल से नहीं बुलाई गई। हालात ये है कि राज्य में कांग्रेस की सरकार है और नगर निगम में मेयर और बोर्ड भी कांग्रेस का है। इसके बावजूद भी कांग्रेस के पार्षदों के साथ भाजपा के पार्षदों को भी धरना देना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जिन 9 निर्दलीय पार्षदों ने समर्थन कांग्रेस बोर्ड में दे रखा है उनकी भी हालत खराब है। वे भी पिछले 8 महीनों में कई बार धरने पर बैठ चुके है, लेकिन किसी एक भी सुनवाई नहीं हो रही। किसी के कुछ समझ नहीं आ रहा कि आखिर नगर निगम चल भी रहा है या नहीं?

जयपुर हेरिटेज मेयर समेत 4 को नोटिस: पार्षद की याचिका पर की सुनवाई

एक साल से साधारण सभा की बैठक नहीं बुलाने पर हाईकोर्ट ने मांगा दो सप्ताह में जवाब

जयपुर @ जागरूक जनता। जयपुर नगर निगम हेरिटेज में साधारण सभा नहीं बुलाने के मामले में लगी याचिका पर आज सुनवाई के बाद राजस्थान हाईकोर्ट ने नगर निगम मेयर, आयुक्त समेत चार को नोटिस जारी किया। नोटिस में कोर्ट ने इन चारों से साधारण सभा नहीं बुलाने के मामले में जवाब मागते हुए दो हफ्ते बाद सुनवाई करने के लिए कहा है। जस्टिस महेन्द्र गोयल ने वार्ड 22 के पार्षद विमल अग्रवाल की याचिका पर आज सुनवाई की। अग्रवाल की तरफ से उनके वकील ने पैरवी करते हुए बताया कि नगर पालिका अधिनियम में साल में 6 यानी हर 60 दिन में एक बैठक बुलाने का प्रावधान है, लेकिन जयपुर नगर निगम हेरिटेज में पिछले 15 महीने से एक बार भी साधारण सभा नहीं बुलाई गई। यही नहीं पार्षदों के कोरम ने नियमानुसार मेयर मुनेश गुर्जर और आयुक्त अवधेश मीणा को 7 दिन का नोटिस देकर बैठक बुलाने की मांग की, लेकिन दोनों तरफ से उस नोटिस का कोई जवाब नहीं दिया और न ही बैठक बुलाई गई। उन्होंने कहा कि बैठक नहीं होने के कारण आमजन से जुड़े मुद्दों पर न तो चर्चा हो पा रही और न ही कोई योजनाओं की प्लानिंग की जा रही। इस पर कोर्ट ने आज नगर निगम हेरिटेज मेयर, आयुक्त, डीएलबी के सचिव और डीएलबी के डायरेक्टर को नोटिस जारी किया और बैठक नहीं बुलाने के मामले में जवाब पेश करने और दो हफ्ते बाद सुनवाई का आदेश दिया।

सीखने की बात

अपनी जरूरत के लिए धन कमाना अच्छी बात है, किन्तु धन-दौलत जमा करने की भूख होना बुरी बात है...

- अज्ञात

मौलिक अधिकार और लाउडस्पीकर

लाउडस्पीकर के पक्ष-विपक्ष में चल रहा विवाद निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने साफ कहा है कि लाउडस्पीकर पर अजान मौलिक अधिकार नहीं है। इस खास टिप्पणी के साथ न्यायालय ने बदायूं के एक मौलवी की ओर से दायर याचिका खारिज कर दी है। गौर करने की बात है कि कोर्ट का यह अहम फैसला तब आया है, जब उत्तर प्रदेश सरकार के आदेश पर राज्य में धार्मिक स्थलों से एक लाख से अधिक लाउडस्पीकर स्वत~ उतार लिए गए हैं, जबकि इससे कहीं अधिक संख्या में लाउडस्पीकरों की आवाज को कम भी किया गया है। याचिका दायर करने वाले मौलवी ने पहले एसडीएम से इजाजत मांगी थी, लेकिन वहां अर्जी खारिज होने के बाद उन्होंने अदालत का दरवाजा खटखटाया था। संविधान की रोशनी में देखें, तो लाउडस्पीकर लगाने या चलाने का अधिकार कदापि मौलिक नहीं माना जा सकता। एक परंपरा या व्यावहारिकता या सुविधा के कारण लाउडस्पीकर का इस्तेमाल अब तक होता रहा है। अगर किसी को इसके इस्तेमाल का मौलिक अधिकार दे दिया जाए, तो फिर पूरे समाज में होड़ लग जाएगी। अतः अदालत का फैसला स्वागतयोग्य है। समय के साथ बदलते समाज में तेज लाउडस्पीकरों की जरूरत को वाकई खत्म मान लेना चाहिए। देश का कोई भी क्षेत्र हो, आबादी बहुत बढ़ गई है, समाज में विविध आकांक्षा वाले लोग पूरे अधिकार और आवाज के साथ रहने लगे हैं। सबने आजादी या अपनी इच्छा के अनुरूप जीना सीख लिया है, तो अब बीत गया वह दौर, जब एक गांव में कोई लाउडस्पीकर इतनी जोर से बजता था कि दस गांव के लोग सुनते थे। जरूरत से ज्यादा शोर कोई अच्छी बात नहीं है, इसलिए आवाज की मात्रा का निर्धारण किया गया है। अतः अदालत ही नहीं, बल्कि स्वयं मानवीयता का भी तकाजा है कि हम एक-दूसरे की तकलीफ की परवाह करें। समुदाय कोई भी हो, सभी पर कानून समान रूप से लागू होना चाहिए। शासन-प्रशासन को बहुत मुस्तैदी से नए दिशा-निर्देशों को लागू करना होगा। ध्यान रखना होगा कि लोग परस्पर बराबरी करेंगे, सुविधा-सहूलियत की तुलना करेंगे और उसी हिसाब से सरकार के प्रति लगाव या विश्वास तय होगा। हमें ध्यान रखना होगा कि हमने अपने हठ के कारण अनेक रियायतें या सहूलियतें ले रखी हैं। ज्यादातर रियायतों के संरक्षण के लिए कोई कानून नहीं है। हिजाब के मामले में भी हमने यह देखा था, हम अपनी आदतों या परंपराओं को कानून नहीं मान सकते। रोजमर्रा के जीवन में हमारा व्यवहार अलग है और अधिकार अलग हैं। पहले जो समाज था, वह छोटी-छोटी बातों को नजरंदाज कर देता था, लेकिन अब समय बदल गया है, छोटी-छोटी चीजों पर भी ध्यान दिया जा रहा है। सोशल मीडिया ने संवाद या बहस की गति को हर तरफ तेज किया है। संविधान ने इस दौर की कल्पना नहीं की थी और यह माना गया था कि समय के साथ समाज धीरे-धीरे सुधरता जाएगा या ज्यादा सभ्य होता जाएगा। पहले धर्मस्थल भी कम हुआ करते थे, लेकिन अब बड़ी संख्या में बन गए हैं, लेकिन क्या हम पहले से ज्यादा उदार, सभ्य या धार्मिक भी हुए हैं? क्या बढ़ते धर्मस्थलों के साथ-साथ समाज में सब्र, प्यार या भक्ति का माहौल भी बढ़ा है? हमें इस पर जरूर सोचना चाहिए।

सम्पादकीय

महंगाई पर लगे लगाम

राष्ट्र **भारतीय** रिजर्व बैंक ने महंगाई को कम करने के लिए महीनों इंतजार के बाद एक कदम उठाया है, जिस पर स्वाभाविक ही मिश्रित प्रतिक्रिया हो रही है। गौरतलब है कि मई 2020 से ही रिजर्व बैंक रेपो रेट को स्थिर रखे हुए था। कोरोना के शुरुआती दिनों में जब लॉकडाउन लगा था और उसके दुष्परिणाम सामने आने लगे थे, तब रिजर्व बैंक ने यह फैसला लिया था कि वह रेपो रेट को स्थिर रखेगा। रेपो रेट को स्थिर या न्यूनतम चार प्रतिशत पर रखने का मकसद था, बैंकों को आसानी से पर्याप्त नकदी मुहैया कराना। अब जब रेपो रेट में बढ़ोतरी कर दी गई है, तब बैंक पहले की तुलना में कम नकदी या पैसे रिजर्व बैंक से उधार लेंगे। इससे बैंकों के पास जब नकदी की कमी होगी, तब वे भी ब्याज बढ़ाएंगे या अगर ब्याज नहीं बढ़ाया, तो ऋण देने में कमी करेंगे। ऋण देने में जब कमी आएगी, तब बाजार में अनेक वस्तुओं, जमीन-जायदाद की खरीद में भी कमी आएगी। जब खरीद में कमी आएगी, तब महंगाई भी कम होगी।

हम देख रहे हैं कि बुधवार को शेयर बाजार में भी खरीद में कमी आई है। रिजर्व बैंक ने जैसे ही रेपो रेट को 4 प्रतिशत से बढ़ाकर 4.40 किया, वैसे ही शेयर बाजार में बिकवाली चालू हो गई। मतलब शेयरों को खरीदने की तुलना में शेयरों को बेचने की होड़ मच गई। रेपो रेट बढ़ने के बाद शेयर बाजार में भारी गिरावट आई। बॉम्बे शेयर बाजार मतलब बीएसई 1,306 अंक से ज्यादा गिर गया और 55,669 अंकों पर बंद हुआ। निफ्टी 408 अंक गिरकर 16,668 पर बंद हुआ। यह कहने की जरूरत नहीं है कि भारतीय शेयर बाजार में तेजी लगातार बनी हुई है। जब बुरा दौर चल रहा था, तब भी भारतीय शेयर बाजार में तेजी दिख रही थी, क्योंकि मौद्रिक नीतियां ऐसी थीं कि निवेशकों को जरूरत से ज्यादा सहूलियत हो रही थी। बहुत से लोग कोरोना के विकट दौर में भी मालामाल हुए हैं और महंगाई भी लगातार बढ़ रही है। अत~ आज के समय में शेयर बाजार में अगर रेपो रेट में कमी की वजह से गिरावट आती है, तो इसे बहुत गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। चंद उद्यमियों के मालामाल होने या शेयरों के जोर पर अरबपतियों की संख्या बढ़ने से देश के आम लोगों को कोई विशेष लाभ नहीं है। देश में फरवरी महीने से ही महंगाई को लेकर चिंता जताई जा रही है। भारत में खुदरा महंगाई दर पिछले 17 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। ऐसे में, विगत दो महीने से रिजर्व बैंक से यह उम्मीद की जा रही थी कि वह रेपो रेट बढ़ाएगा, ताकि महंगाई से लोगों को कुछ राहत मिलेगी। ज्यादातर अर्थशास्त्री यह तय मान रहे थे कि भारतीय रिजर्व बैंक रेपो रेट बढ़ाएगा। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास की प्रशंसा करनी चाहिए कि उन्होंने बढ़ती महंगाई पर ध्यान देते हुए रेपो रेट में करीब दो साल बाद यह बदलाव किया है। केंद्रीय बैंक को पूरी अर्थव्यवस्था को समग्रता में देखना चाहिए। जहां अमीरों या निवेशकों के साथ न्याय जरूरी है, वहीं सबसे ज्यादा जरूरी है, कीमतों को नियंत्रण में रखना। बढ़ती कीमतों का असर हरेक आदमी और हर कंपनी पर पड़ रहा है। रिजर्व बैंक के लिए भी यह बहुत जरूरी है कि वह जहां देश के विकास की रफ्तार को सुनिश्चित रखे, वहीं तेज महंगाई पर भी लगाम लगाए।

साल 2020 और 2021 के दौरान कोविड की वजह से हुई मौतों के बारे में विश्व स्वास्थ्य संगठन के नए आंकड़ों को लेकर विवाद उठ खड़ा हुआ है। संगठन की रिपोर्ट कहती है कि पिछले दो वर्षों के दौरान कोरोना के कारण भारत में जितने लोगों की जान गई, वह संख्या सरकारी आंकड़ों से कहीं अधिक है।

मौत के आंकड़े छुपाने से किसका भला होगा?

श्याम माथुर
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

अदालतें भी कह चुकी हैं कि वास्तविक आंकड़े छुपाने से सरकार को कुछ भी हासिल नहीं होगा, बल्कि तस्वीर को छुपाने या दबाने से कहीं गंभीर समस्याएं पैदा होंगी। लोग डर जाएंगे और उनका भरोसा कमजोर पड़ जाएगा।

दो साल पहले कोविड की महामारी से बुरी तरह से प्रभावित हुए कई शहरों में संक्रमण और मौत के आंकड़े कम करके रिपोर्ट किए जाने की बात सामने आई थी। ज्यादातर राज्यों में वास्तविक आंकड़ों को कम करके बताया गया। सिर्फ गुजरात प्रांत में ही सरकारी आंकड़ों की तुलना में चार गुना अधिक लोगों की मौत होने की रिपोर्ट वहां के अखबारों ने प्रकाशित की थी। यहां तक कि गुजरात हाई कोर्ट ने भी राज्य सरकार को इसके लिए फटकार लगाई। हाई कोर्ट की बेंच ने तब अपने एक निर्णय में कहा, ''वास्तविक आंकड़े छुपाने से राज्य को कुछ भी हासिल नहीं होगा। वास्तविक तस्वीर को छुपाने या दबाने से कहीं गंभीर समस्याएं पैदा होंगी। लोग डर जाएंगे, उनका भरोसा कमजोर पड़ जाएगा, और जनता के बीच बेचैनी बढ़ेगी।''

अब एक बार फिर बेचैनी बढ़ने लगी है, क्योंकि विश्व स्वास्थ्य संगठन की हालिया रिपोर्ट कहती है कि पिछले दो वर्षों के दौरान कोरोना के कारण भारत में जितने लोगों की जान गई, वह संख्या सरकारी आंकड़ों से कहीं अधिक है। लंबे समय से विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी डब्ल्यूएचओ की इस रिपोर्ट का इंतजार था ताकि यह पता चल सके कि इस महामारी में कुल कितने लोगों की जान गई। इसमें महामारी और उसकी वजह से पैदा हुए कारणों से होने वाली मौत की संख्या शामिल है। इसका मकसद महामारी के असर को व्यापक तौर पर समझना है।

रिपोर्ट के मुताबिक भारत में कोरोना की वजह से 47 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस पर आपत्ति जताते हुए कहा है कि भारत का मौत का आधिकारिक आंकड़ा पांच लाख से कुछ ज्यादा का है। देश में जन्म और मृत्यु के रजिस्ट्रेशन के लिए बेहद मजबूत प्रणाली है। डब्ल्यूएचओ का आंकडा वैज्ञानिक रूप से संदिग्ध है। लेकिन डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट कहती है कि कोविड की महामारी में बीते दो सालों में दुनियाभर में 1.33 से 1.66 करोड़ लोगों की जान गई है। भारत के बारे में जो संख्या दी गई है, वो आधिकारिक आंकड़ों से कई गुना ज्यादा है।

डब्ल्यूएचओ का नया आकलन कोविड 19 के कारण सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से 1 जनवरी 2020 से 31 दिसंबर 2021 के बीच हुई कुल मौतों की संख्या बताता है।

डब्ल्यूएचओ की नई रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में 33.65 लाख लोगों की मौत दर्ज नहीं हुई। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि कोविड के कारण सबसे ज्यादा मौत भारत में हुई है। डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट जारी होने के तुरंत बाद सरकार ने इसे तैयार करने के तरीके पर सवाल उठाए। केंद्र सरकार ने एक दिन पहले ही अपनी तरफ से भी आंकड़े जारी किए थे, जिसमें कुल मिला कर 5 लाख 23 हजार 889 लोगों के मरने की बात कही गई है। डब्ल्यूएचओ के प्रमुख तेद्रोस अधनोम गेब्रेयेसुस का कहना है कि ये गंभीर आंकड़े ना सिर्फ महामारी के असर की ओर इशारा कर रहे हैं, बल्कि सभी देशों को ज्यादा लचीले स्वास्थ्य तंत्र में निवेश करने की जरूरत है जो संकट के दौर में जरूरी स्वास्थ्य सेवा मुहैया करा सके और जिसमें मजबूत स्वास्थ्य सूचनाओं का तंत्र भी शामिल हो।

महामारी के दौरान कोविड के कारण होने वाली मौतों के सही आंकड़ों का पता लगाने की हर जगह समस्या रही है और माना जाता रहा कि जो आंकड़े हासिल हो रहे हैं उसमें पूरी तरह सच्चाई नहीं है। डब्ल्यूएचओ के अलावा जॉन्स हॉपकिंस यूनिवर्सिटी ने भी मौत और संक्रमण के आंकड़े जुटाने पर ध्यान लगाया इसके बावजूद बहुत सी मौतें दर्ज होने से रह गई। अब तक 60 लाख से कुछ ज्यादा लोगों की मौत ही दर्ज है। हालांकि कई अलग अलग रिपोर्टों में यह संख्या इससे बहुत ज्यादा बताई गई है। वाशिंगटन यूनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ मेट्रिक्स एंड इवैल्युएशन के वैज्ञानिकों का अनुमान है कि जनवरी 2020 से जनवरी 2021 के बीच एक करोड़ 80 लाख लोगों की मौत कोविड के कारण हुई। इसी तरह कनाडा के रिसर्चरों की एक टीम का आकलन है कि केवल भारत में ही 30 लाख से ज्यादा लोगों की मौत दर्ज नहीं हुई।

डब्ल्यूएचओ ने 30 जनवरी 2020 को कोविड को अंतरराष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया था। उस वक्त कोरोना वायरस का चीन के बाहर प्रसार शुरू हो गया था। 2020 और 2021 में सभी देशों ने कोविड-19 से कुल मिला कर 54.2 लाख मौत की खबर डब्ल्यूएचओ को दी। यह आंकड़ा 2022 के मौतों को मिलाने पर आज 62.4 लाख तक पहुंच गया है। डब्ल्यूएचओ लंबे समय से कहता आ रहा है कि मौत की असल संख्या उस संख्या से बहुत ज्यादा होगी जो कोविड के संक्रमण के आधार पर बताई जा रही है। महामारी के कारण अप्रत्यक्ष रूप से होने वाली मौतों में उन लोगों की मौत शामिल है जिन्हें कोविड के मरीजों को संभालने के बोझ से दबे डॉक्टर और अस्पताल अपनी सेवाएं नहीं दे सके यानी जिन्हें उस दौर में आम चिकित्सा भी मुहैया नहीं कराई जा सकी। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि सबसे ज्यादा अतिरिक्त मौत यानी लगभग 84 फासदी केवल दक्षिण पूर्वी एशिया, यूरोप और अमेरिका में हुई। वास्तव में केवल 10 देशों में ही 68 फीसदी अतिरिक्त मौत दर्ज हुई है। उच्च आय वाले देशों में 15 फीसदी अतिरिक्त मौतें हुई। इसी तरह उच्च मध्य आय वाले देशों में 28 फीसदी और निम्न मध्य आय वाले देशों में 53 फीसदी। जबकि निम्न आय वाले देशों में यह आंकड़ा महज 4 फीसदी का था। पूरी दुनिया में मौत का आंकड़ा महिलाओं और पुरुषों के लिए भी अलग था। मारे गए वयस्कों में 57 फीसदी संख्या पुरुषों की और 43 फीसदी औरतों की है।

कविता

माँ की पहचान

एनके सिंह
विद्यार्थी
@jagrukjanta.net

मां तुम पहचान हो मेरी और मै तुम्हारी परछाई।
जब भी बचपन में मैने ली थी अंगड़ाई
तब तब तुम अपनी खुशी रोक ना पाई।।
मां तुम पहचान हो मेरी और मैं तुम्हारी परछाई।
पापा ने जब हाथ थामा,तब तुमने मेरी दुनिया में
पहचान कराई।।
****
मां तुम पहचान हो मेरी और मैं तुम्हारी परछाई।
मुझे देखकर चिंतित हो गई तुम,
जब मुझे बचपन में नींद ना आई।
उठा लिया गोद में मुझे और,
मीठी मीठी लोरी सुनाई।।
****
मां तुम पहचान हो मेरी और मैं तुम्हारी परछाई।
झटपट आ गई मुझे नींद तब,
पर तुमने पलक ना झपकाई।
तुम्हारे लिए मैं और क्या कहूं मां
मां तुम पहचान हो मेरी और मैं तुम्हारी परछाई।।
****
(ये लेखक के अपने विचार है)

ओपिनियन

गोस्वामी तुलसीदास जी के जन्म का रहस्य

डॉ. प्रकाश द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य
@jagrukjanta.net

द्धरम संत राम भक्ति रसधारा को प्रकाशित करने वाले गोस्वामी तुलसीदास जी के जन्म समय पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अन्वेषण हुए, किंतु सभी में विरोधाभास है । इसलिए सभी तिथि पर संपूर्ण घटनाएं घटित नहीं होती है। सर्वविदित संवत 1554 श्रावण शुक्ला सप्तमी को जनमानस ने स्वीकार किया। किंतु विशेषता के साथ अध्ययन नहीं किया गया मैंने लगभग 80 विद्वानों के लेखों का अध्ययन किया, जिसमें कुछ शोध ग्रंथ भी सम्मिलित है। किंतु मेरे विचारों में इन तिथियों को तथ्यों से परे माना। जैसे---

1. सवंत 1554 से लेकर संवत् 1602 तक के प्रत्येक श्रावण शुक्ला सप्तमी को देखा किंतु किसी भी तिथि पर अभूक्तमूल नक्षत्र नहीं है। (सारे विद्वान 1554-1602 ताक अलग-अलग तिथि संवत् मानते हैं इसलिए मैंने 1554 से 1602 तक विचार किया।
2. कुछ विद्वानों के द्वारा अभिजित नक्षत्र बताया गया है। ज्योतिषीय पुस्तकों के अनुसार उत्तरा अषाढ़ा के चतुर्थ चरण के अंत की ढाई घटी तथा श्रवण नक्षत्र के प्रथम चरण के आदि में ढाई घटी को ही अभिजित नक्षत्र माना जाता है। जोकि संवत् 1554 श्रावण शुक्ला सप्तमी पर नहीं था।

3. बहुत से विद्वानों ने गोस्वामी जी का जन्म अभुक्तमूल से ग्रसित होना बताया गया था, जिसमें गंडमूल विद्यमान था। मुहूर्त चिंतामणि, नारद संहिता, वशिष्ठ संहिता और बृहस्पति संहिता आदि ग्रंथों में ज्येष्ठा नक्षत्र के अंत की चार घटी तथा मूल नक्षत्र के आदि की चार घटी को ही अभुक्तमूल नक्षत्र माना जाता है।
4. कुछ विद्वानों के अनुसार संवत् 1554 श्रावण शुक्ला सप्तमी को शनिवार का दिन बताया जाता है किंतु उपरोक्त तिथि पर शुक्र वार का दिन है।
5. कुछ विद्वानों ने गोस्वामी जी की जन्म कुंडली में बृहस्पति की उपस्थिति कर्क राशि में बताया है। किंतु सूर्य सिद्धांत के अनुसार बृहस्पति 1 वर्ष पर्यंत एक राशि पर भ्रमण करते हैं अर्थात बारहौ राशि पर परिभ्रमण काल बारह वर्षों में पूरा होता है। इसलिए पृथ्वी पर लगने वाले महाकुंभ ओ का अंतराल 12 वर्षों का होता है। ज्योतिष के अनुसार बृहस्पति कर्क राशि पर 1554 श्रावण मास सप्तमी पर स्थित नहीं थे इनका कर्क राशि पर भ्रमण संवत् 1550 तथा 1562 में था।
6. कुछ विद्वानों के अनुसार गोस्वामी जी की जन्म कुंडली के समय सायंकाल और शनि को अष्टम भाव में स्थित बताया गया है किंतु सायंकाल में जन्म होने पर अष्टम भाव में शनि नहीं हो सकते क्योंकि संवत् 1554 श्रावण शुक्ला सप्तमी पर शनि मेष राशि पर स्थित है, और सूर्य सिंह राशि में स्थित थे। (उस वर्ष श्रावण में अधिमास था) अतः अष्टम में शनि होने के लिए प्रातः 9:15 का समय होना चाहिए।

निष्कर्ष– कई ग्रंथों व भौतिक सत्यापन, स्थली निरीक्षण, आत्म शोध, ज्योतिषीय अन्वेषण गोस्वामी तुलसीदास जी के पूर्वजों के मूल अभिजन ग्राम सरार जनपद गोरखपुर में रखी हुई वंशावली, बुजुर्ग विद्वानों के परामर्श तथा स्वयं गोस्वामी तुलसीदास जी रत्नावली सहित स्वप्न में आकर बताए हुए तथ्य आदि सभी मानकों के अनुसार गोस्वामी तुलसीदास जी का जन्म संवत् 1554 शुद्ध श्रावण शुक्ल पक्ष दशमी तिथि दिन सोमवार नक्षत्र मूल प्रथम चरण अभुक्त मूल गंडातयोग विषकुंभ बवकरण समय सुबह है 9:15 जन्म स्थान चित्रकूट जनपद (तत्कालीन बांदा जनपद) राजापुर (तत्कालीन विक्रमपुर) में पंडित परशुराम दुबे व पद्मावती के तीसरी पीढ़ी में गोस्वामी तुलसीदास देवी हुलसी के गर्भ से उत्पन्न हुए थे।

लेखक विश्व कल्याण एवं ज्योतिष शोध संस्थान, मनुपुर मनैया करछना-प्रयागराज (उ.प्र.) के अध्यक्ष है, यह उनके अपने विचार है।

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज ।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

अन्य साधनाओं से जितने लाभ हो सकते हैं सब केवल निरंतर नाम जप से सुलभ हो जाती हैं। सब प्रकार के पाप, ताप, संताप, अपराध और बंधनों से छुटकारा मिलता है। विशेषकर कलियुग में तो नाम जप से बढ़कर कोई उपासना नहीं है। नाम जप आधिव्याधि से युक्त मनुष्यों के लिए सुगमतम और सर्वसिद्धिप्रद है। श्रुति स्मृति कहती हैं भगवान के रूप और नाम दोनों भगवत् स्वरूप हैं, अभिन्न हैं, नाम उन्हीं का रूप है। इसलिए नाम संकीर्तन भगवान की महत्वपूर्ण उपासना है। भगवान के नाम का संकीर्तन उनके श्रीविग्रह की अर्चना से भी अधिक सहज, सरल और सरस है। भगवान की महिमा और स्वरूप का ज्ञान न होने पर भी केवल उनके नाम अक्षर मात्र उच्चारण से तत्व की प्राप्ति हो जाती है। भगवान के समस्त नाम प्रिय हैं, मधुर हैं, उनकी महिमा समान है, तथापि अपने प्रिय उपास्यदेव के नाम से तत्काल ही अभिष्ट की सिद्धि होती है। भगवान का नाम पराभक्ति और प्रेमा (ब्रह्म) भक्ति की प्राप्ति होती है, जिसे मोक्ष से भी गुरुतर माना गया है। भगवान के नाम संकीर्तन से उनके विशेष गुणों का मन में संचार होकर साधक का मन और शरीर पवित्र होता है, जो मन को नियंत्रण में रखने, शांत रहने और समत्व की स्थिति प्राप्त करने में सहायक होती है। भगवान के पवित्र नाम का जप करने से मन की बिखरी हुई शक्तियां एकत्रित हो जाती हैं। उस समय मन की प्रवृत्ति एक ही विचार प्रवाह की ओर चलने लगती है और धीरे-धीरे वही ध्यान का रूप धारण कर लेती हैं।

क्रमशः

जागरूक Selfie विद डॉटर

पलक पुत्री मुकेश-स्विटी शर्मा, माचेड़ा, जयपुर

हमे लिखे

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : 9829329070, 9928022718

झलक: रोते हम मनाई ले

तुषार पुरोहित
पत्रकार
@jagrukjanta.net

बचपन से लेकर वृद्धावस्था तक मौके पर मौके रूठना लगा ही रहता है। साहित्य के प्रतीकों को फिल्म होगी ने हो रूठने में भी कोई रस होगा तो अवश्य वरना कोई यूं ही तो नहीं आता तुम रूठी रहो मैं मनाता रहूं, तो मजा जीने का और भी आता है।

रूठने के पीछे कोई टिक ना कोई शिकायत होती ही है, जिसका इजहार खामोशी से किया जाता है। कई बार देरी से ही पता चलता है कि कोई रूठ गया है। ऐसे अवसर पर बेपरवादी जायज है। समझने और मनाने को लेकर कभी-कभी बहुत देर हो चुकी होती है। करने को कुछ बचता नहीं, गुजरा हुआ जमाना आता नहीं, दोबारा हाफिज खुदा तुम्हारा। ऊपरी तौर पर जो बात आसान वह किसी के लिए फेस बन जाती है। अपनी उपेक्षा दिल में गहरे तक चुभ जाती है। दर्द होठों पर यूं ही छलक जाता है। तुम ही फेंक देते नशेमन हमारा मोहब्बत में अरमान होता तुम्हारा। जमाने से कोई शिकायत ना होती, हमें काश तुमसे मोहब्बत ना होती। रूठने की मौत जज्बातों के समुंदर में उसकी बुद्धि के मरुस्थल में नहीं हां मनाने वाले को सयानापन दिखाना होता है। किंतु वहां भी छल और कपट नहीं चलता, रूठने मनाने के बीच आत्मीयता का नाजुक डोर बंधी होती है। इधर से ही नहीं उधर से भी इसे संभाला जाता है। सितारों से ऊंचा हो ख्वाब तुम्हारा, बनो तुम हर एक जिंदगी का सहारा मुकद्दर तुम्हारा। सदा जगमगाए तुमको हमारी उमर लग जाए। ऐसे गहरे रहा चलते से कोई रूठता नहीं। जहां मैत्री भाव इसने वात्सल्य तथा प्रेम की फिजा हो वही रूठना मनाना। दिलों में सुकून भूल जाता है । उनकी अवस्था बिरहा किटी और उमड़ता गम का दायित्व यह सभी तो प्यार की असली कसोतिया हैं यहां जलने में भी आराम है वियोग में भी चैन है अरमान भरे दिल में जख्मों को जगह दे दे। भड़के हुए शोलों को कुछ और हवा दे दे। बनती है तो बन जाए यह जिंदगी अफसाना ए मेरे दिले नादान तू गम से न घबराना कोई रूठता कोई मनाता। भूमिका आपसे में बदलती रहती। पुत्री क्यों कभी पिता भी रूठ जाता। पोता ही क्यों कभी दादी भी रूठ जाती। दादी अ म्मा दादी अम्मा मान जाओ। छोड़ो भी यह गुस्सा जरा हंस के दिखाओ। रूठने का क्या कभी प्रजा तो कभी राजा रूठ जाता। जोगी, सिद्ध, पीर, औलिया, और फकीर। नर-नारी बाल व्रत स्वामी अथवा सेवक सभी को रूठने का हक है।

त्रिभुवन तक ऐसा कौन जो कभी रूठा ना गया हो। भगवान ही क्यों यहां तो नरसी मेहता की तरह भक्त भी बड़ी ठसक से रूठ जाता है। उहलाना भी देता है कि आहिर है। संगातियों में लाज गंवाने के बाद ही आया । तब रुक्मणी ने अपने बढ़कर खुशामद पूर्वक भक्तराज को माहिरा बनने की रस्म के लिए मनाया। लेटलतीफी के लिए गोपियों ने नंदलाला को क्या-क्या न सुनाया, आवन कह गए होने आए ली नहीं ने मोरी खबरिया काहे रूठ गए सांवरिया। रूठ ना कोई हड़ताल नहीं, यह अनशन है यह सत्याग्रह भी नहीं, प्रदर्शन और धरने से भी यह अलग है क्योंकि सामने वाले के साथ कोई आकस्मिक संबंध नहीं। रूठने में हिंसा या दहशतगर्दी का कोई स्थान नहीं। केकई का कोप भवन में बैठ जाना, मंथरा की सिखावन या षड्यंत्र का हिस्सा है। अपनी जिद से उसने अयोध्या कांड खड़ा कर दिया। दशरथ को प्राण त्यागने पड़े कि केकई की स्वार्थपरता ने आत्मिक प्रेम का गला घोट दिया इसे रूठना नहीं कहा जा सकता। लूटने वाला मान जाने को भी तैयार रहता है। क्योंकि प्यार का सिरा वे स्वयं भी छोड़ना नहीं चाहता। रूठ कर पहले जी भर सताऊंगी मैं। जब मनाएंगे वो मान जाऊंगी मैं।। दिल पर रहता है ऐसे में कब इख्तियार, कोई आता है, राजा जोगी पीर फकीर भले ही रूठ जाए मगर सैया जो रूठ जाए तो सिर्फ पछतावें के अलावा बचता ही क्या।

जो मैं जानती बिसरत है सैयां घूंघटा में आग लगा देती, मेलाज का बंधन तोड़ सखी पिया प्यारे को अपना मना लेती।। रूठने की सादगी और सरलता बच्चों में देखी जाती। खुद रूठे खुद बन जाए फिर हम जोली बन जाए, झगड़ा जिसके साथ करें अगले पल फिर बात करें। इनका भोलापन मिलता है सबको बहुत सारे बच्चे मन के सच्चे। सारे जग की आंख के तारे।। आत्मियता का प्रतीक है हंस। सरोवरों की शोभा है यह राजहंस। इन्हें मनाए रखना ही अच्छा। रूठे हंस मनाय लें। नैका तका न छोड़।

जासूं लागौ फूटरा वासू खैंच न तोड़।

यह झलक क्षीर नीर विवेकी इसी हंस के नाम। अस्तु!

- तुषार, निरपेक्ष

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

पंचांग

ज्योतिर्विद्
अक्षय शास्त्री
साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 13/04/2022

सूर्योदय : 05:35 **सूर्यास्त** : 19:03 **चन्द्रोदय** : 14:08 **चन्द्रास्त** : 02:36 **शक सम्वत** : 1944 सुभाकृतु **अमान्ता महीना** : वैशाख **पूर्णिमांत** : वैशाख **सूर्य राशि** : मेष **चन्द्र राशि** : सिंह **पक्ष** : शुक्ल **तिथि** : दशमी, 19:26 तक **वार** : बुधवार **शक सम्वत** : 1944 शुभकृत **विक्रम सम्वत** : 2079 राक्षस **गुजराती सम्वत** : 2078 प्रमादी **द्रिक ऋतु** : ग्रीष्म **द्रिक अयन** - उत्तरायण **वैदिक अयन**- उत्तरायण

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : पूर्व फाल्गुनी, 19:18 तक **प्रथम करण** : तैतिल, 07:32 तक
योग : व्याघात, 19:15 तक **द्वितिय करण** : गारा, 19:26 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:09 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	04:30 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:33 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	06:49 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	07:02 पी एम से
अमृत काल	12:51 पी एम से
निशिता मुहूर्त	11:56 पी एम से 12:38
रवि योग	पूरे दिन

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
अग्निवास : पृथ्वी
नक्षत्र शूल: उत्तर

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया

लाभ	: 05:34 - 07:15
अमृत	: 07:15 - 08:56
काल काल वेला	: 08:56 - 10:37
शुभ	: 10:37 - 12:18
रोग वार वेला	: 12:18 - 01:59
उद्वेग	: 01:59 - 03:41
चर	: 03:41 - 05:22
लाभ	: 05:22 - 07:03

रात का चौघड़िया

उद्वेग : 07:03 - 08:21
शुभ : 08:21 - 09:40
अमृत : 09:40 - 10:59
चर : 10:59 - 12:18
रोग : 12:18 - 01:37
काल : 01:37 - 02:56
लाभ : 02:56 - 04:15
उद्वेग : 04:15 - 05:34

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज दशमी

आज कौन सा कार्य करें

राज संबंधी कार्य (सरकारी कार्य), व्रतबंध, प्रतिष्ठा, विवाह, यात्रा, भूषणादि के लिए शुभ होते हैं। यात्रा, शिल्प, चूड़ा कर्म, अन्नप्राशन व गृह प्रवेश शुभ है। ऋण नहीं देना चाहिए।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।
ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।
यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

वैशाख, शुक्ल, दशमी, 2079 बुधवार, 11 मई - 17 मई, 2022

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
मानसिक शांति के लिए किए गए प्रयास सफल रहेंगे। कोर्ट-कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रसन्नता रहेगी। किसी धार्मिक यात्रा की योजना बनेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
किसी तरह से बड़ा लाभ होने की संभावना है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। किसी तरह के विवाद में विजय प्राप्त होगी। स्वास्थ्य अच?छा रहेगा।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
वाहन व मशीनरी इत्यादि के प्रयोग में लापरवाही न करें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
भावना में बहकर महत्वपूर्ण निर्णय न लें। नौकरी में कार्यभार रहेगा। लाभ होगा। स्वास्थ्यतक। संबंध में लापरवाही न करें। स्वास्थ्य पर व्यय होगा। दु:खद समाचार मिल सकता है। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

मिथुन [क, की,कु,घ, ङ,छ,के,को,ह]
कार्यक्षेत्र के लिए नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। बिगड़े काम बन सकते हैं। समाजसेवा करने का मन बनेगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में विशेष रूप से सहभागिता रहेगी। सप्ताह के मध्य में व्यवसाय के संबंध में छोटी या लंबी दूरी की यात्रा करनी पड़ सकती है। यात्रा सफल एवं लाभदायक साबित होगी।

कर्क [हि, हु, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
मनपसंद व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग अपने कार्य उत्साह व लगन से कर पाएगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। धन प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। कारोबार अच्छा चलेगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
घर, दुकान, फैक्टरी व शोरूम इत्यादि के खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। कारोबार में बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
कल्पना को हकीकत में बदलने के लिए कसर नहीं छोड़ेंगे। साझेदारी के कारोबार में अप्रत्याशित धन लाभ की प्राप्ति होगी।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
प्रसन्नता का वातावरण निर्मित होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

कृषि आदान का ऑनलाइन कारोबार

ठगी के फेर में उलझता स्मार्ट बनता अन्नदाता

ज्ञानेन्द्र मिश्रा
jagrukjanta.net

जयपुर। फार्मिंग को स्मार्ट बनाने के लिए किसान हाईटेक हो रहे है। खाद, बीज से लेकर कृषि यंत्रों की डिजिटल जानकारी के साथ जरूरत का कृषि आदान घर बैठे ऑर्डर कर रहे है। लेकिन, सावधान ? खाद-बीज के मामले में आप ठगी का शिकार हो सकते है। क्योंकि, अमानक कृषि आदान के कई मामले प्रदेश में सामने आ चुके है। हालात यह है कि किसान काले टमाटर का ऑनलाइन बीज खरीद रहा है। लेकिन, उत्पादन के समय टमाटर लाल भी नहीं हो रहा है। कमोबेश यही स्थिति दूसरे फसली बीजों की है। ऐसे में ऑनलाइन बीज खरीद में जागरूकता जरूरी है। अन्यथा, बीज खराब निकलने पर पछतावे और आर्थिक नुकसान के सिवाए आपके पास कुछ शेष नहीं रहेगा। गौरतलब है कि फसल बुवाई का समय नजदीक आने के साथ ही कॉमर्शियल बेवसाइटों पर कृषि आदान बिक्री करने वाली कम्पनियां कुकरमुत्ते की तरह दिखाई देने लगती है। कृषि आदान का ऑनलाइन कारोबार करने वाली इन कम्पनियों के बीज-खाद की आकर्षक पैकिंग और उत्पादन के बड़े-बड़े दांवों के भ्रमजाल में फंसकर किसान घर बैठे मुहं मांगे दामों पर बीज की खरीद कर लेता है। लेकिन, खरीदे गए बीज की हकीकत से दोचार होने के बाद किसान अपने को ठगा सा महसूस करता है। क्योंकि, बीज खराब निकलने की स्थिति में किसान के पास बीज विक्रेता कंपनी के खिलाफ कानूनी कार्यवाही के लिए पर्याप्त साक्ष्य नहीं होते है। इसके चलते किसान कृषि विभाग को भी सूचना देने से कतराते है। यही कारण है कि पिछले दो-तीन साल में खाद-बीज का ऑनलाइन करोबार धड़ल्ले से फलफूल रहा है। क्योंकि, पैसा कंपनी के खाते में पहुंचने के बाद आदान विक्रेता फर्म किसान से कोई सरोकार नहीं रखती है। किसान के पास भी कस्टमर केयर पर शिकायत करने का एक मात्र विकल्प शेष रहता है।

गौरतलब है कि बीज कृषि का महत्वपूर्ण आदान है। बीज खराब निकल जाने पर किसान को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। कृषि जानकारों का कहना है कि बीज जैसे कृषि आदान की खरीद में किसानों को पहले कंपनी की पूरी पड़ताल करनी चाहिए। साथ ही, बीज खरीद के बदले पक्का बिल लेना चाहिए। ताकि, बीज अमानक निकलने की स्थिति में संबंधित कंपनी के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जा सके।

यह होते है हालात

बात चाहे खरीफ-रबी अथवा जायद मौसम की हो। अमानक कृषि आदान बिक्री के ऐसे कई मामले सामने आते है, जिसमें बीज के पैकेट पर कंपनी का नाम, बैच नंबर, निर्माण तिथि, अंतिम तिथि, एमआरपी तक अंकित नहीं होती है। किसान सस्ते के चक्कर में बीज की खरीद कर लेता है। लेकिन, बीज खराब निकलने की दशा में किसान ना घर का रहता है और ना घाट का। ऐसे में किसान जागरूक रहें, अगर कहीं भी कुछ शंका हो तो नजदीकी कृषि विभाग में जाकर जानकारी दें।

ना गोदाम, ना लाइसेंस का पता

कृषि विभाग के अधिकारियों का कहना है कि ऑनलाइन बीज का करोबार करने वाली कम्पनियों के बारे में स्थानीय स्तर पर कोई जानकारी विभाग के पास नहीं होती है। बीज खराब निकलने की स्थिति में किसान भी कंपनी के खिलाफ विभाग को शिकायत नहीं करता है। इस कारण कंपनियों के खिलाफ यथा समय कार्यवाही नहीं हो पाती है। गौरतलब है कि कृषि आदान विक्रेता कम्पनियों के लिए बीज और आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कई प्रावधान किए गए है। इनमें बीज-खाद बिक्री लाइसेंस के साथ माल गोदाम भी स्थानीय स्तर पर कंपनी के पास होना चाहिए। जबकि, ऑनलाइन बीज खरीद के दौरान किसान इन कानूनी पहलुओं से अनभिज्ञ रहते है। क्योंकि, इन कम्पनियों के स्थानीय स्तर पर ना तो कोई सेल्स प्रतिनिधि होते है और ना वितरक -विक्रेता का नेटवर्क इनके पास होता है।

पहल के साथ बढ़ा गोरखधंधा

किसानों को उत्तम गुणवत्ता का घर बैठे बीज उपलब्ध कराने के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अन्तर्गत आने वाले कृषि संस्थानों ने अपने बीज पोर्टल शुरू किए है। इन बीज पोर्टल पर संस्थान के वैज्ञानिकों के द्वारा विकसित किस्मों की जानकारी के साथ बीज उपलब्धता और बीज दर का स्पष्ट उल्लेख होता है। जबकि, कृषि आदान का ऑनलाइन कारोबार करने वाली कम्पनियां किसानों को बीज पैकेट और एमआरपी के अलावा कोई जानकारी मुहैया नहीं कराती है। सूत्रों का कहना है कि आईसीएआर के संस्थानों द्वारा बीज पोर्टल शुरू करने के बाद निजी कंपनियों ने भी कॉमर्शियल बेबसाइटों का सहारा लेना शुरू कर दिया है। उन्होंने बताया कि केन्द्र और राज्य सरकार के मान्यता प्राप्त संस्थानों से जरूरत का कृषि आदान खरीद में कोई बुराई नहीं है। क्योंकि, बीज-खाद के खराब निकलने पर संस्थान इसके लिए जिम्मेदार रहते है। लेकिन, ऑनलाइन आदान कारोबार बेचने वाली कम्पनियां छिपे दुश्मन की भूमिका निभाती है।

गुणवत्ता जांच भी कोसो दूर

किसानों को गुणवत्ता पूर्ण कृषि आदान उपलब्ध कराने के लिए रबी-खरीफ और जायद मौसम के दौरान कृषि विभाग की गुण नियंत्रण शाखा के द्वारा आदान गुणवत्ता जांच अभियान चलाया जाता है। इसके तहत बीज विक्रेता से लेकर कंपनी के माल गोदाम से आदान के नमूने आहरित किए जाते है। नमूना विश्लेषण के दौरान अमानक निकलने की स्थिति में कंपनी के विरूद्ध कृषि विभाग के द्वारा कानूनी कार्यवाही अमल में लाई जाती है। लेकिन, ऑनलाइन कारोबार करने वाली कम्पनियों के द्वारा किसानों को पैकेट में क्या बिक्री किया जा रहा है, इस बात का पता केवल कंपनी को होता है। क्योंकि, ऐसे आदान के ना तो नमूने आहरित हो पाते है और ना ही जांच। ऐसे में किसान स्वयं कृषि आदान के ऑनलाइन कारोबार की स्थिति का अंदाजा लगा सकते है।

बीज अधिनियम में सुधार की दरकार

कृषि आदान के ऑनलाइन कारोबार पर शिकंजा कसने में कानून भी बाधक बना हुआ है। सूत्रों का कहना है कि जो भी कंपनी कृषि आदान का ऑनलाइन कारोबार कर रही है, उसके पास मुख्यालय पर आदान बिक्री का लाइसेंस होना जरूरी है। यदि ऐसा नहीं है तो पूरा कारोबार अवैध माना जाता है। गौरतलब है कि कृषि आदान का अवैध कारोबार करने वालों के खिलाफ बीज नियंत्रण आदेश-1983 और उर्वरक नियंत्रण आदेश-1985 के तहत कार्यवाही की जाती है।

भारत सरकार ने कीटनाशक के ऑनलाइन कारोबार को मंजूरी दी है। जबकि, बीज और खाद का कारोबार अवैध है। यदि कोई ऐसा कर रहा है तो कृषि विभाग को शिकायत कर सकते है। ऑनलाइन कृषि आदान खरीद करने वाले किसान, आदान खराब निकलने पर नजदीकी कृषि कार्यालय को शिकायत दें। ताकि, किसानों को ठगी से बचाया जा सके।

- डॉ. आरजी शर्मा, संयुक्त निदेशक, आदान, जयपुर

जागरूक खबरें

राष्ट्रीय कवि सम्मेलन आयोजित

जयपुर। यूथ फेडरेशन के द्वारा राष्ट्रीय कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। मंच संचालक अनामिका मिश्रा ने बताया कि कार्यक्रम कि मुख्य अतिथि कीर्ति सिंह गौड़ थी और सरस्वती वंदना एकता गुप्ता द्वारा कि गयी। काव्य का मुख्य शीर्षक माँ की ममता और महाराणा प्रताप की शौर्य गाथा था। अनामिका मिश्रा ने बताया कि कार्यक्रम में प्रो शरद नारायण खरे, खेमराज राजे, एकता गुप्ता, लक्ष्मी सिंह, स्मृति मिश्रा, दीपक शर्मा, प्रभात गौड़ ने काव्य पाठ किया। ममता कि छाव, शौर्य गाथा पर कवियों ने दर्शको को भाव विभोर किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष रविंद्र सिंह राठौड़ ने सभी का आभार प्रकट किया।

मांगू देव राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोनीत

अहमदाबाद @ जागरूक जनता। भगवा रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र शर्मा रींगस ने आल इंडिया ज्वेलर्स फेडरेशन ऑफिस में शमांगूदेव सिंह राठौड़ नेशनल एक्सक्यूटिव चेयरमैन से मुलाकात की। मुलाकात के बाद शर्मा ने मांगूदेव सिंह राठौड़ को भगवा रक्षा दल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी। इस अवसर पर मांगूदेव सिंह ने कहा कि बहुत जल्द गुजरात सौराष्ट्र एवं कर्नाटक सहित अन्य राज्यों में दल के प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किए जाएंगे। भगवा रक्षा दल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोनीत होने पर दल के कार्यकर्ताओं ने उनको हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

धूमधाम से मनाया श्रीजानकी जन्म उत्सव

जयपुर @ जागरूक जनता। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी छोटी चौपड़ स्थित श्री सीताराम जी के मंदिर पर श्री जानकी जन्म उत्सव बड़ी धूमधाम से मंदिर महंत श्री नंदकिशोर जी महाराज के पावन सानिध्य में मनाया गया। प्रातः श्री जानकी माता का पंचामृत अभिषेक किया गया। अभिषेक करने के पश्चात दोपहर 1:00 बजे श्री जानकी माता की जन्म आरती की गई। मंदिर प्रांगण में ही भक्तों के द्वारा बधाई उत्सव किया गया।जन्म आरती के समय 51 हवाई तोपों की सलामी दी गई। श्री जानकी माता जी की पालना में झांकी सजाई गई। मंदिर में आने वाले सभी श्रद्धालुओं को पंजरी प्रसादी वितरित की गई। आज श्री जानकी जन्मोत्सव पर विशेष रूप से श्री जानकी माता के श्री चरणों के दर्शनों की झांकी पालना में सजाई जाती है। सभी कार्यक्रम मंदिर महंत श्री नंदकिशोर जी महाराज के सानिध्य में संपन्न हुए

जेट एयरवेज को मिला सिक्योरिटी क्लियरेंस

जल्द उड़ान भरेगी जेट एयरवेज की फ्लाइट्स

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

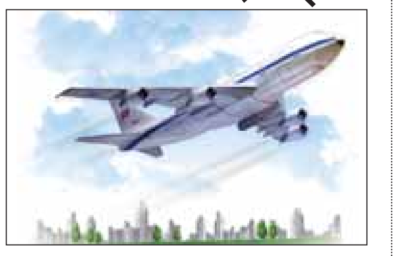

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय ने जेट एयरवेज को सिक्योरिटी क्लियरेंस दे दिया है। सुरक्षा क्लियरेंस मिलने के बाद उम्मीद है कि कंपनी जल्द ही अपनी सेवाएं शुरू कर देगी। 5 मई को जेट एयरवेज ने हैदराबाद से दिल्ली के लिए परीक्षण उड़ान भरी थी। कंपनी के CEO ने इसे इमोशनल मोमेंट कहा है।

क्यों बंद हुई थी जेट एयरवेज?

1990 के दशक की शुरुआत में टिकटिंग एजेंट से एंटरप्रेन्योर बने नरेश गोयल ने जेट एयरवेज की शुरूआत की थी। उन्होंने जेट एयरवेज की शुरूआत कर लोगों को एयर इंडिया का ऑल्टरनेटिव दिया था। एक वक्त में जेट के पास कुल 120 प्लेन थे। 'दि ज्वॉय ऑफ फ्लाइंग' टैग लाइन के साथ ऑपरेशन करने वाली कंपनी जब पीक पर थी तो हर रोज 650 फ्लाइट्स का ऑपरेशन करती थी। हालांकि, जब कंपनी बंद हुई तो उसके पास केवल 16 प्लेन रह गए थे। मार्च 2019 तक कंपनी का घाटा 5,535.75 करोड़ रुपए का हो चुका था। भारी कर्ज के चलते 17 अप्रैल 2019 को कंपनी बंद हो गई।

सितंबर से शुरू हो सकती हैं उड़ानें

कंपनी के नए CEO ने संजीव कपूर ने कुछ दिनों पहले कहा था कि एयर ऑपरेटर्स सर्टिफिकेट के रिन्यूअल के बाद कंपनी जुलाई-सितंबर तिमाही में ही उड़ाने शुरू करने की योजना बना रही है। कंपनी को उम्मीद है कि सर्टिफिकेट मई की शुरुआत में मिल सकता है।

आकाश एयर भी मई-जून तक हो सकती है शुरू

आकाश एयर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनय दुबे ने कुछ दिन पहले बताया था कि जून के महीने में एयरलाइन की पहली कॉमर्शियल उड़ान शुरू हो जाने की उम्मीद है। परिचालन शुरू होने के पहले 12 महीनों में उसकी योजना 18 विमानों का बेड़ा तैयार करने की है और उसके बाद हर साल एयरलाइन 12-14 विमानों को जोड़ती जाएगी।

गर्मी की उल्टी गिनती शुरू

उत्तर और मध्य भारत में बाद गिरेगा पारा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। तेज गर्मी झेलते लोगों के लिए राहत भरी खबर है। मौसम विभाग ने कहा है कि 13 मई के बाद राजस्थान को छोड़कर देश में कहीं भी लू चलने के आसार नहीं है। हालांकि, 11 से 13 मई तक दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और आधे मध्यप्रदेश में गर्मी बढ़ेगी, लेकिन 14 मई से तापमान में गिरावट आनी शुरू हो जाएगी। गिरावट की यह स्थिति 24 मई तक रहेगी। हालांकि, उसके बाद कुछ दिन तक तापमान में हल्की बढ़ोतरी हो सकती है, लेकिन केरल में मानसून के दस्तक देते ही पूरे मध्य भारत में प्री-मानसून एक्टिविटी और बारिश शुरू हो जाएगी।

अंडमान में 12 से 13 दिन पहले पहुंचेगा मानसून

एक और अच्छी खबर यह है कि इस बार अंडमान में मानसून केरल से 12 से 13 दिन पहले पहुंचेगा। यह आमतौर पर 9 से 10 दिन पहले पहुंचता है। केरल में मानसून के पहुंचने की तारीख 1 जून है। इस हिसाब से अंडमान में मानसून 18 मई तक पहुंच जाएगा। इससे भी गर्मी से राहत मिलनी शुरू हो जाएगी। हालांकि, देश में मानसून की दस्तक केरल से ही मानी जाती है। मौसम विभाग ने अंडमान में जल्दी मानसून पहुंचने की घोषणा नहीं की है, लेकिन वैज्ञानिकों का मानना है कि इसके पूरे आसार हैं। दूसरी ओर, मौसम विभाग के मई के मंथली लॉन्गरेंज फोरकास्ट के मुताबिक, 20 मई के बाद केरल में बारिश में इजाफा होगा। वैज्ञानिक इसे मानसून के आने का संकेत मान रहे हैं।

13 मई की शाम से कम होता जाएगा तापमान

इस साल गर्मी से राहत की वजह पश्चिमी विक्षोभ है, जो 13 मई की शाम से असर दिखाना शुरू करेगा। 11 मई से 13 मई तक बेशक पांच राज्यों में लू चलने की आशंका है, लेकिन अप्रैल जैसी भीषण गर्मी नहीं पड़ेगी। IMD के मौसम विशेषज्ञ आरके जेनामनी ने बताया कि 13 मई की शाम से पश्चिमी विक्षोभ के असर से समूचे उत्तर-पश्चिम भारत में तापमान कम होना शुरू होगा।

रतनाराम महाराज मूर्ति प्रतिष्ठा महोत्सव कल से शुरू

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

भीनमाल। स्थानीय रेबारियों की ढाणी में रणछोड़ महाराज मंदिर में नवनिर्मित रतनाराम महाराज मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव गुरुवार से शुरू हो रहा है । दो दिवसीय प्रतिष्ठा महोत्सव कार्यक्रम के दौरान प्रथम दिन 12 मई को प्रातः कलश यात्रा, भजन संध्या, यज्ञ हवन आदि का आयोजन होगा। वही दूसरे दिन 13 मई को अभिजीत मुहूर्त में प्राण प्रतिष्ठा, हेलीकॉप्टर द्वारा पुष्प वर्षा, पूर्णाहुति एवं महा प्रसादी का आयोजन होगा। इस अवसर पर साधु-संतों, भामाशाहों, कार्यकर्ताओं एवं सहयोगियों का भी बहुमान किया जायेगा। प्रतिष्ठा महोत्सव में पादरा मठ के मंगलगिरी महाराज, जालोर अखाड़ा के गंगनाथ महाराज, नून मठ के रामपुरी महाराज, थूर मठ के देवभारती महाराज, जेतेश्वर धाम के पारसाराम महाराज, गोलिया मठ के सतपुरी महाराज, जवानाराम महाराज सहित कई साधु संतों की सानिध्यता रहेगी।

चढावों के अनुसार गणपति मूर्ति स्थापना देवासी वागाराम, रतनाराम महाराज मूर्ति स्थापना देवासी मोंगाराम, हनुमान मूर्ति स्थापना देवासी धुडाराम, शिवलिंग स्थापना राजपुरोहित रणछोड़राम, कश्यप भगवान मूर्ति स्थापना देवासी पूनमाराम, नन्दी भगवान मूर्ति स्थापना देवासी वरजांगाराम, मंदिर के प्रथम पट खोलने के लाभार्थी रामलाल भाड़का, मुख्य कलश स्थापना देवासी वचनाराम, गुड़ धाणा बांटने के लाभार्थी देवासी हरसनराम, हवन यज्ञ के मुख्य यजमान देवासी नवाराम लाभ लेंगे।

ओला और ओकिनावा स्कूटर में लग चुकी है आग

बैटरी सेल, डिजाइन की खामियों से हो रहीं घटनाएं

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक व्हीकल्स में आग लगने की घटनाओं पर अब सरकारी समिति की रिपोर्ट सामने आई है जिसमें आग लगने की वजह बताई गई है। इस समिति का गठन पिछले महीने ओकिनावा ऑटोटेक, बूम मोटर, प्योर ईवी, जितेंद्र ईवी और ओला इलेक्ट्रिक के ई-स्कूटर में आग और बैटरी विस्फोट को देखते हुए किया गया था। समिति ने अपनी जांच में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स की लगभग सभी बैटरी सेल व डिजाइन में खामियां पाई हैं। इस खामी की वजह से ही इलेक्ट्रिक व्हीकल्स में आग लगने की घटनाएं सामने आई हैं। तेलंगाना में हुए जानलेवा इलेक्ट्रिक व्हीकल में लगी आग की वजह भी बैटरी में समस्या को बताया गया है। इलेक्ट्रिक व्हीकल्स में आग लगने की घटनाओं को देखते हुए एक्सपर्ट्स अब अपने व्हीकल्स में बैटरी से जुड़े मुद्दों को हल करने के लिए ईवी मैन्युफैक्चरर के साथ इंडिविजुअल रूप से काम करेंगे।

मानव जीवन की सुरक्षा सरकार की पहली प्रायोरिटी

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने भी इसपर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि अभी देश में इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग की शुरुआत है और इस तरह की घटनाएं उद्योग में बाधा डाल सकती हैं। सरकार ऐसी कोई लापरवाही नहीं चाहती है क्योंकि हर एक मानव जीवन की सुरक्षा सरकार की पहली प्रायोरिटी है। तेलंगाना में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की बैटरी फटने से 80 साल एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और दो अन्य घायल हुए थे।

ओला इलेक्ट्रिक ग्लोबल एजेंसियों से जांच करवाएगी

वहीं, ओला इलेक्ट्रिक ने अपने एक बयान में एक न्यूज एजेंसी से कहा, 'हमने अपनी जांच के अलावा विश्व स्तरीय एजेंसियों को मूल कारण पर आंतरिक मूल्यांकन करने के लिए कहा है।' कंपनी ने ये भी जानकारी दी कि ऑल इलेक्ट्रिक ने पहले ही स्वेच्छा से 1441 व्हीकल्स को वापस ले चुकी है ताकि इन सभी की पहले ही पूरी जांच की जा सके।

ओकिनावा ने अपने 3,000 से ज्यादा स्कूटरों को रिकॉल किया

टीवी न्यूज चैनल में दिए इंटरव्यू में आग लगने की घटनाओं पर नीति आयोग के ष्टश्वह्र अमिताभ कांत ने कहा था कि ओरिजिनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर को हाल ही में हुई एक्सीडेंट में शामिल बैचों को रिकॉल करना चाहिए। इसके बाद ओकिनावा ने 16 अप्रैल को अपने 3,000 से ज्यादा स्कूटरों को वापस बुलाने का फैसला किया।

इलेक्ट्रिक व्हीकल्स पर आग लगने की घटनाएं

- 9 अप्रैल को शाह समूह के जितेंद्र इलेक्ट्रिक व्हीकल्स के 40 इलेक्ट्रिक स्कूटरों में नासिक में एक ट्रांसपोर्ट कंटेनर में आग लग गई।
- 26 मार्च को पुणे के धनोरी इलाके में ओला इलेक्ट्रिक के स1 प्रो मॉडल और तमिलनाडु के वेल्लोर में ओकिनावा के प्रेज प्रो मॉडल में आग लगने की घटना हुई।
- 28 मार्च को तमिलनाडु के त्रिची से भी एक घटना की सूचना मिली थी।
- 29 मार्च को चेन्नई में एक अन्य घटना की सूचना मिली थी, जहां प्योर ईवी के एक इलेक्ट्रिक स्कूटर में आग लग गई थी।

जागरूक खबरें

निम्स अस्पताल द्वारा बीकानेर, गंगानगर के मरीजों के लिए मुफ्त बस सेवा शुरू

चौमू @ जागरूक जनता। राजधानी जयपुर के निम्स अस्पताल द्वारा गंगानगर एवम बीकानेर तक मार्ग में पड़ने वाले समस्त गावो के मरीजों के लिए निशुल्क बस सेवा की गई है। इस बस को चौमू बस स्टैंड पहुंचने पर चौमू विधायक रामलाल शर्मा ने हरी झंडी दिखा के रवाना किया। गौरतलब है की निम्स अस्पताल द्वारा अलवर,आगरा,कामा, बहरोड एम नागौर जिलों तक के गावो के मरीजों के लिए पहले से ही निशुल्क बस सर्विस शुरू की हुई है। निम्स अस्पताल के मार्केटिंग विभाग से विष्णु कुमावत एवम भूपेंद्र सिंह ने बताया की ये बसे निरंतर इन जिलों में मरीजों के लिए निशुल्क सेवा दे रही है ताकि दूर दराज के जरूरतमंद मरीज निम्स अस्पताल से निशुल्क अपना उपचार प्राप्त कर सकेंगे। इस मौके पर चौमू विधायक रामलाल शर्मा ने बसों को हरी झंडी दिखा के रवाना किया। विधायक शर्मा ने बताया की निम्स अस्पताल हमेशा से ही जरूरतमंद लोगों की मदद करता रहा है,उन्होंने निम्स अस्पताल के निदिशेक डा पंकज सिंह का चौमू की जनता की तरफ से आभार व्यक्त किया उन्होंने बताया की इन रास्तों पे अस्पताल द्वारा निशुल्क बस संचालन करने से चौमू निवासियों को भी निम्स अस्पताल जाके उचित एवम बेहतर उपचार प्राप्त हो सकेगा।

फर्स्ट ग्रेड टीचर्स के लिए 21 से 40 साल के उम्मीदवार कर सकेंगे आवेदन

जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग ने संस्कृत डिपार्टमेंट में फर्स्ट ग्रेड की वैकेंसी निकली है। जिसके तहत संस्कृत शिक्षा विभाग में स्कूल लेक्चरर के 102 पदों पर भर्ती की जाएगी। जिसके लिए 40 साल तक की उम्र के उम्मीदवार RPSC की ऑफिशियल वेबसाइट rpsc.rajasthan.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की प्रक्रिया 16 मई से शुरू होगी। जो 14 जून तक चलेगी। भर्ती प्रक्रिया में उम्मीदवार सिर्फ SSO आईडी के माध्यम से ही आवेदन कर सकते हैं।

चंवरा में दंगल-चंग प्रतियोगिता 13 को

उदयपुरवाटी @ जागरूक जनता। ग्राम चंवरा में शहीद करणीराम सिंह की 70 वीं पुण्य तिथि पर 13 मई को मेला आयोजित होगा। इसमें कुश्ती-दंगल व चंग प्रतियोगिता का भी आयोजन होगा । आयोजन समिति अध्यक्ष रामेश्वर सिंह ने बताया कि शुक्रवार सवेरे 9 बजे से निशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित होगा। इसमें मरीज की जांच कर मुफ्त दवा दी जायेगी। ऑपरेशन योग्य लोगों का जयपुर चिड़ावा हॉस्पिटल में ऑपरेशन किया जायेगा। दोपहर को 2 बजे श्रद्धांजलि सभा होगी, शाम 5 बजे कुश्ती, चंग प्रतियोगिता होगी।

हज़रत रोशन अली बाबा उर्स कमेटी की बैठक

निम्बाहेडा @ जागरूक जनता। कौमी एकता के प्रतीक हज़रत रोशनअली बाबा साहब रहमत उल्लाह अलेह का सालाना उर्स मुबारक 27मई से 29मई तक बाबा के आस्ताने के समीप सुभाश चौक सब्जी मंडी में आयोजित होगा। उर्स कमेटी की आवश्यक कमेटी के सदर शकील गोरी सदारत में हुई जिसमें उक्त फैसला लिया गया उर्स कमेटी सेकेट्री के मतलुब अजमेरी के अनुसार विगत दो वर्षों से सरकार की कोरॉनो गाइड लाइन की अनुपालना में उर्स का आयोजन नहीं किया जा रहा था इस बार पाबन्दियां हटाए जाने से तीन दिवसीय उर्स मुबारक निहायत अकीदत शानो शौकत से मनाया जाएगा।

गर्मी के कारण 7 दिन पहले छुट्टियां, आदेश जारी

स्कूल में आज से शुरू होंगी गर्मी की छुट्टियां

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में मई महीने में भीषण गर्मी ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। तेज धूप और लू के थपेड़ों ने जहां आम आदमी को बेहाल कर दिया है। वहीं शिक्षा विभाग ने लगातार बढ़ती गर्मी के बाद स्कूलों में गर्मी की छुट्टियों के समय को भी बदल दिया है। ऐसे में अब 17 मई से शुरू होने वाली गर्मी की छुट्टियां 7 दिन पहले 11 मई से ही शुरू हो जाएंगे। सोमवार रात माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के निदेशक गौरव अग्रवाल ने इसके आदेश जारी किए। शिक्षा विभाग के आदेश के अनुसार बुधवार 11 मई से प्रदेश के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में सत्र के अंत तक अवकाश रहेगा। हालांकि, शिक्षकों को अवकाश नहीं दिया गया है। इस दौरान शिक्षक परीक्षा परिणाम तैयार करने के साथ ही आगामी सत्र के लिए तैयारी का काम संभालेंगे। वहीं जिन कक्षाओं की वार्षिक परीक्षाएं चल रही हैं। वह पहले की तरह ही यथावत जारी रहेंगी। दरअसल, राजस्थान समेत देशभर में प्रचंड गर्मी ने आम आदमी को परेशान कर दिया है। भीषण गर्मी के चलते कई राज्यों में स्कूलों में छुट्टियां घोषित कर दी गई है। जिनमें उत्तर प्रदेश में 21 मई से 23 जून तक, आंध्र प्रदेश में 6 मई से 4 जुलाई तक, पश्चिम बंगाल में 2 मई से, छत्तीसगढ़ में 24 अप्रैल से 14 जून तक गर्मी की छुट्टियां घोषित की गई हैं। ऐसे में गर्मी से स्कूली बच्चों को राहत देते हुए राजस्थान में भी अब 11 मई से 23 जून तक गर्मी की छुट्टियां घोषित कर दी गई है।

बता दें कि राजस्थान में तेज गर्म हवाएं चलने से पारा 45 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार प्रचंड गर्मी का कहर आने वाले दिनों में भी जारी रहेगा। जिससे प्रदेश के तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस कि बढ़ोतरी हो सकती है। ऐसे में शिक्षा विभाग के आदेश से जहां छोटे बच्चों को राहत मिलेगी। वहीं आम आदमी को गर्मी अभी और परेशान करेगी।

रोडवेज सीएमडी ने परिवहन सचिव को लिखा

कांस्टेबल भर्ती परीक्षा: परीक्षा के दिन से 3 दिन पहले और 3 बाद तक मुफ्त यात्रा!

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में 13 से 16 मई के बीच होने वाली कांस्टेबल भर्ती परीक्षा में एग्जाम देने वाले अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए राजस्थान रोडवेज ने परिवहन विभाग को नया प्रस्ताव भिजवाया है। रोडवेज सीएमडी ने एक पत्र विभाग के सचिव को लिखकर इन अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा की दिनांक के 3 दिन पहले और 3 दिन बाद तक बसों में मुफ्त सफर करने की व्यवस्था देने की मांग की है। रोडवेज सीएमडी ने व्यवस्था में बदलाव की मांग अभ्यर्थियों की ज्यादा संख्या और रोडवेज बेड़े में बस कम होने की स्थिति को देखते हुए की है। रोडवेज के सीएमडी संदीप वर्मा ने बताया कि इस परीक्षा में लगभग 18 लाख अभ्यर्थी बैठने वाले है। इन अभ्यर्थियों की संख्या अधिक होने के कारण रोडवेज में इन अभ्यर्थियों की भीड़ भी ज्यादा होगी। इसे देखते हुए रोडवेज प्रशासन ने परिवहन आयुक्त को पत्र लिखकर यात्रा व्यवस्था में संशोधन करने के लिए कहा। इसमें परीक्षा से एक दिन पहले और परीक्षा से एक दिन बाद तक की यात्रा व्यवस्था को बदलकर परीक्षा दिनांक से 3 दिन पहले और 3 दिन बाद तक के आदेश जारी किए जाए। वर्तमान में राजस्थान रोडवेज के पास 2500 बसें है पूरे राजस्थान में, जिसका संचालन किया जा रहा है। गर्मियों की छुट्टियों और शादी के सीजन में पहले से रोडवेज बसों में यात्रीभार ज्यादा है।

जेपी नड्डा का राजस्थान दौरा, दंगों पर सीएम गहलोत को लिया निशाने पर

बोले-गहलोत के शासन में पटरी से उतरी कानून व्यवस्था

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा अपने दो दिवसीय राजस्थान दौरे के तहत आज सूरतगढ़ में बूथ संकल्प महासम्मेलन को संबोधित किया। जेपी नड्डा ने सीएम गहलोत पर जमकर निशाना साधा। जेपी नड्डा ने कहा कि जिस दिन जोधपुर जल रहा था उस दिन सीएम गहलोत जन्मदिन मना रहे थे। राजस्थान में कानून व्यवस्था पूरी तरह से पटरी से उतर चुकी है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरों के अनुसार दुष्कर्म के मामले में राजस्थान नंबर एक प्रदेश है। राजस्थान में दलितों पर अत्याचार हो रहे हैं। महासम्मेलन को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने सीएम गहलोत पर तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। वसुंधरा राजे ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार हमारी योजनाओं के नाम बदलने का काम कर रही है। जमीनी स्तर पर कोई काम नहीं हुआ है।

राजस्थान में भ्रष्टाचार ने रिकॉर्ड तोड़ दिए है। वसुंधरा राजे ने कहा कि राजस्थान दंगों का प्रदेश बन गया है। इससे पहले जेपी नड्डा के सूरतगढ़ पहुंचने पर पूर्व सीएम वसुंधरा राजे, राजस्थान भाजपा प्रभारी अरुण सिंह और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया ने स्वागत किया।

शेखावत ने गहलोत पर साधा निशाना

महासम्मेलन में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया, केंद्रीय मंत्री अर्जुन मेघवाल, कैलाश चौधरी और उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़ भी मौजूद रहे। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि जल जीवन मिशन में राजस्थान पिछड़ा हुआ है। 33 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में राजस्थान 32 वें स्थान पर है। केंद्र ने जल जीवन मिशन के तहत 27 हजार करोड़ रुपये दिए, लेकिन राज्य सरकार इसमे से केवल 3 हजार करोड़ ही खर्च पाई। बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया भी गहलोत सरकार पर जमकर निशाना साधा। पूनिया ने कहा कि कांग्रेस सरकार तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है। रामनवमी के दिन धारा 144 लगा दी गई।

11 मई को कार्यालयों का करेंगे उद्घाटन

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने आज 10 मई को श्रीगंगानगर जिले के सूरतगढ़ में बीकानेर संभाग के बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया। जेपी नड्डा 11 मई को हनुमानगढ़ में जिला कार्यालय समेत 10 जिला भाजपा कार्यालयों का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा 4 भाजपा कार्यालयों का भूमि पूजन भी किया जाएगा।

दिल्ली हाईकोर्ट ने दी पूछताछ में सहयोग करने की हिदायत,14 जुलाई को सुनवाई

फोन-टैपिंग केस में गहलोत के ओएसडी से फिर होगी पूछताछ

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। फोन टैपिंग केस में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ओएसडी को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच फिर पूछताछ के लिए तलब करने की तैयारी में है। सीएम के ओएसडी लोकेश शर्मा को दिल्ली हाईकोर्ट ने पूछताछ में सहयोग करने की हिदायत देते हुए गिरफ्तारी पर लगी रोक बरकरार रखी है। फोन टैपिंग कांड में सोमवार को दिल्ली हाईकोर्ट में पहली बार सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों में बहस हुई। करीब 40 मिनट तक बहस सुनने के बाद कोर्ट ने इस मामले में सुनवाई की अगली तारीख 14 जुलाई तय की है। 14 जुलाई तक सीएम के ओएसडी की गिरफ्तारी पर रोक जारी रखी है। इस केस में अब कभी भी नया डवलपमेंट सामने आ सकता है।

इस बार कोर्ट ने सीएम के ओएसडी लोकेश शर्मा को निर्देश जारी किए कि क्राइम ब्रांच जब भी उन्हें पूछताछ के लिए बुलाए उन्हें आना होगा। क्राइम ब्रांच ने कोर्ट में यह आशंका जताई कि नो कॉरसिव एक्शन के कोर्ट के आदेश के चलते लोकेश शर्मा पूछताछ में सहयोग नहीं करेंगे। क्राइम ब्राचं ने कोर्ट में तर्क दिया कि पिछली बार सीएम के ओएसडी लोकेश शर्मा ने क्राइम ब्रांच जो भी बताया वह सब झूठ था। इस पर कोर्ट ने निर्देश दिए कि यदि लोकेश शर्मा क्राइम ब्रांच की पूछताछ में सहयोग नहीं करते हैं तो क्राइम ब्रांच कोई जबरदस्ती कार्रवाई नहीं करने की अपील कोर्ट में दायर करने के लिए स्वतंत्र होगी।

गजेंद्र सिंह की शिकायत पर केस दर्ज

सचिन पायलट खेमे की बगावत के समय जुलाई 2020 में सीएम अशोक गहलोत खेमे ने विधायकों की खरीद फरोख्त का आरोप लगाते हुए कुछ ऑडियो टेप जारी किए थे जिनमें केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की आवाज होने का दावा किया था। ये ऑडियो टेप सीएम के ओएसडी लोकेश शर्मा ने मीडिया को भेजे थे। इस मामले में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की शिकायत पर मार्च 2021 में दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने सीएम के ओएसडी लोकेश शर्मा और पुलिस अफसरों के खिलाफ केस दर्ज किया था। लोकेश शर्मा ने दिल्ली हाईकोर्ट में एफआईआर को रद्द करने की याचिका दायर कर रखी है। कोर्ट ने पूछताछ में सहयोग करने की शर्त पर गिरफ्तारी पर रोक लगा रखी है।

क्राइम ब्रांच गिरफ्तारी से रोक हटाने की याचिका भी लगा सकती है

कोर्ट से निर्देश मिलने के बाद क्राइम ब्रांच शर्मा को पूछताछ के लिए फिर से नोटिस देगी। ऐसे में माना जा रहा है कि दिल्ली पुलिस पूछताछ में सहयोग नहीं करने का तर्क देकर गिरफ्तारी से रोक हटाने की याचिका दायर कर सकती है। इससे पहले भी क्राइम ब्रांच शर्मा को पूछताछ के लिए दिल्ली बुला चुकी है। इसमें एक बार लोकेश शर्मा पूछताछ में शामिल भी हुए थे जिसमें उनसे करीब डेढ़ घंटे तक सवाल किए गए थे।

फोन टैपिंग और मंत्री पुत्र रेप केस की जांच दिल्ली पुलिस के पास

दिल्ली पुलिस ने एक दिन पहले ही जलदाय मंत्री महेश जोशी के बेटे रोहित जोशी के खिलाफ जयपुर की युवती से रेप के मामले में केस दर्ज किया है। फोन टैपिंग केस और मंत्री के बेटे के रपे केस की जांच दिल्ली पुलिस के पास है। दोनों ही मामले हाई प्रोफाइल हैं और इनकी जांच और पूछताछ तेज होने के बाद सियासी विवाद भी तय माना जा रहा है। दोनों केस की जांच अब तेज होने के आसार हैं। दोनों ही मामले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खेमे से जुड़े हैं। एक मामला खुद सीएम के ओएसडी का है तो दूसरा सीएम के खास मंत्री महेश जोशी के बेटे के खिलाफ है।

झालावाड़ के सुनेल में लगेगी 7 टन की प्रतिमा

देश में 500 स्थानों पर लगेंगी महाराणा प्रताप की प्रतिमाएं

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

झालावाड़। महाराणा प्रताप स्मारक अभियान के अंतर्गत रॉयल ग्रामीण विकास समिति द्वारा पूरे देश में महाराणा प्रताप की 500 प्रतिमाएं लगाई जा रही हैं, इसी के तहत मंगलवार को जिले के सुनेल कस्बे में मंगलवार को चौथी प्रतिमा स्थापित होगी। इससे पहले तीन प्रतिमाएं खारपा, भीलवाड़ा व उदयपुर के गोगुंदा में लग चुकी हैं। इसके अलावा मधयप्रदेश, बिहार, कश्मीर व अन्य राज्यों में महाराणा प्रताप की प्रतिमा लगाने के लिए एनओसी की प्रक्रिया चल रही है। मध्यप्रदेश में कुछ स्थानों पर एनओसी मिल गई है। सुनेल में स्थापित होने वाली प्रतिमा के लिए स्थानीय समिति द्वारा फाउंडेशन तैयार कर लिया है। प्रतिमा अनावरण के लिए समारोह मे मुख्य अतिथि संत पीपाजी धाम और संत अयोध्या धाम के सान्निध्य में महाराणा प्रताप वंशज लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ करेंगे। श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के जिलाध्यक्ष रवि प्रतापसिंह झाला ने बताया कि यह कार्यक्रम ग्राम पंचायत सुनेल, श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना और सर्व समाज के लोगों के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

समारोह में अतिथि के रूप में पूर्व नरेश चंद्रजीतसिंह, विशिष्ट अतिथि करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी, हनुमंत सिंह, जीवन सिंह भी शामिल होंगे। अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रवीर सिंह नमाणा ने बताया कि पूरे भारतवर्ष में महाराणा प्रताप की 500

प्रतिमाओं के अलावा 100 स्मारकों का निर्माण भी किया जा रहा है। इनमें से 12 स्मारकों का निर्माण भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों पर किया जाएगा। ये स्मारक महाराणा प्रताप की जन्म स्थली कुंभलगढ़ राजसमंद में, समाधि स्थल चावंड उदयपुर, महाराणा प्रताप के ससुराल बिजोलिया, खाटूश्याम में बनेगा। इसके लिए भूमि प्राप्त की जा रही है।

हर लोकसभा क्षेत्र में एक प्रतिमा लगाने का लक्ष्य

अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रवीर सिंह नमाणा ने बताया कि महाराणा प्रताप स्मारक अभियान के अंतर्गत रॉयल ग्रामीण विकास समिति द्वारा पूरे भारतवर्ष में महाराणा प्रताप की 500 प्रतिमाएं लगाई जाएंगी। संस्था का लक्ष्य है कि हर लोकसभा क्षेत्र में महाराणा प्रताप की एक प्रतिमा स्थापित की जाएगी। इसके लिए समिति ने हर राज्य व जिले में जहां प्रतिमा स्थापित की जानी है वहां के लिए एनओसी लेने की प्रक्रिया की जा रही है।

33 लाख की लागत से निर्माणाधीन एनीकट का विधायक ने किया निरीक्षण

सामोद ऐनीकट बनेगा पेयजल का महत्वपूर्ण स्त्रोत-शर्मा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चौमूँ। अरावली पर्वतमाला में बसे ग्राम पंचायत सामोद में विधायक कोष से 33 लाख की लागत से निर्माणाधीन ऐनीकट के कार्य का अधिकारियों के साथ विधायक रामलाल शर्मा ने निरीक्षण किया। विधायक शर्मा ने अधिकारियों को बरसात आने से पूर्व इस ऐनीकट के निर्माण कार्य को पूर्ण करने के लिए दिशा निर्देश दिए, ताकि जनता को इस ऐनीकट का लाभ मिल सके। विधायक रामलाल शर्मा ने बताया कि यह ऐनिकट चौमूं विधानसभा के लिए अनुकरणीय उदाहरण बनेगा और पेयजल समस्या के समाधान हेतु ये मेरा प्रयास है, जल्द से जल्द इस तरह के ओर ऐनिकट विधानसभा के कई गावों में बनाए जाएंगे ताकि भूजल के स्तर को बढ़ाने के साथ साथ लोगो को पेयजल समस्या से निजात मिल सके। एनीकट के निरीक्षण के दौरान निवर्तमान फल सब्जी मंडी अध्यक्ष दिनेश गोरा, पंचायत समिति सदस्य महेश यादव, सामोद पूर्व सरपंच दिनेश चतुर्वेदी सहित अधिकारी उपस्थित रहे।

ईद मिलन समारोह का हुआ आयोजन, कौमी एकता की देखने को मिली मिसाल

निम्बाहेड़ा @ जागरूक जनता। कृति संस्थान,नागरिक सहायता केंद्र, हमारा कारवां, मददगार सोसायटी, पहचान सेवा संस्थान, निशात एकेडमी, आजम फाउंडेशन आदि स्वयंसेवी संस्थाओं के संयुक्त तत्वाधान में एवं नगर पालिका अध्यक्ष सुभाषचंद्र शारदा के मुख्य आतिथ्य में व उपाध्यक्ष परवेज अहमद,सांवरिया गोशाला संचालक बंशीलाल राईवाल, समाजसेवी कमलेश ढेलावत, सी.के. ग्रुप डायरेक्टर वसीम खान आदि के विशिष्ट आतिथ्य में ईद मिलन समारोह का आयोजन कमधज नगर स्थित कृति संस्थान के कार्यालय पर रखा गया। इस अवसर पर समारोह के मुख्य अतिथि पालिका अध्यक्ष सुभाषचंद्र शारदा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि ईद, होली, दीपावली जैसे त्योंहार आपसी सौहार्द और मोहब्बत का संदेश लेकर आते हैं। मुख्य अतिथि शारदा ने समारोह में मौजूद सभी लोगों से कौमी एकता की भावना को मजबूती देने की बात कही।

पापड़ के हनुमान मंदिर में 37वां पाटोत्सव

रामकथा: 71 जोड़ों ने दी पूर्णाहुति

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। विद्याधर नगर स्थित पापड़ के हनुमान मंदिर स्थित कनक बिहारी श्री रामजानकी जी मंदिर के दशम पाटोत्सव एवं अखंड रामचरितमानस पाठ के 37वें वर्ष में प्रवेश अवसर पर नवदिवसीय रामकथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा वाचक आचार्य चंद्रमणि जी मिश्र के मुखारबिंद से रामकथा में रामराज्य तथा राजा का घर, परिवार, समाज के मुखिया के कर्तव्य एवं समस्त मूलक समाज की स्थापना के महत्व को समझाया। इस अवसर पर महामंडलेश्वर श्री रामसेवक दास जी महाराज, श्री अनंत विभूषित श्री ब्रह्म पीठाधीश्वर श्री खोजी जी योगाचार्य, सीताराम अग्रवाल तथा अनेक गणमान्य व्यक्तियों के अलावा अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे। पूर्णाहुति कार्यक्रम के दौरान 71 जोड़ों ने आहुतियां दी एवं सभी के लिए भंडारा प्रसादी का आयोजन किया गया।

विधायक कोष से छिपो के मोहल्ले में सामुदायिक भवन की चारदीवारी निर्माण का होगा कार्य

10 लाख के निर्माण कार्य का शिलान्यास

विधिवत पूजा अर्चना कर विधायक शर्मा ने किया शिलान्यास

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चौमूँ। ग्राम पंचायत कालाडेरा में नामदेव छिपा समाज के सामुदायिक भवन की चारदीवारी निर्माण कार्य का शिलान्यास विधायक रामलाल शर्मा और पंचायत समिति प्रधान रामस्वरूप यादव के द्वारा किया गया। विधायक कोष से 10 लाख की लागत से बनने वाले सामुदायिक भवन की चारदीवारी निर्माण कार्य का विधायक रामलाल शर्मा ने विधिवत पूजा अर्चना कर नींव का पत्थर रखा और उपस्थित अतिथियों ने शिला पट्टिका का शिलान्यास किया। इस मौके विधायक रामलाल शर्मा ने कहा की पिछले 3 वर्षों में विधायक कोष से लगभग एक करोड़ 33 लाख 78 हजार रुपये के कार्य विधायक कोष के कालाडेरा में स्वीकृत किए गए हैं और आगे भी विकास कार्यों में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। विधायक रामलाल शर्मा ने अपने

संबोधन में उपस्थित जनता को संबोधित करते हुए पिछले साढ़े तीन वर्षों में कराए गए विकास कार्यों का विवरण जनता के सामने रखा। उन्होंने कॉन्ग्रेस शासनकाल को कोसते हुए कहा कि ये राज्य सरकार जनता के लिए पेयजल की व्यवस्था और बिजली की व्यवस्था करने में पूर्णत नाकाम साबित हुई है। पिछले 3 वर्षों में विकास का पहिया पूर्ण रूप से अवरुद्ध हो चुका है, जिससे गांवों में विकास कार्यो में रुकावट आई है और गांवो में पीने के पानी की विकट समस्या उत्पन्न हो चुकी है। साथ ही उन्होंने जल जीवन मिशन के अंतर्गत राज्य सरकार के अधिकारियों द्वारा केंद्र सरकार की योजना को पलीता लगाने का आरोप भी लगाया। साथ ही पंचायत समिति प्रधान रामस्वरूप यादव, सरपंच अशोक शर्मा ने भी उपस्थित जनसभा को संबोधित किया।

इस मौके पर भाजपा देहात मंडल कालाडेरा अध्यक्ष बनवारी लाल शर्मा, प्रांतीय छिपा समाज राजस्थान अध्यक्ष अशोक गोठवाल, जयपुर देहात छिपा समाज अध्यक्ष महेश छिपा, जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि ओमप्रकाश दुसाद, पूर्व सरपंच विष्णु नागर, नामदेव छिपा समाज अध्यक्ष सुरेश दोसाया, नंदलाल कुमावत, भाजयुमो देहात मंडल कालाडेरा अध्यक्ष अशोक सैनी, श्रीकृष्ण नामा, सांवरमल नागर, मामराज, विनोद नागर, रिशपाल कुमावत, सुशील शर्मा, व्यापार मंडल अध्यक्ष हनुमान खोज, मुकुट बिहारी, मालीराम शर्मा, धर्मेंद्र यादव, शंकर खोज, सोहन लाल कुमावत, सुमित नामा, उमराव सिंह, नेमीचंद शर्मा, राजू नागर, मुन्नालाल छिपा, पिंटू दोसाया, पप्पू सहरिया, मुरारी रावत, मुकुट नामा सहित बड़ी संख्या में आमजन और महिलाये उपस्थित रही।

जागरूक खबरें

सर्व ब्राह्मण युवक युवती परिचय सम्मेलन को लेकर जनसंपर्क

चौमूं @ जागरूक जनता। ब्राह्मण समाज राजस्थान, जयपुर जिला देहात के तत्वाधान में रॉयल पैलेस गार्डन, रेलवे स्टेशन रोड, चौमूँ पर आयोजित होने वाले सर्व ब्राह्मण युवक-युवती परिचय सम्मेलन को लेकर टाकरडा स्थित रघुनाथ मंदिर परिसर से टाकरडा, जयसिहपुरा, रामगढ्ढा, जोधपुरा, लोहरवाड़ा, देवपुरा सहित कई गावो मे जनसंपर्क किया गया। जिलाध्यक्ष भुवनेश तिवाडी ने बताया कि सम्मेलन में रजिस्ट्रेशन के लिए 10 मई तक रजिस्ट्रेशन किया गया। इसमें सभी ब्राह्मण समाज के युवक युवतीया भाग ले सकते हैं। कार्यक्रम में जिला कार्यकारी सदस्य महावीर प्रसाद भातरा, चौमूँ तहसील सगठन मत्री चंद्रशेखर शर्मा, विनोद भातरा, मालीराम भातरा, मनोज शर्मा, रमेश भातरा, मोनू शर्मा, मुरारी शर्मा, सोहन शर्मा, मनोज शर्मा, गणमान्य लोग उपस्थित थे।

डारा ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त, कार्यकारिणी का जल्द होगा गठन

सरनाऊ @ जागरूक जनता। पर्यावरण एवं वन्य जीव सेवा समिति के जिला संरक्षक गंगाराम पूनिया व जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश गोदारा के निर्देशानुसार कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए। सांचौर उपखंड के सरनाऊ पंचायत समिति पर भागीरथ राम डारा को पर्यावरण वन्य जीव सेवा समिति के सरनाऊ ब्लॉक अध्यक्ष बना कर नियुक्ति पत्र सौंपा गया । जिसके बाद समिति के संरक्षक गंगाराम पूनिया ने सोशल मीडिया पर दी बधाई। इस दौरान नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष डारा ने कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है वे उसे पूरी निष्ठा के साथ कार्य करेंगे और उनका प्रयास रहेगा कि कम समय के भीतर सरनाऊ ब्लॉक स्तरीय कार्यकारिणी गठित कर दी जाएगी। उनकी प्राथमिकता रहेगी कि पहले छ महीने में ग्राम,खण्ड स्तर पर कार्यकर्ताओं को जोड़ा जाएगा फिर उन्हें वन्यजीवों को रैस्क्यु व शिकार की घटनाओं की रोकथाम बारे प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके अलावा रैस्क्यु शैल, लीगल शैल, पौधारोपण शैल, जागरूकता एवं मिडिया शैल, तालमेल/कार्डिनैशन शैल, सदस्यता अभियान कमेटी गठित करके कार्य विभाज़न किया जाएगा और वन्यजीव एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य किए जाएेगें।

3 करोड़ की लागत से बनने वाले गौरव पथ का किया शिलान्यास

उदयपुरवाटी @ जागरूक जनता। शाकम्भरी गेट से न्यू उदयपुरवाटी स्कूल तक करीब 2 किलोमीटर दूरी तक बनने वाले साढे 3 करोड़ की लागत के गौरव पथ का शनिवार सवेरे 9 बजे राज्य मंत्री राजेन्द्र सिंह गुढा ने पालिकाध्यक्ष रामनिवास सैनी, ईओ हेमंत सैनी,पार्षदों और कस्बेवासियों की मौजूदगी में शिल्यान्यास किया। शिल्यान्यास के वक्त पार्षदों में अब्दुल अजीज कच्छावा, राजेन्द्र प्रसाद मारवाल, पिंटू स्वामी,गोविंद वाल्मिकी, राधेश्याम रचेता, बल्लाराम सैनी, दौलतराम सैनी और कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

युवक-युवती परिचय सम्मेलन के पोस्टर का हुआ विमोचन

चौमूं @ जागरूक जनता। ब्राह्मण समाज का स्थान जयपुर जिला देहात के द्वारा 29 मई को रॉयल पैलेस गार्डन रेलवे स्टेशन रोड चोमू पर आयोजित होने वाली युवक-युवती परिचय सम्मेलन के पोस्टर का विमोचन प्रदेशाध्यक्ष पं अंबिका प्रकाश पाठक ने किया। इस दौरान प्रदेशाध्यक्ष ने बताया की समाज में बढ़ रही अविवाहित युवक-युवतियों की संख्या एवं समस्याओं को देखते हुए ग्रामीण क्षेत्र के युवक-युवतियों के परिजनों को विवाह संबंधित आ रही परेशानी के मद्देनजर रखते हुए किया जा रहा है। इस दौरान जिलाध्यक्ष भुवनेश तिवाडी ने बताया की प्रदेशाध्यक्ष के निर्देशानुसार कार्यक्रम के रजिस्ट्रेशन के लिए दिनांक 10 मई से बढ़ाकर 17 मई की गई है कार्यक्रम में प्रदेश संगठन मंत्री जमुना लाल शर्मा, जिला महासचिव बनवारी लाल शर्मा, चौमू तहसील संगठन मंत्री चंद्र प्रकाश शर्मा आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

उचित मूल्यों की दुकानों का किया औचक निरीक्षण

बीकानेर @ जागरूक जनता। मुकेश कुमार मीना, (प्रवर्तक निरीक्षक) सतर्कता जिला रसद कार्यालय बीकानेर ने उचित मूल्य की दुकानों पर औचक निरीक्षण किया। लूणकरणसर तहसील की पंचायत, विजयपूरा, कनाट, कटियारसर, पालना, गीगासर, खराण, राजेरा अन्य डीलरों के यहां निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दुकानों पर मिल रही अनियमितताओं के लिए डीलरों एवं दुकानदारों को नोटिस जारी कर कार्रवाई की गई। निरीक्षण के दौरान मीणा ने बताया कि खाद्य विभाग की हेल्पलाइन पर लगातार खराब राशन की शिकायतें आ रही थी, जिस को दृष्टिगत रखते हुए उन्होंने तत्काल कार्रवाई की।

मामाजी मंदिर के पास पिछले कई दिनों से बंद पड़ी तीसरी आँख

भीनमाल @ जागरूक जनता। भीनमाल के स्थानीय खीमज माता मार्ग मामा जी मंदिर के पास पिछले कई दिनों से सीसीटीवी कैमरे खराब पड़े हैं जानकारी के अनुसार वहां पर दो कैमरे लगे हुए थे मगर अब एक ही कैमरा वहां पर दिखाई दे रहा है वह भी खराब है। इसमें देखा जा सकता है कि अगर कोई भी वारदात होती है तो जिम्मेदार कोन रहेगा। आप को बता दें कि यह लापरवाही शहर की सुरक्षा पर सवालिया निशान खड़ा करता है। मगर प्रशासन ने अभी तक सीसीटीवी कैमरे ठीक नही करवाए है। भीनमाल शहर में ऐसे अनेक स्थान है, जहां पर सीसीटीवी कैमरे खराब पड़े हैं । यह लापरवाही शहर की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़ा करता है ।

हर वार्ड में उपलब्ध होंगे पानी के टैंकर

चौमूं @ जागरूक जनता। अब हर वार्ड में नगर पालिका की ओर से पानी के टैंकर डलवाए जाएंगे। पालिका ने ठेकेदारों को जारी किए गए वर्क ऑर्डर के तहत प्रत्येक वार्ड में 5-5 निशुल्क पानी के टैंकर जाएंगे। चेयरमैन विष्णु कुमार सैनी का निशुल्क पानी के टैंकर की व्यवस्था पर पार्षदों व आमजन ने चेयरमैन का आभार जताया। नगर वासी अपने वार्ड के पार्षद से संपर्क कर डलवा सकेंगे निशुल्क पानी के टैंकर।

कलक्टर की जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक

आमजन के कार्यों को करें प्राथमिकता से निस्तारित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जालौर। जिला कलक्टर ने कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि जिले में 25 अप्रेल से 15 मई तक विशेष कोविड टीकाकरण अभियान के तहत प्रत्येक शनिवार व रविवार को महाअभियान चलाया जा रहा है जिसमें 15 से 17 आयु वर्ग टीकाकरण में गति लाकर अधिक से अधिक वंचित लोगों का टीकाकरण कर शत-प्रतिशत लक्ष्य अर्जित करना सुनिश्चित करें। उन्होंने मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा एवं जांच योजना, संस्थागत प्रसव आदि की समीक्षा करते हुए इसमें प्रगति लाने की बात कही। उन्होंने सीएमएचओ को शुद्ध के लिए युद्ध अभियान के तहत प्रतिदिन 10 सैंपल लेने के साथ ही जिले के सभी स्वास्थ्य केन्द्रों पर चिकित्सकों द्वारा उपचार के लिए जैनेरिक दवाईयाँ ही लिखना सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया साथ ही उन्होंने जिले में रिक्त चिकित्सक, फार्मासिस्ट, एएनएम इत्यादि के पदों पर यूटीबी द्वारा शीघ्र भरे जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि बच्चियों में एनीमिया की रोकथाम के लिए समय पर स्कूलों में दवाईयों का वितरण किया जावें। उन्होंने मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना पर विशेष बल देते हुए कहा कि इस योजना के क्षेत्र में मिशन मोड पर कार्य किया जावें।

उन्होंने पीएचईडी के अधिकारियों से बात करते हुए जिले में स्वीकृत नलकूपों को समय पर खुदवाकर चालू करवाने के निर्देश दिये। उन्होंने जिले में पेयजल की सुचारू आपूर्ति व टैंकरों द्वारा जलापूर्ति के साथ ही जल जीवन मिशन व नर्मदा प्रोजेक्ट्स की समीक्षा करते हुए जलदाय विभाग के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये।

जिला कलक्टर ने डिस्कॉम के अधिकारियों से जिले में जारी किये जा रहे कनेक्शनों पर जानकारी लेते हुए हैल्पलाईन पर प्राप्त शिकायतों का तुरन्त निस्तारण करने के निर्देश दिये। उन्होंने पशुपालन विभाग को चारा डिपो स्थापित करने, सब सेन्टर, नंदीशाला निर्माण के संबंध में प्रगति रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिये। उन्होंने रसद विभाग से एनएफएसए के तहत नवीन पंजीकरण के बारे में जानकारी लेते हुए खाद्यान्न वितरण के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल में नामांकन बढ़ाने के लिए प्रयास करने की बात कही। उन्हांने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अधिकारियों को मुख्यमंत्री पालनहार योजना की पेंडेंसी पूर्ण करने के संबंध में शिक्षा विभाग से समन्वय कर कार्य करने के निर्देश दिये।

बिरला कार्पोरेशन लिमिटेड

चंदेरिया इकाई प्लैटिनम एवं सामाजिक उतरदायित्व गोल्ड पुरस्कार से सम्मानित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गड। एपेक्स इंडिया फाउंडेशन न्यू देहली द्वारा पर्यावरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए बिरला कारपोरेशन लिमिटेड चंदेरिया की यूनिट बिरला सीमेंट वर्क्स एवं चंदेरिया सीमेंट वर्क्स को प्लैटिनम पुरस्कार एवं सामाजिक उतरदायित्व निर्वहन के लिए गोल्ड पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। जयपुर के क्राउन प्लाजा होटल मे आयोजित समारोह में पर्यावरण व सीएसआर उत्कृष्टता पुरस्कार जनरल मैनेजर विनोद पालीवाल, डिप्टी मैनेजर रतिकांत चौधरी, संचिता जिंदल, लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी द्वारा प्रदान किया गया। पालीवाल, डिप्टी मैनेजर रंजीत प्रसाद, लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी, बलदेव भाई प्रजापति, डॉ विजय सिंघल द्वारा प्रदान किया गया। पालीवाल ने समारोह में ग्रीन इकॉनमी एंड सस्टेनेबल ग्रोथ विषय पर पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन द्वारा विस्तृत जानकारी दी।

बिरला सीमेंट वर्क्स ने पर्यावरण सरंक्षण के लिए कई क्षैत्रो में कार्य किया है, जिनमे मुख्य रूप से जल सरंक्षण, ऊर्जा सरंक्षण, वायु गुणवत्ता मे सुधार, वाटर हार्वेस्टिंग एवं दूसरे उद्योगों से उत्पादित अपशिष्टों को पुनः चक्रित कर उपयोग में लेने एवं जीव विविधता प्रबंधन के लिए दिया गया। साथ ही सामाजिक उतरदायित्व निर्वहन के तहत हितधारकों से संबंध, समग्र सामाजिक उत्थान और ग्रामीण विकास आदि कार्यो के लिए दिया गया। इस अवसर पर कम्पनी के यूनिट हेड सुनील सूद ने कहा की कम्पनी उत्पादन के साथ-साथ सतत विकास के लिए अग्रसर है। साथ ही कम्पनी द्वारा आने वाली पीढ़ियों के लिए भी पर्यावरण को सरंक्षित रखने हेतु प्रयास किए जा रहे है। आस पास के निवासियों व ग्रामीणों के विकास के लिए निरन्तर प्रयासरत है। इस अवसर पर उन्होंने सभी कर्मचारियों को बधाई दी।

कर्मचारी सम्मेलन या चुनावी शक्ति प्रदर्शन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सिरोही। विगत दिवस सिरोही में कर्मचारियों के अधिवेशन में भारी संख्या में नियमित एवं अनियमित कार्मिकों (शिक्षकों एवं कर्मचारियों) की उपस्थिति जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है। कर्मचारियों के इस महासम्मेलन में किसी भी राजनीतिक दल या सरकार के प्रतिनिधि तक को आमंत्रित नहीं किया गया। जबकि मंच से अपने संबोधन में कई वक्ताओं ने कर्मचारियों के लिए मांगों के साथ ही समग्र शिक्षक संघ के प्रदेशाध्यक्ष एवं एकीकृत कर्मचारी महासंघ के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉक्टर उदय सिंह डिगार के लिए सांसद अथवा विधायक का टिकट देने की मांग भी कर डाली। इस अधिवेशन में प्रदेश से आए कई कर्मचारी नेताओं ने भी डॉक्टर उदय सिंह डिगार की कार्यशैली एवं मेहनत की तारीफ करते हुए उसे कर्मचारियों का सजग प्रहरी एवं कार्मिकों का जननायक तक कहकर इशारों ही इशारों में राजनीति में कदम रखने का संकेत भी दिया। आपको बता दें शिक्षकों एवं कर्मचारियों के नेता डॉक्टर उदय सिंह डिगार विगत कई वर्षो से शिक्षकों एवं कार्मिकों की मांगों को लेकर प्रदेश भर में सक्रिय नजर आते रहे हैं ।सूत्रों की मानें तो इनके भारतीय जनता पार्टी एवं कांग्रेस दोनों ही पार्टियों के बड़े नेताओं से संपर्क एवं जान पहचान भी है। यह भी देखा गया है कि ये लगातार जयपुर दोरे के दोरान सत्ता पक्ष एवं विपक्ष दोनो के नेताओं से मुलाकातों का सिलसिला भी जारी रखे हुए हैं ।बहरहाल यह तो साबित है कि डॉक्टर डिगार की शिक्षको एवं कर्मचारियों में तो गहरी पकड है, साथ ही आमजन में भी इनकी खासी पहचान एवं जनाधार भी है। उनका सरल व निष्पक्ष व्यवहार एवं मिलनसार व्यक्तित्व के कारण शिक्षकों एवं कार्मिकों समेत जिले मे चहेते भी हैं। वे लगातार सक्रिय एवं संघर्षशील भी रहे हैं, उनके बढ़ते हुए जनाधार के आधार पर ही यह अनुमान लगाया जाता है कि इस तरह के भारी शक्ति प्रदर्शन कहीं उनके राजनीति में आने का संकेत तो नहीं ?? जब इस विषय में डॉक्टर उदय सिंह डिगार से जानकारी चाही गई तो वे मुस्कुरा कर टाल गये। परंतु उनकी इस मुक्त मुस्कुराहट एवं बिना एजेंडे के शक्ति प्रदर्शन ने कई सवाल छोड़ दिए हैं ।

मैंने किसी राजनीतिक पार्टी में जाने की अथवा सांसद या विधायक का टिकट लेने की इच्छा जाहिर नहीं की है। हां, सिरोही में जो अधिवेशन हुआ वह पुरानी पेंशन के लिए सरकार को धन्यवाद देने के साथ ही संविदा निविदा प्लेसमेंट कार्मिकों को नियमित करने के लिए शक्ति प्रदर्शन था। सरकार को चाहिए कि कार्मिकों के नियमित करने समेत विभिन्न मांगों पर कार्यवाही करें अन्यथा प्रदेश भर में आंदोलनों की आंधी आ जाएगी।
- **डॉक्टर उदय सिंह डिगार,** प्रदेश अध्यक्ष, समग्र शिक्षक संघ एवं प्रदेश उपाध्यक्ष एकीकृत कर्मचारी महासंघ राजस्थान

मंत्रोच्चार के साथ हुई मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

उदयपुरवाटी। बामलास धाम के महंत बाबा लक्ष्मणदास के सानिध्य में चंवरा की हीरवाना श्री कृष्ण गौ शाला में चल रहे आठ दिवसीय धार्मिक कार्यक्रमों का मूर्तिस्थापना व भंडारे के साथ बुधवार को समापन हुआ। लक्ष्मणदास महाराज ने बताया मंगलवार रात को सवाई सिंह गुढा, बाबूलाल गौड़ कैलाश योगी खटकड़ भजन पार्टी ने भक्तिपूर्ण भजनों की मधुर प्रस्तुति दी। नव निर्मित गौ शाला मंदिर में पंडित अश्विनी शर्मा के सानिध्य में राधाकृष्ण, राम दरबार, शिव परिवार, विश्वकर्मा, बालाजी, गणेश और सरस्वती मां आदि की सुंदर मूर्तियों की मंत्रोच्चार के साथ प्राण प्रतिष्ठा की गई। मंदिर में हवन पूर्णाहुत्ति के बाद 56 भोग का प्रसाद चढाया गया। भजन पार्टी के गायक विकास शर्मा व साथियों ने मनभावन भजनों की रस धारा बहाई। कार्यक्रम आयोजक विश्वनाथ शर्मा व उनकी पत्नी संतोष गोरसिया परिवार ने आयोजित भंडारे से श्रद्धालुओं को प्रसादी परोसी और कई भगतों को पुरसवाई। गोरसिया परिवार ने गौ माता की विधि.विधान से पूजा.अर्चना कर गौ माता का आशीर्वाद लिया। महाराज ने प्रसंगों से बताया कि धर्म की जड़ सदा ही हरी रहती है ।व्यक्ति द्वारा किया गया धर्म और पुण्य कभी व्यर्थ नहीं जाता हैए परमात्मा के दरबार में उस व्यक्ति का नाम स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाता है। उन्होंने कहा व्यक्ति को सदैव गौ माताए साधु.संतों और दीन.हीनों की सेवा करनी चाहिए। कार्यक्रम में मन मोहनदास त्यागी नैमिषारण्य धाम उत्तर प्रदेश, शंकरदास वनखंडी लोहार्गल धाम, संतोषदास हनुमानगढी अयोध्या, संतोषनाथ कालीभर, कैलाशनाथ भौमिया मंदिर बड़की ढाणी, आचार्य विपुल कृष्ण, विक्रम सिंह शेखावत, गौ शाला अध्यक्ष शीशराम खटाणा, कोषाध्यक्ष बनवारीलाल जांगिड़ आदि समेत काफी संख्या में महिला-पुरूष मौजूद थे।

यूईएम की बौद्धिक संपदा अधिकार और आईपी प्रबंधन पर कार्यशाला आयोजित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। यूईएम जयपुर ने अपने मेंटी इंस्टीट्यूट रुक्मणी इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडीज (आरडीआईएएस) नई दिल्ली में स्टार्ट-अप के लिए बौद्धिक संपदा अधिकार और आईपी प्रबंधन पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में संस्थान के 100 से अधिक छात्रों और संकाय सदस्यों ने भाग लिया व पेटेंट और ट्रेडमार्क के बारे में सीखा।

यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (यूईएम), जयपुर के इंस्टीट्यूट इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) की एक टीम जिसमें इसके अध्यक्ष प्रो डॉ प्रदीप कुमार शर्मा, संयोजक प्रो डॉ अनुराग हैमिल्टन और सीनियर इनोवेशन एंबेसडर प्रो डॉ जी. उमा देवी ने आईआईसी पहल के तहत आरडीआईएएस का दौरा किया। प्रो. डॉ. रमन गर्ग, निदेशक, आरडीआईएएस ने इंस्टीट्यूट इनोवेशन काउंसिल, एमआईसी के तहत अपनी गतिविधियों में आरडीआईएएस की रेटिंग में सुधार के लिए यूईएम जयपुर द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। उन्होंने यूईएम जयपुर की आईआईसी टीम के सुझावों और सिफारिशों पर काम करने के लिए एक रोडमैप पेश किया। डॉ. रमन ने प्रो. डॉ. प्रदीप कुमार शर्मा, अध्यक्ष, आईआईसी यूईएम जयपुर को आरडीआईएएस के इच्छुक छात्रों के लिए इस कार्यशाला को संभव बनाने के लिए धन्यवाद दिया। डॉ. शर्मा ने आरडीआईएएस में इन्क्यूबेशन सेंटर की स्थापना की आवश्यकता पर जोर दिया और उन क्षेत्रों की पहचान करने के लिए जहां आरडीआईएएस के छात्र और संकाय सदस्य संस्थान के अनुसंधान प्रोफाइल में सुधार के लिए संस्थान के अंदर और बाहर विभिन्न प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों में भाग ले सकते हैं। उन्होंने DI के शिक्षकों और छात्रों द्वारा शोध पत्र और पेटेंट लिखने की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित किया। डॉ. रमन ने सुझावों और सिफारिशों को स्वीकार किया और आश्वासन दिया कि आरडीआईएएस निश्चित रूप से इस पर काम करना शुरू कर देगा और अधिक से अधिक शिक्षकों और छात्रों को अपनी रेटिंग में सुधार के लिए विभिन्न आईआईसी गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करेगा।

प्रो. डॉ. नमिता गर्ग, डीन, आरडीआईएएस ने दोनों संस्थानों की आईआईसी टीमों द्वारा किए गए सभी प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि आरडीआयएएस क्षेत्र के प्रमुख संस्थानों में से एक है और NAAC द्वारा A+ संस्थान के रूप में मान्यता प्राप्त है और यह प्रबंधन स्ट्रीम में विभिन्न स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए इस क्षेत्र में सबसे अधिक पसंद किए जाने वाले संस्थानों में से एक है। प्रो. (डॉ.) उपासना दीवान, अध्यक्ष, आईआईसी, आरडीआईएएस ने आईआईसी रेटिंग के लिए छात्रों और शिक्षकों द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों पर चर्चा की। उन्होंने आरडीआईएएस में बिजनेस आइडिया लैब की स्थापना के बारे में बताया जहां छात्र विचार उत्पन्न कर सकते हैं और स्टार्टअप विकसित करने या उद्यमी बनने के लिए इस विचार पर काम कर सकते हैं।

महात्मा गाँधी नरेगा कार्मिक संघ के कर्मचारी रहे हड़ताल पर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

भीनमाल। महात्मा गांधी नरेगा कार्मिक संघ के कर्मचारी गत 4 मई से अपनी नियमितीकरण की मांग को लेकर पंचायत समिति मुख्यालय पर धरना दे रहे हैं।

महात्मा गाँधी नरेगा कार्मिक संघ के कर्मचारियों ने अपने मांग पत्र को लेकर मुख्यमंत्री के नाम से उप खंड अधिकारी जवाहरराम चौधरी को ज्ञापन सौंपा। प्रदेश स्तर पर अपनी मांगों के संबंध में समस्त संविदा कार्मिक मोहन महारैली का आयोजन भी करेंगे। राज्य सरकार द्वारा एलडीसी भर्ती 2013 को अब तक फोलो नहीं करने के कारण स्वस्थ कार्मिकों में भारी आक्रोश है। इसके चलते प्रदेश के समस्त संविदा कार्मिक मुख्यमंत्री के समक्ष सामूहिक त्यागपत्र 31 मई को देंगे।

उक्त कर्मिको के हड़ताल पर जाने से नरेगा के वर्तमान कार्य में श्रमिकों का नियोजन, भुगतान की प्रक्रिया, कार्य का मूल्यांकन आदि योजना संबंधित कार्य प्रभावित हो रहा है। इसी आधार पर अगर हड़ताल लंबी चलती है तो नरेगा में कर्म नियोजन बहुत ही कम स्तर पर आ जाएगा।

ग्वादर जिले की कई घाटियों में टिड्डी मिली

टिड्डियों के पाकिस्तान पहुंचने से भारत पर संकट

अभी सॉलिटरी फॉर्म में, दल बनाने की प्रवृत्ति नहीं

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जोधपुर। एशिया और अफ्रीका के देशों में टिड्डी को लेकर स्थिति नियंत्रण में है लेकिन नमी बढ़ने के साथ भारत में टिड्डी का खतरा मंडरा सकता है। टिड्डी पाकिस्तान पहुंच गई है। पाक के ब्लूचिस्तान प्रांत के ग्वादर जिले की कई घाटियों में एकल (सॉलिटरी) टिड्डी मिली है जो अरब सागर से कुछ दूरी पर है। ईरान में भी टिड्डी रिपोर्ट की गई है। देश के राजस्थान और गुजरात के सर्वे में टिड्डी नहीं मिली। हालांकि पाक-ईरान में मिली टिड्डी सॉलिटरी फॉर्म में है। इसमें झुण्ड बनाने की प्रवृत्ति नहीं होती

है इसलिए अधिक खतरा नहीं है। अगले महीने भारत में मानसून ऑनसेट होने के साथ नमी युक्त मौसम मिलने से टिड्डी हमले की आशंका बढ़ जाएगी। टिड्डी जुलाई के बाद कभी भी आ सकती है हालांकि इस बार सभी देशों की ओर से तैयारी होने से अधिक खतरा नहीं रहेगा।

जयपुर 2022 में फुल माउथ डेंटल इम्प्लांट की

संयुक्त राष्ट्र संघ के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की ओर से मई के पहले सप्ताह में जारी बुलेटिन के अनुसार फरवरी-मार्च में कुछ टिड्डी ने पाकिस्तान में अण्डे दिए थे जिनसे अब वयस्क टिड्डी बन गई है। मार्च में ही ईरान में भी टिड्डी ने ब्रीडिंग की थी लेकिन दोनों ही स्थानों पर टिड्डी सॉलिटरी फॉर्म है। गौरतलब है कि टिड्डी दो अवस्था में रहती है। सॉलिटरी फॉर्म में टिड्डी केवल सामान्य कीड़े की तरह होती है। खुद का पेट भरने के लिए थोड़ा सा खाती है लेकिन जब यह ग्रीगेरियस फॉर्म में बदलती तो बड़े-बड़े घातक झुण्डों को जन्म देती है। ग्रीग्रेरियम फॉर्म में टिड्डी बहुत तेज, बहुत अधिक खाना खाने वाली,हमला करने वाली प्रवृत्ति धारण कर लेती है।

अगले महीने से दो देशों की बैठक

कोरोना से पहले भारत और पाकिस्तान के मध्य टिड्डी को लेकर जून से नवम्बर तक एक-दूसरे के देश में बैठक हुआ करती थी। एक महीने भारत के मुनाबाव और दूसरे महीने पाकिस्तान के खोखरापार में होती थी। कोरोना काल में सभी बैठकें ऑनलाइन ही हुई। भारतीय उपमहाद्वीप में जून से लेकर नवम्बर तक ही टिड्डी का खतरा रहता है।

पाकिस्तान में सॉलिटरी फॉर्म में टिड्डी मिली होगी, उससे अधिक खतरा नहीं है। भारत में स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है।
वीरेंद्र कुमार, सहायक निदेशक, टिड्डी चेतावनी संगठन जोधपुर

डाक पंजीयन सं. : jaipurcity/105/2021-23 | R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758

चिंतन शिविर से क्या आएंगे अच्छे दिन!

इस बार सिर्फ रस्म अदायगी क्यों नहीं चाहती सोनिया!

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जागरूक जनता सरपट
ज्ञानेन्द्र मिश्रा

जयपुर/उदयपुर/नई दिल्ली। 13 मई यानि शुक्रवार का दिन कांग्रेस पार्टी के लिए बेहद अहम है। सोनिया, राहुल और प्रियंका गांधी वाड्रा के अलावा पार्टी के कई वरिष्ठ नेता उदयपुर की यात्रा करेंगे। साथ ही तीन दिवसीय विचार-मंथन सत्र का आयोजन भी होना है। इस सत्र को चिंतन शिविर का नाम दिया गया है। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर को साइड करने के बाद पार्टी बड़े फैसले तो ले रही है लेकिन अभी भी दिल्ली काफी दूर है। कांग्रेस में लड़ाई सिर्फ चुनावी जीत की नहीं पार्टी नेताओं को बूस्ट करने और कार्यकर्ताओं के भरोसे को फिर से जीतने की है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि इस बार सोनिया गांधी चिंतन शिविर को महज मीटिंग की रस्म अदायगी के तौर पर नहीं लेना चाहती, यही वजह है कि चिंतन शिविर से पहले कांग्रेस पार्टी ने एक नेता एक पद का फॉर्मूला अपनाना शुरू कर दिया है।

कांग्रेस इस वक्त राजनीतिक, आर्थिक और संगठनात्मक मोर्चों पर चुनौतियों का सामना कर रही है। अपने राजनीतिक भविष्य को मजबूत करने के लिए राजस्थान के उदयपुर में तीन दिवसीय विचार-मंथन सम्मेलन होने जा रहा है। यह पहली बार नहीं है कि

कांग्रेस पार्टी चुनावी हार के बाद या किसी बड़ी चुनौती से पहले रणनीति बनाने के लिए बोर्ड पर वापस गई हो, इससे पहले भी यह होता रहा है लेकिन परिणाम पटल से धरातल पर नहीं नजर आया। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या इस बार भी कांग्रेस पार्टी की मीटिंग सिर्फ रस्म अदायगी तक ही सीमित हो जाएगी या कुछ बड़ा बदलाव निकलकर सामने आएगा।

क्या है यह चिंतन शिविर?

पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक के दौरान कहा था कि लगभग 400 कांग्रेस सदस्य 13 से 15 मई तक उदयपुर में चिंतन शिविर में शामिल होंगे और उन्होंने हर नेता के एक पार्टी पद पर रहने के संदेश पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी ने हर कोण से संतुलित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किया है।

क्या चाहती हैं कांग्रेस अध्यक्ष

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने बीते दिनों सोमवार को जोर देकर कहा कि चिंतन शिविर एक रस्म नहीं बननी चाहिए, जिससे गुजरना पड़ता है। उन्होंने कहा, मैं यह सुनिश्चित करने में आपके पूर्ण सहयोग का अनुरोध करती हूं कि उदयपुर से जो संदेश स्पष्ट और स्पष्ट रूप से सामने आता है वह हमारी पार्टी के त्वरित पुनरुद्धार के लिए एकता, एकजुटता, दृढ़ संकल्प और प्रतिबद्धता में से एक है। उन्होंने पार्टी को एकजुट होने की आवश्यकता पर जोर दिया और सभी को याद दिलाया कि अब पार्टी के नेताओं के लिए पार्टी को अपना कर्ज चुकाने का समय है। उन्होंने कहा, मैं दृढ़ संकल्पित हूं कि इसे कई वैचारिक, चुनावी और प्रबंधकीय चुनौतियों का सामना करने के लिए एक पुनर्गठित संगठन की शुरुआत करनी चाहिए। सीडब्ल्यूसी की बैठक में बोलते हुए, उन्होंने कांग्रेस में बदलाव चाहने वालों से एक स्पष्ट अपील करते हुए कहा कि आलोचना ठीक है, लेकिन यह पार्टी का मनोबल गिराने की हद तक नहीं होनी चाहिए। 1996 और 2004 के बीच, जब कांग्रेस विपक्ष में थी, पार्टी ने 1998 में पचमढ़ी में और 2003 में शिमला में दो चिंतन शिविर आयोजित किए, एक AICC सत्र और दो AICC विशेष सत्र। वहीं, 2004 से 2014 तक सत्ता में रहते हुए भी, पार्टी ने पांच सम्मेलन आयोजित किए-जयपुर में एक चिंतन शिविर, दो एआईसीसी सत्र, एक पूर्ण और एक विशेष सत्र। हालांकि, पिछले आठ वर्षों में, यकीनन पार्टी के इतिहास में सबसे कठिन समय, कांग्रेस ने केवल एक राष्ट्रीय सम्मेलन, 2018 AICC पूर्ण सत्र दिल्ली में आयोजित किया है।

गुजरात में पार्टी सॉन्ग पर झूमे राहुल गांधी :बोले...

गुजरात मॉडल में दो भारत- एक अमीर लोगों का, दूसरा आम जनता का

दाहोद (गुजरात) @ जागरूक जनता। गुजरात में चुनाव अभियान को तेज करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी मंगलवार को गुजरात पहुंचे। यहां उन्होंने आदिवासी बहुल दाहोद में आदिवासी सत्याग्रह रैली को संबोधित करते हुए कहा- मोदी जिस गुजरात मॉडल की बात करते हैं, उसमें दो भारत हैं, एक आम लोगों का, दूसरा अमीर लोगों का। कार्यक्रम के समापन पर कांग्रेस पार्टी रे कांग्रेस पार्टी सॉन्ग बजाया गया, जिसकी धुन पर मंच पर राहुल गांधी ने विधायक चंद्रिकाबेन बारिया के साथ डांस किया।

कांग्रेस दो भारत नहीं चाहती : राहुल गांधी ने कहा- यह जनसभा नहीं, सत्याग्रह की शुरुआत है। 2014 में नरेंद्र मोदी पीएम बने। गुजरात में उन्होंने जो काम शुरू किया, वह आज भारत में हो रहा है, जिसे गुजरात मॉडल कहा जाता है। आज दो भारत बन रहे हैं। एक भारत अमीरों का है, जिसमें बड़े अमीर लोग हैं और उनके पास सत्ता धन और अहंकार है। दूसरा भारत, भारत की आम जनता का है।'

विनायक ज्वैलर्स
Retailer of Gold, Diamond & Silver Jewellery
22 K 916 हॉलमार्क ज्वैलरी
18 K 750 हॉलमार्क डायमंड ज्वैलरी
970 Silver Utensiles
Certified राशि रत्न
BIS 100% Hall Marked Jewellery
G-46, Unnati Tower, Central Spine, Vidhya Dhar Nagar, Jaipur
0141-2337548, 0141-2337458, 9414156451

रेपिस्ट को सजा सुनाते हुए इमोशनल हुए जज...

पीड़ित बच्ची के लिए कविता लिखी- मेरी परी, तुम खुश हो जाओ

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

कोटा। ओ मेरी नन्ही मासूम परी रानी तुम खुश हो जाओ, तुम्हें रुलाने वाले दुष्ट राक्षस को हमने जिंदगी की आखिरी सांस तक के लिए सलाखों के पीछे भेज दिया है। अब तुम इस धरती पर निडर होकर अपने सपनों के खुले आसमान में पंख लगाकर उड़ सकती हो... तुम सदा हंसती रहो, चहकती रहो, बस यही प्रयास है हमारा। ये पंक्तियां किसी किताब की नहीं हैं, बल्कि कोटा के पॉक्सो कोर्ट के आदेश में दर्ज हैं। 6 साल की मासूम से मौलवी ने मदरसे में रेप किया। इस रेपिस्ट को कोर्ट ने अंतिम सांस तक जेल की सजा सुनाई है।

विशिष्ट न्यायाधीश दीपक दुबे इमोशनल हो गए। उन्होंने अपने फैसले में इन पंक्तियों को लिख मासूम पीड़िता को पॉजिटिव मैसेज देने का प्रयास किया है। जज ने यह भी लिखा है- तुम्हें (पीड़िता) रुलाने वाले दुष्ट राक्षस को आखिरी सांस तक सलाखों के पीछे भेज दिया।

पांच महीना पुराना मामला

5 माह पुराने मामले में पॉक्सो कोर्ट-3 ने मंगलवार को मौलवी अब्दुल रहीम (43) को सजा सुनाई है। 1 लाख अर्थदंड भी लगाया गया है। रेपिस्ट अब्दुल, रामपुरा (कोटा) का रहने वाला है। अब्दुल पेशे से उर्दू टीचर था। बच्चों को उर्दू पढ़ाता था। उसने ट्यूशन पढ़ने आई 6 साल की मासूम के साथ दुष्कर्म किया था। रेपिस्ट के खुद 4 बच्चों का पिता है। उसकी 1 बेटी व 3 बेटे हैं। अब्दुल 4 महीने पहले पीड़िता के गांव में आया था। यहां मदरसे में अकेला रहता था। उसे पिछले साल 14 नवंबर को गिरफ्तार किया गया था।

13 नवंबर को ज्यादती

विशिष्ट लोक अभियोजक ललित शर्मा ने बताया कि मासूम के परिजनों ने 14 नवंबर को कोटा के दीगोद थाने में शिकायत दी थी। उन्होंने बताया था कि अब्दुल रहीम पिछले 4 महीने से गांव के मदरसे में रहता था। बच्चों को उर्दू की तालीम देता था। उनकी 6 साल की बेटी भी उर्दू पढ़ने मौलवी के पास जाती थी। 13 नवंबर को दोपहर 3 बजे बेटी उर्दू पढ़ने मौलवी के पास गई थी। शाम 4 बजे रोती हुई घर लौटी। उसने आपबीती सुनाई। पुलिस ने 14 नवंबर 21 को अब्दुल को गिरफ्तार किया। जांच के बाद 6 जनवरी को कोर्ट में चालान पेश किया। फरवरी में मौलवी के खिलाफ कोर्ट में आरोप तय हुए। कोर्ट में 13 गवाहों के बयान कराए गए थे।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट
»मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
»सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
»असाध्य घाव/शुगर के घाव
»कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
»अचानक बहरापन (Hearing Loss)
»डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.
नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर
Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur
E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.com

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039

विधवा सोहिनी ने पुनर्विवाह कर बसाया नया संसार

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जोधपुर। कहाँ तो तय था कि नियति के कहर से उपजे वैधव्य के बाद सूने-अंधेरे जीवन के अभिशापों के साये में जीते हुए जिन्दगी यों ही गुजार देना, और कहाँ राज की योजना ने वो मुकाम दे दिया जहाँ से फिर शुरू हो चली संसार की सुनहरी डगर दाम्पत्य के रस-रंगों भरी।'' जोधपुर की एक महिला के साथ ऐसा ही कुछ हुआ। महिला सशक्तिकरण की दिशा में सरकार के प्रयासों की बदौलत वह अपने बच्चों के साथ फिर से खुशियों भरी जिन्दगी की डगर पा गई। कई सारे घुमावदार मोड भरी करुण कहानी कुछ इस तरह है। करीब 4 माह पूर्व महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र(पश्चिम) जोधपुर में एक 27 वर्षीया महिला सोहिनी अपने 4 एवं 6 वर्ष के दो बच्चों के साथ आयी और अपनी पूरी व्यथा-कथा बताई।

नियति ने ढाया कहर

सोहिनी ने बताया कि एक वर्ष पूर्व उसके पति लक्ष्मणदास वैष्णव के देहान्त के बाद से ही उस पर दुःखों का पहाड़ टूट पड़ा है। उसने बताया कि पति की मौत के बाद करीब साल भर तक ससुराल में सबका व्यवहार ठीक रहा परन्तु बाद में नकारात्मक बदलाव आने लगा। पति के क्लैम के पैसे भी ले ससुराल वालों ने ले लिए और प्रार्थिया को ताने देते हुए परेशान करने के साथ ही बच्चों के साथ भी खराब बर्ताव शुरू कर दिया। बच्चों की देखरेख की बात कही तो घर से बाहर निकाल दिया।

परामर्श केन्द्र ने दिखायी राह

इसके बाद पीहर पहुंची तो अपनी सौतेली माँ के अनुचित व्यवहार के कारण घुट-घुट कर जीने को विवश रही। इन विषम हालातों की मारी सोहिनी ने केन्द्र में बताया कि अब वह बहुत हताश एवं निराश हो चुकी है और ?सी स्थिति में बच्चों का पालन-पोषण कर पाने में असमर्थ होने के कारण उन्हें अनाथ आश्रम में छोड़ कर दूसरा विवाह करने की इच्छा जाहिर की। केन्द्र द्वारा इस बारे में सीडब्ल्यूसी में बात की गई ताकि बच्चों को अनाथ आश्रम न भेजकर सीडब्ल्यूसी में दाखिल किया जाए, जहां उनकी देखभाल एवं शिक्षा में किसी तरह की अड़चन न आए। पुनर्विवाह की उसकी मंशा को देखकर केन्द्र द्वारा कई बार उसे परामर्श करके समझाया गया कि किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह करे जो उससे शादी भी कर लें और बच्चों को भी अपना ले। इस समझाईश पर सोहिनी ने कहा कि ?सा व्यक्ति मिलना मुश्किल है जो न केवल एक विधवा से शादी करे बल्कि उसकी संतानों को भी बिना शर्त पिता का प्यार दे सके।

यों हुई राह आसान

केन्द्र परामर्शदाता ने इस मामले जटिलता को देखते हुए सोहिनी के पिता को केन्द्र पर बुलाया और मामले के विश्लेषण का पूरा का पूरा निचोड़ उसके पिता के सामने रखते हुए सोहिनी के लिए उसकी मंशा के अनुरूप वर की तलाश करने को कहा। काफी तलाशने के बाद सेोहिनी के लिए मन मुताबिक उपयुक्त सज्जन मिल गए जो कि शादी के साथ ही बच्चों को पिता का प्यार देने में सहमत थे।

नए सफर के लिए जताया खूब-खूब आभार

फिर क्या था। परामर्शदाता की समझाईश और पिता की पहल पर गत माह 16 अप्रेल को सोहिनी का पुनर्विवाह हुआ और नए सुनहरे सफर पर बढ़ चली। सोहिनी के पिता ने अपनी बिटिया की ओर से केन्द्र के सभी कार्मिकों तथा परामर्शदाता के प्रति खूब-खूब आभार जताया और कहा कि उनकी समझाईश और समुचित कांउसलिंग की बदौलत आज सोहिनी ने नये जीवन में प्रवेश कर लिया है।

मिलेगा इस योजना का लाभ

महिला अधिकारिता विभाग के उप निदेशक श्री फरसाराम विश्नोई के अनुसार इस मामले की जानकारी मिलने पर महिला अधिकारिता विभाग के संरक्षण अधिकारी ने सोहिनी को प्रोत्साहित किया और इन्दिरा महिला शक्ति केन्द्र द्वारा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित विधवा पुनर्विवाह उपहार योजना के अन्तर्गत आर्थिक सहायता के लिए आवेदन के बारे में जानकारी दी। विधवा पुनर्विवाह का साहसिक कदम उठाने वाली सोहिनी आज सम्मानजनक एवं खुशहाल दाम्पत्य जीवन का सुकून पाते हुए महिला सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करना नहीं भूलती।

तिरुपति बालाजी मंदिर

पाटोत्सव की तैयारियां जोरों पर, आयोजन कल से

12 से 15 मई नानी बाई के मायरे का होगा आयोजन सांय 7 बजे से रात्रि 10 बजे तक

बड़ी बंदोली के साथ भगवान का विवाह कल्याणोत्सव पहली बार होगा आयोजित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

पीपाड़ शहर। जोधपुर जिले की धर्म नगरी के नाम से प्रसिद्ध पीपाड़ शहर में रेलवे स्टेशन रोड़ पर स्थित श्री तिरुपति बालाजी मंदिर में आयोजित होने वाले पाटोत्सव कार्यक्रम की तैयारियां युद्ध स्तर पर जारी है श्री तिरुपति बालाजी मंदिर के पटोत्सव पर तिरुपति बालाजी मंदिर सेवा संस्थान के तत्वावधान में पहली बार नानी बाई मायरे के साथ बालाजी भगवान का विवाह कल्याणोत्सव के रूप आयोजित किया जा रहा है जिसमें बुधवार को महिलाओं द्वारा मंदिर परिसर में मेहंदी की रस्म की गई। गुरुवार से बालाजी विवाह उत्सव शुरू हो गया। पहले दिन धृतपान और विनायक पूजा की गई। इस अवसर पर महिलाओं ने मंगल गीत गाए। जिसमें मुख्य भामाशाह श्रीकिशन सीताराम सोनी माहेश्वरी बैंगलुरु होंगे।

इस दौरान धर्म प्रेमी नागरिक भी स्वेच्छा से आगे आकर अपनी श्रृद्धा अनुसार आर्थिक सहयोग भी प्रदान किया जा रहा है. वहीं सोमवार को भामाशाह परिवार के दानदाता श्रीकिशन सोनी (माहेश्वरी) निवासी गुलेदगुड द्वारा 10 किलो शुद्ध चांदी से निर्मित पूजन के लिए बर्तन पात्र मंदिर में भेट किए गए हैं। पीपाड़ के सभी समाज द्वारा भगवान को 15 मई तक बन्दौला दिया जाएगा। 13 मई को तिरुपति बालाजी आंध्र प्रदेश के पुजारियों द्वारा तिरुपति बालाजी का महाअभिषेक प्रातः 6:30 बजे से किया जाएगा।

14 मई को प्रातः 8:00 से तिरुपति बालाजी की बड़ी बंदोली व तुलसी यात्रा निकाली जाएगी जो सब्जी मंडी प्रांगण से प्रारंभ होकर शहर के मुख्य बाजार से होती हुई मंदिर प्रांगण पहुंचेगी तुलसी यात्रा में भाग लेने वाली सभी माता बहनों को भगवान तिरुपति बालाजी के मंत्रोच्चारण अभिषेक से सिंचित तुलसी पौधा और अभिषेक किया गया एक सिक्का दिया जाएगा। 15 मई को प्रातः 7:00 बजे भगवान का विवाह कल्याणोत्सव के रूप में आयोजित होगा। नानी बाई के मायरे का आयोजन मारवाड़ माटी के प्रसिद्ध कथावाचक गौवत्स संत राधा कृष्ण महाराज के मुखारविंद से 12 से 15 मई सांय 7:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक किया जाएगा। इस मौके पर पूरे मंदिर परिसर को रंगीन रोशनी और फूल मालाओं के साथ खूबसूरती से सजाया गया है।

आयोजन समिति के धनराज सोलंकी ने बताया कि बंदोली के अंदर राजस्थानी संस्कृति की पहचान रखने वाली पीपाड़ शहर, सिरोही, बालोतरा की शाही गैर नृत्य, शाही बैंड, सुसज्जित रथ, कच्ची घोड़ी नृत्य मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेगी।

जो भी इस कार्यक्रम में अपना सहयोग प्रदान कर रहे है इस अवसर पर मंदिर ट्रस्ट के भंवरलाल चौहान, पन्नालाल सोनी, धनराज सोलंकी, चन्द्रशेखर व्यास, जगदीश छीपा, घनश्याम तिवाड़ी, रमेश अरोड़ा, हरिराम विश्नोई, भामाशाह सुभाष सोनी आदि ने सभी दानदाता परिवार का मंदिर की ओर से साधुवाद और आभार व्यक्त किया गया है संस्थान द्वारा समूचे शहर में धार्मिक आयोजन का प्रचार कर शहर के हर धर्म प्रेमी परिवार को आयोजन में आने का निमंत्रण भी दिया जा रहा है।

जागरूक जनता jagrukjanta.com फेसबुक पेज www.facebook.com/jagrukjantanews
पढ़े, जुड़े और आगे बढ़े
हर खबर से आपको रखें अपडेट
जागरूक जनता

सेवानिवृत्ति समारोह के उपलक्ष्य में एक शाम जम्भेश्वर के नाम भजन संध्या का आयोजन किया

नशा मुक्त सभा का आयोजन कर समाज में पेश की नई मिशाल

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सरनाऊ। पंचायत समिति क्षेत्र के स्थित सांकड़ गांव के वरिष्ठ अध्यापक के सेवानिवृति पर एक शाम जम्भेश्वर भगवान के नाम भजन संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें नशा मुक्त सभा रखी गई। जानकारी के मुताबिक भागीरथ विश्नोई राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय चाडार नाडी सांकड़ से अपनी 34 वर्ष की राजकीय सेवा सम्मान पूर्वक पूर्ण करने पर शनिवार शाम सेवानिवृत्त होने के उपलक्ष्य में निवास स्थान पर एक शाम श्रीगुरु जंभेश्वर के नाम भजन संध्या, स्नेह मिलन एवं सेवानिवृत्ति समारोह का आयोजन किया गया। सेवानिवृत्ति समारोह के उपलक्ष्य में जागरण में प्रसिद्ध गायक कलाकार गोवर्धन बिश्नोई नांदिया ने जंभेश्वर के नाम भजनों की प्रस्तुतियां दी। वहीं भजन संध्या का आगाज गणपति वंदना के साथ किया गया। उन्होंने जंभेश्वर के सुमधुर भजन कुं कुं केरा चरण पधारो गुरु जंभ देवऊ सहित अनेक मधुर भजन प्रस्तुत किए। गायक गोवर्धन बिश्नोई ने कहा कि सत्य पथ चलकर गुरु जंभेश्वर के बताए नियमों का पालन करें। मानव सेवा सर्वोपरि हमेशा सेवा कार्य का काम करें।जीवन में मनुष्य को अच्छे कर्म करने की बात कही। देर रात तक गायक ने एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत किए। भजन संध्या का आनंद लेते हुए श्रद्धालुओं ने खूब तालियां बटोरी। तत्पश्चात रविवार सुबह सेवानिवृत्ति समारोह सभा में जिला अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में डीईईओ जालौर श्रीराम गोदारा, सीए सत्येंद्र साहू, जिला परिषद सदस्य प्रवीण साहू, ओम ढाका, सावताराम सारण साकड़, सुरेश सियाग समेत कई नागरिक मौजूद हुए। उपस्थित विभिन्न विभाग के अधिकारियों ने अध्यापक का भागीरथ राम साहू के कार्यकाल की प्रशंसा की। उन्होंने भागीरथ राम के निवास स्थान पर नशा मुक्त सभा कर समाज को एक नया संदेश देने पर सराहना की। इस दौरान जिला परिषद सदस्य प्रवीण कुमार साहू ने कहा कि भागीरथ राम साहू ने एक नशा मुक्त सभा कर समाज को नया संदेश दिया है इनकी यह पहल सराहनीय है। मानव का तन मन धन नष्ट होने के साथ इज्जत भी चली जाती है। उन्होंने भक्तों से आग्रह किया कि वे क्षेत्र में लोगों को नशे से दूर रहने की प्रेरणा दें। नशा मुक्ति के लिए लोगों को जागृत करें और अपने साथियों को नशों से दूर रखें एवं समाज में बच्चों को शिक्षा के संस्कार देने की बात कही।

भाजपा ने हितेंद्र ओझा को सौपा प्रदेश आईटी सैल में सदस्य के साथ जोधपुर सम्भाग का दायित्व

21 किलो माला से ओझा का किया अभिनंदन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सिरोही। भाजपा के नवनियुक्त पदाधिकारी हितेंद्र ओझा प्रदेश सदस्य भाजपा आईटी सैल व सम्भाग प्रभारी जोधपुर, साथ ही हार्दिक देवासी को जिला संयोजक पशुपालन प्रकोष्ठ का भी सिरोही के बाबा रामदेव होटल में आयोजित स्वागत समारोह में भव्य स्वागत अभिनंदन किया गया।

वही आपको बता दे कि हितेंद्र ओझा का सामाजिक सरोकारों से अटूट नाता रहा है। जिसके तहत भाजपा ने एक सुयोग्य के साथ सुशिक्षित चेहरे के रूप में राजस्थान प्रदेश में आईटी विभाग में स्थान दिया है। इसके साथ ही जोधपुर सम्भाग प्रभारी का भी जिम्मा सौंपा जिसका भी कुशलता पूर्वक निर्वहण करना होगा....। वर्तमान समय आईटी का क्षेत्र बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है...ऐसे में सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि यह पद अपने आप मे कितना महत्व रखता है। बतौर विपक्ष इस पर खरे उतरने की अहम जिम्मेदारी भी दोनो के कंधों पर है। देखना होगा कितने इस पर खरे उतर पाते हैं.।...गौरलतब है भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है, उस पार्टी का आईटी विभाग मजबूत रहें...इस बात का भी गम्भीरता से ध्यान देकर पार्टी की गतिविधियों व भाजपा सरकार की योजनाओं को आमजन तक पहुंचाना होगा।....हालांकि आमजन को उम्मीद है कि तमाम दायित्वों पर हितेंद्र ओझा खरे उतरेंगे यह भाजपा के साथ सिरोही जिले के निवासियों को आशा आंकाक्षा है.....। आयोजित कार्यक्रम में कई भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद हैं..। वही ओझा ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला ओजस्वी शैली में कांग्रेस की जनविरोधी नीतियों कोसा।

पिंकसिटी प्रेस क्लब में दो दिवसीय बहुउद्देशीय शिविर का शुभारम्भ

100 से अधिक पत्रकार व परिजन लाभांवित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। पिंकसिटी प्रेस क्लब की ओर से क्लब सदस्यों एवं उनके परिजनों के लिए मंगलवार को जनआधार कार्ड, मूल निवास, मू प्रमाण-पत्र, चिंरजीवी योजना एवं सहित अनेक दस्तावेजों को बनाने का शिविर आयोजित किया गया। शिविर में पत्रकारों में खासा उत्साह देखा गया। पहले दिन 100 से अधिक पत्रकार एवं परिजनों ने विभिन्न प्रमाण-पत्र बनवाएं। पिंकसिटी प्रेस क्लब अध्यक्ष मुकेश मीणा एवं महासचिव रघुवीर जांगिड़ ने शिविर का शुभारम्भ किया।

इस अवसर पर सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के अतिरिक्त निदेशक अरूण जोशी ने शिविर का अवलोकन कर प्रेस क्लब प्रबन्ध कार्यकारिणी के प्रयासों की सराहना की। उन्होनें कहा कि इस शिविर के माध्यम से एक छत के नीचे पत्रकार साथियों के लिए कम समय में राज्य सरकार के महत्वपूर्ण दस्तावेज बनाएं जा सकेंगे। सूचना प्रोद्योगिकी एवं संचार विभाग के संयुक्त निदेशक रितेश कुमार शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार की ओर से ई-मित्र होम की सुविधा लागू की गई है। जिसमें घर बैठे हैल्प लाइन नम्बर की सहायता से महत्वपूर्ण प्रमाण-पत्र बनाएं जा सकते है।

प्रेस क्लब साथियों के लिए भविष्य में भी इस तरह के आयोजन भरपूर सहयोग रहेगा। इस दौरान अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया।

क्लब अध्यक्ष मुकेश मीणा ने बताया कि पत्रकार साथियों की व्यस्तताओं को ध्यान में रखते हुए पत्रकारों एवं उनके परिजनों के लिए दो दिवसीय शिविर का आयोजन किया है। हमारी प्रबन्ध कार्यकारिणी पत्रकार एवं प्रेस क्लब के हित में कार्य करती रहेगी। शिविर में बड़ी संख्या में पत्रकारों ने जन आधार कार्ड, ईडब्लूएस प्रमाण पत्र, मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना, अल्पसंख्यक प्रमाण-पत्र, ड्राईविंग लर्निंग लाइसेंस, मूल निवास, जाति प्रमाण-पत्र, पुलिस वेरिफिकेशन, जन्म, मृत्यु, विवाह प्रमाण-पत्र एवं पासपोर्ट बनाने के लिए आवेदन किए। क्लब महासचिव रघुवीर जांगिड़ ने बताया कि शिविर बुधवार को भी प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक आयोजित होगा।

शिविर में जन आधार कार्ड के लिए परिवार के सदस्यों की नवीनतम पासपोर्ट साइज की फोटो, सभी सदस्यों का आधार कार्ड, राशन कार्ड की प्रति, परिवार की आय का प्रमाण-पत्र, महिला मुखिया की बैंक पास बुक। यदि जन आधार कार्ड है अन्य दस्तावेज बनाने है इसके लिए आधार कार्ड, जन आधार कार्ड, राशन कार्ड, पहचान पत्र, बैंक पास बुक, विद्युत बिल, पानी बिल, 10वीं मार्कसीट, पैन कार्ड, ड्राईविंग लाईसेन्स की आवश्यकता रहेगी। मूल निवास, जाति प्रमाण पत्र के लिए 10 साल की राजस्थान की नागरिकता आवश्यक है।

इस अवसर पर उपाध्यक्ष पंकज शर्मा, गिरिराज प्रसाद गुर्जर, विजेन्द्र जायसवाल, संतोष कुमार शर्मा, पुष्पेन्द्र सिंह राजावत, अनिता शर्मा, दिनेश कुमार शर्मा अधिकारी, विकास आर्य ने व्यवस्थाओं में सहयोग किया।

जागरूक खबरें

ऑनलाइन मातृ दिवस साहित्यिक महोत्सव आयोजित

लुधियाना @ जागरूक जनता। पुनीत अनुपम साहित्यिक समूह द्वारा मातृ दिवस के उपलक्ष्य में ऑनलाइन 'मातृ दिवस साहित्यिक महोत्सव' का आयोजन किया गया। जिसका विषय 'परम आदरणीय माँ' रखा गया। इस महोत्सव में देश के अलग-अलग राज्यों के रचनाकारों ने भाग लिया। जिन्होंने दिए गए विषय पर आधारित एक से बढ़कर एक उत्कृष्ट रचनाओं को प्रस्तुत कर महोत्सव की शोभा में चार चाँद लगा दिए। इस महोत्सव में रचनाकारों ने एक ओर जहां अपनी रचनाओं के माध्यम से जन्म देने वाली माँ के प्रति अपने असीम स्नेह और श्रद्धा भावना को प्रकट किया तो दूसरी ओर माँ से प्राप्त शिक्षाओं का गुणगान कर महोत्सव को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस महोत्सव में सम्मिलित सभी प्रतिभागी रचनाकार शख्सियतों को ऑनलाइन 'पुनीत मातृ स्नेही' सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समूह के संस्थापक एवं अध्यक्ष पुनीत कुमार ने मातृ शक्ति को कोटि-कोटि नमन करते हुए सभी देशवासियों को मातृ दिवस की शुभकामनाएं दी और महोत्सव में प्रस्तुत की गई रचनाओं पर अपनी महत्वपूर्ण प्रतिक्रिया देकर रचनाकारों का मार्गदर्शन तथा उत्साहवर्धन किया? और सम्मान पाने वाले सभी प्रतिभागी रचनाकारों को उज्ज्वल साहित्यिक जीवन की शुभकामनाएं दी। उन्होंने समूह द्वारा आयोजित होने वाले विभिन्न ऑनलाइन साहित्यिक महोत्सवों में सम्मिलित होने के लिए हिंदी रचनाकारों को सादर आमंत्रित भी किया। इस महोत्सव में उत्कृष्ट रचना प्रस्तुत करके समूह की शोभा बढ़ाने वालों में प्रमुख नाम संध्या शर्मा, कुसुम अशोक सुराणा,? चंचल जैन, स्मिता सिंह चौहान, प्राप्ति सिंह, सुनीता सोलंकी 'मीना', ज्योति पांडे रचनाकारों के रहे।

राजस्थान में पिछले 24 घंटे में 74 केस, एक की मौत, धौलपुर में एक्टिव केस 100 के पार

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान में पिछले 24 घंटे के अंदर 74 केस मिले है, जबकि एक मरीज की मौत हुई है। पिछले एक सप्ताह के अंदर कोरोना से राज्य में ये दूसरी मौत है। इससे 3 मई को जयपुर में कोरोना से एक मरीज की मौत हुई थी। राज्य में एक्टिव मरीजों की संख्या 604 हो गई, जिसमें सबसे ज्यादा जयपुर में है। मेडिकल हेल्थ डिपार्टमेंट राजस्थान से मिली रिपोर्ट के मुताबिक आज सबसे ज्यादा 41 कोरोना के केस जयपुर में मिले है। वहीं धौलपुर, अलवर में 11-11, सीकर में 3, चूरू में 5 और नागौर, स.माधोपुर में एक-एक मरीज मिला है। अजमेर में एक मरीज ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया है। कोरोना के राज्य में अब तक की स्थिति देखे तो पिछले 2 साल के अंदर 12 लाख 84 हजार 397 लोग इस वायरस से संर मित हो चुके है, जिसमें से 9554 मरीजों की मौत हो चुकी है।

धौलपुर में एक्टिव केस 100 से ज्यादा : राजस्थान में आज एक्टिव केसों की संख्या 604 हो गई है। इसमें सबसे ज्यादा 398 मरीज जयपुर में है। जयपुर के बाद धौलपुर ऐसा जिला है जहां एक्टिव केस 109 हो गए। वहीं बारां, बाड़मेर, बूंदी, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर, जैसलमेर, जालौर, झुंझुनूं, करौली, प्रतापगढ़ और टोंक ऐसा जिला है जहां एक भी एक्टिव केस नहीं है।

मानसरोवर में मिले 8 मरीज : जयपुर की बात करें तो यहां एरियावाइज सबसे ज्यादा मरीज 8 मरीज मानसरोवर में मिले है। इसी तरह जगतपुरा, सांगानेर में 5-5, जवाहर नगर, प्रताप नगर में 3-3 और शेष 10 से ज्यादा इलाकों में एक-एक केस मिला है।

तुष्टिकरण पर उतरी गहलोत सरकार : रोज दुष्कर्म, लूट, कत्ल हो रहे

वसुंधरा बोलीं- राजस्थान दंगों में नम्बर-1

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने कहा- केंद्र में PM मोदी के नेतृत्व की BJP सरकार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के आधार पर काम करती है। राजस्थान में कांग्रेस की गहलोत सरकार- 'खुद का साथ और खुद का विकास' के फॉर्मुले पर चल रही है। राजे ने सूरतगढ़ में BJP के बूथ अध्यक्ष संकल्प सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद थे। वसुंधरा ने कहा गहलोत सरकार ने कई कीर्तिमान क़ायम किए हैं। यह भ्रष्टाचार में देश में सर्वोच्च पायदान पर है। बेरोजगारी में भी नंबर वन है। महिला अत्याचार में भी यही आलम है। दंगों में भी नम्बर वन है। अब गहलोत सरकार तुष्टिकरण की नीति पर उतर आई है।

लॉ एंड ऑर्डर और बिजली गायब

राजे ने कहा कि राजस्थान में लॉ एंड ऑर्डर और बिजली गायब है। जहां हर रोज दुष्कर्म, लूट, कत्ल हो रहे हैं। सरकार ने साढ़े 3 साल में एक ही उपलब्धि हासिल की है-प्रदेश की जनता असुरक्षित,सरकार की गद्दी सुरक्षित।

हमारी सारी योजनाएं बन्द कीं

राजे ने कहा गहलोत सरकार ने हमारी टोल फ्री सड़कें, अन्नपूर्णा योजना, भामाशाह योजना, गौरव पथ, मुख्यमंत्री जल स्वावलंबल अभियान जैसी कई योजनाएं बंद कर दीं। अन्नपूर्णा रसोई योजना का नाम बदल कर इंदिरा रसोई और भामाशाह स्वास्थ्य बीमा योजना का नाम बदलकर चिरंजीवी योजना कर दिया। नहरी तंत्र सुधारने के लिए पिछली बीजेपी सरकार ने 2300 करोड़ रुपए के काम चालू किए थे,जिन्हें मौजूदा सरकार ने रोक दिया।

राहुल गांधी के वादे झूठे साबित हुए

राजे ने कहा जनता त्रस्त और सरकार मस्त है। अपनी साख को बचाने और जनता का ध्यान बंटाने के लिए गहलोत सरकार अब तुष्टीकरण की नीति पर उतर आई है। राहुल गांधी जब पिछले विधानसभा चुनाव में आए थे, तो 10 दिन में कर्जा माफ़ करने के अलावा कई वादे करके गए। जो झूठे साबित हुए। फसल के आसपास फूड प्रोसेसिंग यूनिट लगाने का वादा भी किया था। किसान उन प्रोसेसिंग यूनिट की तलाश कर रहे हैं, जिन्हें लगाने का वादा राहुल करके गए।

राजस्थान में BJP की सरकार बनेगी

राजे ने कहा राजस्थान में चुनाव आने वाले हैं। गहलोत और राहुल गांधी झूठे वादों की लिस्ट लेकर आएंगे। उनसे पूछना होगा कि पहले के वादे कहां हवा हो गए ? उन्होंने कहा मजबूत केन्द्रीय नेतृत्व में BJP गुजरात, हिमाचल, कर्नाटक और फिर राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में भी ऐतिहासिक बहुमत के साथ सरकारें बनाएगी। 1984 में बीजेपी के सिर्फ़ 2 सांसद चुनाव जीते थे। लेकिन आज गर्व हैं कि उसी भाजपा के देश में 300 से ज्यादा सांसद और 1443 विधायक हैं। यह जेपी नड्डा के कुशल नेतृत्व, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास के विजन और गृह मंत्री अमित शाह की दूरगामी सोच का नतीजा है।

गोविंद देव मंदिर के महंत की पुत्रवधु फंदे पर लटकी

ससुर-पति पूजा करने मंदिर गए थे, सफाई करने पहुंची महिला ने देखी लाश

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर में गोविंद देव मंदिर के महंत अंजन कुमार गोस्वामी की बहू निवेदिता (35) की लाश मंगलवार को फंदे से लटकी मिली। परिवार दरवाजा तोड़कर कमरे में पहुंचा तो घटना का पता चला। परिवार वाले गणगौरी हॉस्पिटल ले गए। डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौके पर सुसाइड नोट भी मिला है। इसके बाद पुलिस को सूचना मिली। मामला माणक चौक थाना क्षेत्र का है। जानकारी अनुसार, माणक चौक थाना सीआई सुरेंद्र यादव ने बताया कि मंगलवार सुबह गोविंद देव मंदिर के महंत और खवास जी के रास्ते निवासी अंजन कुमार गोस्वामी और उनके बेटे मानस गोस्वामी पूजा करने मंदिर गए हुए थे। सुबह करीब 6 बजे महंत के घर सफाई करने वाली ज्योत्सना पहुंची। निवेदिता का कमरा अंदर से बंद था। सफाई वाली महिला ने दरवाजा खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। महिला को शक हुआ। घर की दूसरी नौकरानी सुलेखा को बुलाया। उसने खिड़की से झांककर देखा तो निवेदिता फंदे से लटकी थी।

पड़ोसी दरवाजा तोड़कर कमरे में घुसे

नौकरानी ने पड़ोसियों को इसकी सूचना दी। पड़ोसी दरवाजा तोड़कर कमरे में घुसे। निवेदिता के शव को अस्पताल पहुंचाया गया। महंत और उनके बेटे को भी सूचना दी गई। वे भी अस्पताल पहुंच गए। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

कमरे से सुसाइड नोट मिला

डीसीपी नॉर्थ परिस देशमुख ने बताया की निवेदिता के कमरे से पुलिस को सुसाइड नोट मिला है। इसमें लिखा है कि किसी के खिलाफ कोई कार्रवाई न की जाए। अब पुलिस निवेदिता के परिजनों का इंतजार कर रही है। बुधवार को मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम होगा। निवेदिता के पति मानस गोस्वामी।

2007 में हुई थी शादी

निवेदिता और मानस की शादी वर्ष 2007 में हुई थी। पुलिस ने फांसी वाले कमरे को सील कर दिया है। एफएसएल टीम ने मौके से सबूत जुटाए हैं। बताया जा रहा है कि घर में तीन ही सदस्य रहते थे।

14 जिलों को झुलसाएंगी गर्म हवाएं

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान में अब दिन के साथ-साथ रातें भी झुलसाने लगी हैं। बांसवाड़ा, उदयपुर, फलौदी समेत कई शहरों में रात का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहने लगा है। इन शहरों में दिन के साथ ही रात में भी हीटवेव चलने लगी हैं। फलौदी कस्बे में मंगलवार रात न्यूनतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। इस सीजन में यहां की रात सबसे गर्म रही थी। 14 मई तक राज्य में जबरदस्त गर्मी पड़ेगी। 14 जिलों में गर्म हवा के थपेड़े परेशान करेंगे।

सबसे गर्म जालोर

जयपुर मौसम केन्द्र के अनुसार, मंगलवार को जयपुर, कोटा, नागौर समेत 17 जिलों में दिन का अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहा। जयपुर में सुबह 11 बजे के बाद से ही लू चलने लगी। दोपहर 12 बजे तक सड़कों पर सन्नाटा पसरने लगा। कूलर-एसी भी बेअसर होने लगे हैं। जोधपुर, बीकानेर, चूरू, गंगानगर, नागौर, डूंगरपुर, जालौर और पिलानी में दिन का अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहा। सबसे गर्म दिन आज जालोर में रहा। यहां का अधिकतम तापमान 46.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

जयपुर में चलती वैन में आग, 5 लोग जिंदा बचे, वैन हुई कबाड़

जयपुर @ जागरूक जनता। सीकर रोड पर मंगलवार दोपहर चलती वैन में आग लगने से दहशत फैल गई। वैन में सवार पांचों लोगों ने बाहर की ओर कूदकर अपनी जान बचाई। सूचना पर पहुंची विश्वकर्मा थाना पुलिस ने एक दमकल की मदद से आग पर काबू पाया। आग से जलकर गाड़ी कबाड़ में बदल गई। पुलिस ने बताया कि ढेहर के बालाजी निवासी मनोज कुमार सहित पांच लोग वैन में सवार थे। दोपहर करीब 12:30 बजे पांचों लोग वैन में सवार होकर विद्याधर नगर जा रहे थे। इसी दौरान सीकर रोड पर रोड नंबर-14 के पास चलती वैन में अचानक आग लग गई। कुछ ही देर आग ने पूरी वैन को चपेट में ले लिया। वैन को तुरंत ड्राइवर ने रोड किनारे रोका। वैन में सवार पांचों लोगों ने बाहर की ओर छलांग लगाकर अपनी जान बचाई। सूचना पर विश्वकर्मा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने एक दमकल की मदद से करीब 20 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इससे पहले ही आग में जलकर वैन कबाड़ में तब्दील हो गई। पुलिस प्रथमदृष्टया आग शॉर्ट सर्किट से लगना मान रही है।